THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 161 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.12 2080 सोमवार, 28 अगस्त 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मंदिर और धर्मग्रंथों में आस्था

तिरुवनंतपुरम के भद्रकाली मंदिर यात्रा पर बोले इसरो चीफ एस सोमनाथ

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग के बाद इसरो के वैज्ञानिक को देश-विदेश से बधाई मिल रही है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विदेश यात्रा से सीधे बेंगलुरू पहुंचकर वैज्ञानिकों को बधाई दी थी। वहीं चंद्रयान-3 की सफलता के बाद इसरो प्रमुख रविवार को तिरुवनंतपुरम में पूर्णमिकवु के भद्रकाली मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यहां भद्रकाली का आशीर्वाद लिया।

तिरुवनंतपुरम में पूर्णमिकवु में भद्रकाली मंदिर की अपनी यात्रा पर इसरो चीफ एस सोमनाथ ने मीडिया से बातचीत में कहा, मैं एक खोजकर्ता हूं। मैं चंद्रमा का अन्वेषण करता हूं। विज्ञान और आध्यात्मिकता दोनों की खोज करना मेरे जीवन की यात्रा का एक हिस्सा है, इसलिए मैं कई मंदिरों में जाता हूं और कई धर्मग्रंथ पढ़ता हूं। इसलिए इस ब्रह्मांड में हमारे अस्तित्व और हमारी यात्रा का अर्थ खोजने का प्रयास करें। यह संस्कृति का एक हिस्सा है जिसे हम सभी आंतरिक और बाहरी चीजों का पता लगाने के लिए बनाए गए हैं। इसलिए मैं बाहरी दुनिया के लिए विज्ञान का प्रयोग करता हूं आंतरिक आत्मा की संतुष्टि के लिए मंदिरों में जाता हूं।

'शिवशक्ति' नाम रखने में कुछ भी गलत नहीं

चंद्रयान-3 के टचडाउन पॉइंट को 'शिवशक्ति' नाम रखने पर इसरो

के चेयरमैन एस सोमनाथ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका अर्थ उस तरीके से बताया जो हम सभी के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। पीएम मोदी ने इसका अर्थ भी बताया है। इसरो चीफ ने कहा कि 'शिवशक्ति' और 'तिरंगा' दोनों भारतीय नाम हैं। सोमनाथ ने आगे कहा कि देखिए, हम जो कर रहे हैं उसका एक महत्व होना चाहिए और देश के प्रधानमंत्री होने के नाते यह नाम रखने का उनका विशेषाधिकार है।

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद आगे की प्रक्रिया के बारे में इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ ने कहा, सब कुछ बहुत अच्छे से काम कर रहा है। लैंडर और रोवर पूरी तरह से अपना ठीक काम कर रहे हैं। बोर्ड पर सभी पांच उपकरण चालू कर दिए गए हैं और यह एक अच्छा डाटा दे रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले दिनों में तीन सितंबर से पहले दस दिन शेष रहते हुए हम विभिन्न तरीकों की पूरी क्षमता के साथ सभी प्रयोगों को पूरा करने में सक्षम होंगे।

वहीं चंद्रयान-3 का रोवर 'प्रज्ञान' ठीक से काम कर रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को एक वीडियो जारी किया था। जिसमें प्रज्ञान रोवर को चंद्रमा की सतह पर लैंडर विक्रम के टचडाउन स्थल 'शिवशक्ति बिंदु' के आसपास घूमते हुए दिखाया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसरो ने कहा, प्रज्ञान रोवर दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रमा के रहस्यों की खोज में शिवशक्ति प्वाइंट के आसपास घूम रहा है।

इससे पहले इसरो ने शुक्रवार को बताया था कि चंद्रयान-3 के रोवर 'प्रज्ञान' ने चांद की सतह पर लगभग आठ मीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय कर ली है और इसके उपकरण चालू हो गए हैं।

>14

चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर ने पहला ऑब्जर्वेशन भेजा

सतह पर करीब 50 डिग्री तापमान, 80 मिलीमीटर की गहराई में माइनस 10ओसी

बेंगलुरू, 27 अगस्त (एजेंसियां)। चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर में लगे चास्टे पेलोड ने चंद्रमा के तापमान से जुड़ा पहला ऑब्जर्वेशन भेजा है। चास्टे यानी चंद्र सरफेस थर्मोफिजिकल एक्सपेरिमेंट के मुताबिक चंद्रमा की सतह और अलग-अलग गहराई पर तापमान में काफी अंतर है। चंद्रमा के साउथ पोल की सतह पर तापमान करीब 50 डिग्री सेल्सियस है। वहीं, 80एमएम की गहराई में माइनस 10ओसी टेम्परेचर रिकॉर्ड किया गया। चास्टे में 10 टेम्परेचर सेंसर लगे हैं, जो 10सीएम यानी 100एमएम की गहराई तक पहुंच सकते हैं। चास्टे पेलोड को स्पेस फिजिक्स लैबोरेटरी, वीएसएससी ने अहमदाबाद की फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी के साथ मिलकर बनाया है।

साउथ पोल का तापमान पता चलने का फायदा क्या

इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया था कि उन्होंने चंद्रमा के साउथ पोल को इसलिए चुना, क्योंकि यहां भविष्य में इंसानों को बसाने की क्षमता हो सकती है। साउथ पोल पर सूर्य का प्रकाश कम समय के लिए रहता है। अब जब चंद्रयान-3 वहां के तापमान समेत अन्य चीजों की स्पष्ट जानकारी भेज रहा है तो वैज्ञानिक अब यह समझने की कोशिश करेंगे कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की मिट्टी वास्तव में कितनी क्षमता रखती है।

चंद्रयान-3 के साथ कुल 7 पेलोड भेजे गए हैं

चंद्रयान-3 मिशन के तीन हिस्से हैं। प्रोपल्शन मॉड्यूल, लैंडर और रोवर। इन पर कुल 7 पेलोड लगे हैं। एक पेलोड, जिसका नाम शेप है, वह चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल पर लगा है। ये चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगाकर धरती से आने वाले रेडिएशन की जांच कर रहा है। वहीं लैंडर पर तीन पेलोड लगे हैं। रंभा, चास्टे और इल्सा। प्रज्ञान पर दो पेलोड हैं। एक इंस्ट्रूमेंट अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का भी है, जिसका नाम है लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर अरे। ये चंद्रयान-3 के लैंडर पर लगा हुआ है। ये चंद्रमा से पृथ्वी की दूरी मापने के काम आता है।

>14

स्पेस सेक्टर में ज्यादा इंवेस्टमेंट की जरूरत

बेंगलुरू, 27 अगस्त (एजेंसियां)। चंद्रयान-3 की सफलता से स्पेस वेंचर में इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा मिलने की उम्मीद तेजी से बढ़ी है। बीते हफ्ते इसरो के सप्लायर्स और उनसे जुड़ी कंपनियों के शेयर्स की कीमतों में भी तेजी देखी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक लार्सन एंड टूब्रो (एल&टी) और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स (एचएएल) समेत 20 कंपनियां स्मॉल सैटेलाइट लॉन्चिंग व्हीकल के प्राइवेटाइजेशन के लिए होने वाली नीलामी में बोली लगा सकती हैं। इस बीच, इसरो चीफ एस सोमनाथ का भी एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि भारत के पास चंद्रमा, मंगल और शुक्र की यात्रा करने की क्षमता है लेकिन हमें और ज्यादा इन्वेस्टमेंट की जरूरत है।

एस सोमनाथ बोले, भारत के पास चंद्रमा, मंगल और शुक्र ग्रह की यात्रा करने की क्षमता है लेकिन हमें अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ और ज्यादा इन्वेस्टमेंट्स की जरूरत है। हमारे स्पेस सेक्टर में डेवलपमेंट होना चाहिए। इससे साथ ही पूरे देश का विकास होना चाहिए, यही हमारा मिशन है। हम उस विजन को पूरा करने के लिए तैयार हैं जो पीएम मोदी ने हमें दिया था।

एसएसएलवी को डेवलप करने का मकसद छोटे सैटेलाइट लॉन्च करना है। इसके पहले पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) का इस्तेमाल लॉन्चिंग में बहुत ज्यादा किया जाता रहा है। एसएसएलवी के चलते अब यह बड़े मिशन के लिए फ्री हो सकेगा। एसएसएलवी 10केजी से 500केजी तक के ऑब्जेक्ट को 500 किलोमीटर दूर प्लैनर ऑर्बिट में ले जा सकता है।

एमएसएमई के संरक्षण के लिए औद्योगिक केंद्र व एकल जीएसटी दर अनिवार्य उपाय : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को ऊटी में मॉडीज चॉकलेट्स के अपने दौरे का एक वीडियो साझा किया और कहा कि यह भारत के एमएसएमई की महान क्षमता और औद्योगिक केंद्र बनाने व एकल जीएसटी दर को लागू करने का एक उल्लेखनीय प्रमाण है। हमें एमएसएमई की सुरक्षा के लिए खड़े होना चाहिए, जो भारत के विकास इंजन को चलाने की सामर्थ्य रखते हैं।

एक ट्वीट में, राहुल गांधी ने कहा, 70 महिलाओं की टीम ऊटी की प्रसिद्ध चॉकलेट फैक्ट्रियों में से एक को चलाती है। मॉडीज चॉकलेट की कहानी भारत के एमएसएमई की महान क्षमता का एक उल्लेखनीय प्रमाण है। उन्होंने चॉकलेट फैक्ट्री की अपनी यात्रा का लिंक भी साझा किया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सुरम्य नीलगिरी के बीच विश्वस्तर पर प्रसिद्ध भारतीय उद्योग हैं, ऊटी के चॉकलेट निर्माता। उन्होंने कहा, हाल ही में वायनाड जाते समय,

मुझे ऊटी के सबसे प्रसिद्ध ब्रांडों में से एक, मोडीज चॉकलेट्स का दौरा करने का आनंददायक अनुभव हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि इस छोटे व्यवसाय के पीछे दंपति मुरलीधर राव और स्वाति की उद्यमशीलता की भावना प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा, सभी महिलाओं की टीम भी उतनी ही उल्लेखनीय है, जो उनके साथ काम करती है। 70 महिलाओं की यह समर्पित टीम सबसे उत्कृष्ट कूवर्चर चॉकलेट बनाती है, जो मैंने चखी है।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, हालांकि, पूरे भारत में अनगिनत अन्य छोटे और मध्यम व्यवसायों की तरह, मॉडीज भी गब्बर सिंह टैक्स के बोझ से जूझ रहा है। ऐसे परिदृश्य में ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को नुकसान पहुंचाकर बड़ी कंपनियों का पक्ष लेती है, यह उन महिलाओं जैसे कड़ी मेहनत करने वाले भारतीयों का धैर्य है, जिनसे मैं यहां मिला, जो भारत के विकास को बनाए रखता है।

राहुल गांधी ने कहा, औद्योगिक केंद्र बनाना और एकल जीएसटी दर को लागू करना एमएसएमई को बचाने के लिए अनिवार्य उपाय है, जो सामूहिक रूप से भारत के विकास इंजन को चलाने की शक्ति रखते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह की महिला नेतृत्व वाली टीमें हमारे हर संभव समर्थन की हकदार हैं। उन्होंने कहा, मुरलीधर और स्वाति के बच्चे ऐसे भारत के हकदार हैं, जहां उनका भविष्य विकसित हो। गौरतलब है कि कुछ महीनों में राहुल गांधी जनता के बीच औचक दौरे कर रहे हैं।

बंगाल में अवैध पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 8 की मौत

मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, आस-पास की छतों पर जाकर गिरे शरीर के टुकड़े

कोलकाता, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार को ब्लास्ट हो गया। घटना में 8 लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर है। इसका सही आंकड़ा अब तक सामने नहीं आया है। कोलकाता पुलिस के मुताबिक, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

फायर स्टेशन अधिकारी आशीष घोष के हवाले से बताया कि हादसा कोलकाता से लगभग 30 किलोमीटर दूर नीलगंज में मोशपोल इलाके में सुबह 10 बजे हुआ। पटाखा फैक्ट्री दत्तपुकुर में है। हादसे के वक्त कई लोग फैक्ट्री में काम कर रहे थे। कोलकाता पुलिस ने कहा कि अब तक 5 शव मिले हैं। विस्फोट में कई लोग घायल हुए हैं। धमाका इतना भयानक था कि लोगों के चीथड़े आस-पड़ोस की छतों पर जाकर गिरे। हालांकि मलबे में बम होने की आशंका के चलते, पुलिस के साथ बम निरोधक दस्ता भी मौके पर मौजूद है। इसके पहले मई में भी पूर्व मेदिनीपुर जिले के एगरा में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए इसी तरह के विस्फोट में 12 लोग मारे गए थे।

आज के गरीब कल मध्यम वर्ग में होंगे

सरकार की पॉलिसी भारत की ग्रोथ में मदद करेंगे

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बी20 इंडिया समिट को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले 5 से 7 सालों में भारत में सबसे ज्यादा मध्यम वर्ग के लोग होंगे। ये हमारी सरकार की गरीबों को समर्थन देने वाली नीतियों के कारण हो रहा है। ये भारत की ग्रोथ में मदद करेंगे।

उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोग गरीबी को पीछे छोड़ रहे हैं और भारत में जिसे वह "नए मध्यम वर्ग" कहते हैं, उसमें शामिल हो रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि गरीबी से निपटने के लिए सरकार की नीतियां काम कर रही हैं। मध्यम वर्ग की सामान खरीदने की कैपेसिटी बढ़ने से बिजनेसों को मदद मिलेगी। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मेड इन इंडिया, कोविड-19 महामारी सहित अन्य मुद्दों पर समिट में अपनी बातें रखीं।

वाइब्रेंट फोरम बनकर उभरा बिजनेस-20 :

पीएम ने कहा कि आपकी दोस्ती जितनी भारत से मजबूत होगी, उतनी ही समृद्धि दोनों देशों को मिलेगी। मुझे खुशी है कि जी-20 देशों के बीच बिजनेस-20 एक वाइब्रेंट फोरम बनकर उभरा है। बी20 की थीम- रेज में जो (आई) है वह इनोवेशन को रिप्रजेंट करता है, लेकिन मैं इसमें इनोवेशन के साथ ही एक और आई को देखता हूं। इस आई में इंक्लूसिवनेस है। हमने अफ्रीकन यूनियन को भी जी-20 की स्थाई सदस्यता के इसी विजन के साथ इनवाइट किया है।

पीएम ने ये भी कहा कि भारत में त्योहारी सीजन इस बार 23 अगस्त से शुरू हो गया है। इसका कारण चंद्रयान-3 की चंद्रमा की सतह पर लैंडिंग है। इसरो ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता का श्रेय भारतीय इंडस्ट्रीज के साथ-साथ एमएसएमईएस को भी जाता है। यह उत्सव इनोवेशन के बारे में है।

ग्लोबल साउथ की चिंताओं भारत ने जी20 एजेंडा का केंद्र बनाया

इसी समिट में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि जी20 का मुख्य उद्देश्य आर्थिक ग्रोथ और विकास को बढ़ावा देना है और अगर ग्लोबल साउथ की चिंताओं को नहीं उठाया गया तो आगे नहीं बढ़ा जा सकता है। ग्लोबल साउथ उत्पादक के बजाय उपभोक्ता बनकर रह गया। इस साल और हमने उनकी चुनौतियों और प्राथमिकताओं के बारे में सुना और इन्हें जी20 एजेंडा का केंद्र बनाया गया है।

>14

पीएम के मन की बात का 104वां एपिसोड

सितंबर का महीना भारत के सामर्थ्य का साक्षी बनेगा

तेलुगु और संस्कृत दिवस का जिक्र किया, कल तेलुगु दिवस मनाया जाएगा

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह 11 बजे देशवासियों को मन की बात कार्यक्रम के जरिए संबोधित किया। यह मन की बात का 104वां एपिसोड था। पीएम ने अपने संबोधन की शुरूआत चंद्रयान-3 की सफलता के साथ की।

पीएम ने कहा, भारत के चंद्रयान ने ये साबित कर दिया है कि संकल्प के कुछ सूरज चांद पर भी उगते हैं। मिशन चंद्रयान नए भारत की उस स्पिरिट का प्रतीक बन गया है, जो हर हाल में जीतना चाहता है, और हर हाल में, जीतना जानता भी है।

इसके बाद पीएम मोदी ने जी-20 बैठक का जिक्र किया। उन्होंने कहा, सितंबर का महीना, भारत के सामर्थ्य का साक्षी बनने जा रहा है। इसके अलावा पीएम मोदी ने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स, पर्यटन, डेयरी इंडस्ट्री और हर घर तिरंगा अभियान पर भी बात की।

पीएम ने कहा, भारत का मिशन चंद्रयान, नारीशक्ति का भी जीवंत उदाहरण :

पीएम ने चंद्रयान मिशन को लेकर कहा- साथियों, आपको याद होगा इस बार मैंने लाल किले से कहा है कि हमें महिलाओं के

नेतृत्व में डेवलपमेंट को राष्ट्रीय चरित्र के रूप में सशक्त करना है। भारत का मिशन चंद्रयान, नारीशक्ति का भी जीवंत उदाहरण है। इस पूरे मिशन में अनेकों महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर्स सीधे तौर पर जुड़ी रही हैं। भारत की बेटियां अब अनंत समझे जाने वाले अंतरिक्ष को भी चुनौती दे रही हैं। किसी देश की बेटियां जब इतनी आकांक्षी हो जाएं, तो उस देश को विकसित बनने से भला कौन रोक सकता है।

पहली बार वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में 26 मेडल जीते, पीएम ने तारीफ की :

खेल पर बात करते हुए पीएम ने कहा, कुछ ही दिनों पहले चीन में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स हुए थे। इन खेलों में इस बार भारत का प्रदर्शन अब तक का सबसे अच्छा रहा। हमारे खिलाड़ियों ने कुल 26 पदक जीते, जिनमें से 11 गोल्ड मेडल थे। आपको ये जानकर अच्छा लगेगा कि 1959 से लेकर अब तक जितने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स हुए हैं, उनमें जीते सभी मेडल्स को जोड़ दें तो भी ये संख्या 18 तक ही पहुंचती है। इतने दशकों में सिर्फ 18, जबकि इस बार हमारे खिलाड़ियों ने 26 मेडल जीत लिए।

जी-20 की बैठक, पीएम बोले- सितंबर का महीना, भारत के सामर्थ्य का साक्षी बनने जा रहा :

जी-20 को लेकर पीएम ने कहा- सितंबर का महीना, भारत के सामर्थ्य का साक्षी बनने जा रहा है। अगले महीने होने जा रही जी-20 लीडर्स समिट के लिए भारत पूरी तरह से तैयार है। इस आयोजन में भाग लेने के लिए 40 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और अनेक वैश्विक संगठन राजधानी दिल्ली आ रहे हैं। जी-20 बैठक के इतिहास में ये अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी होगी। अपनी प्रेसिडेंसी के दौरान भारत ने जी-20 को और ज्यादा इंक्लूसिव फोरम बनाया है। भारत के निमंत्रण पर ही अफ्रीकी संघ भी जी-20 से जुड़ी और अफ्रीका के लोगों की आवाज दुनिया के इस अहम प्लेटफार्म तक पहुंची।

देशवासियों से अपील, जब मौका मिले देश की विविधता जरूर देखें :

पर्यटन पर बोलते हुए पीएम ने कहा, मेरे परिवारजनों, 'मन की बात' के कई एपिसोड में हमने टूरिज्म पर बात की है। चीजों या स्थानों को साक्षात् देखना, समझना और कुछ पल उनको जीना, एक अलग ही अनुभव देता है। मैं अक्सर आप सभी से ये आग्रह करता हूं कि जब मौका मिले, हमें अपने देश की सुंदरता, अपने देश की विविधता को जरूर देखने जाना चाहिए। अक्सर हम भले ही दुनिया का कोना-कोना छान लें लेकिन अपने ही शहर या राज्य की कई बेहतरीन जगहों और चीजों से अनजान होते हैं।

पीएम बोले- इस बार मुझे संस्कृत में पत्र मिले, यह दुनिया की सबसे प्राचीन भाषाओं में एक

पीएम ने तेलुगु और संस्कृत दिवस का जिक्र करते हुए कहा, इस बार मुझे कई पत्र संस्कृत भाषा में मिले हैं। इसकी वजह यह है कि सावन मास की पूर्णिमा को विश्व संस्कृत दिवस मनाया जाता है। हम सब जानते हैं कि संस्कृत दुनिया की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। इसे कई आधुनिक भाषाओं की जननी भी कहा जाता है। ऐसे ही भारत की एक और मातृभाषा है, गौरवशाली तेलुगु भाषा। 29 अगस्त तेलुगु दिवस मनाया जाएगा। आप सभी को तेलुगु दिवस की बहुत-बहुत बधाई। तेलुगु भाषा के साहित्य और विरासत में भारतीय संस्कृति के कई अनमोल रत्न छिपे हैं।

पाकिस्तान में सिखों को धमकियां

कहा- इस्लाम कबूल करो या देश छोड़कर चले जाओ

अमृतसर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सिखों पर हमलों के बाद अब इस्लाम कबूलने के लिए धमकियों भरे खत भेजे जाने लगे हैं। जिसके बाद पाकिस्तान में सिखों में डर का माहौल पैदा हो गया है। तख्त दमदमा साहिब के जत्थेदार और अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने इसकी निंदा की है। जत्थेदार ने पाकिस्तान सरकार से ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है।

जत्थेदार ने कहा कि पाकिस्तान में सिख समुदाय पहले ही खतरों का सामना कर रहा है। सिख समुदाय के सदस्यों ने पाकिस्तानी सरकार से हस्तक्षेप करने और अपने कमजोर अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा करने का आग्रह किया है। मिली जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के रावलपिंडी व पंजाब साहिब में सिख परिवारों को खत मिल रहे हैं। जिन पर उन्हें इस्लाम कबूलने या पाकिस्तान छोड़ने के लिए कहा गया है। न करने पर घातक परिणाम भुगतने की भी चेतावनी दी गई है।

इस पर तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि तीस साल पहले, अफगानिस्तान के काबुल, कंधार और वजीराबाद में ऐसे परिवार थे जो वहां के ऐतिहासिक गुरुओं के घरों में सेवाएं देते थे। कुछ समय पहले सिखों को चुन-चुन कर मारा गया तो उन्होंने पलायन करना शुरू कर दिया।

हरियाणा सीएम बोले- नूंह में आज यात्रा की परमिशन नहीं

वीएचपी ने कहा- हमें जरूरत नहीं, यात्रा 11 बजे शुरू होगी, इंटरनेट, स्कूल-कॉलेज बंद

चंडीगढ़, 27 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल ने कहा कि 28 अगस्त को नूंह में ब्रजमंडल यात्रा को परमिशन नहीं दी गई है। नूंह में एक महीना पहले ही हिंसक घटना हुई है, उसको लेकर सावधानी रखने की जरूरत है। मंदिरों में पूजा-अर्चना करना सबका अधिकार है। उन्हें श्रद्धा के अनुसार छूट मिलनी चाहिए।

खट्टर ने ये भी कहा कि हमने लोगों से अपील भी की है कि वे यात्रा करने से बचें और स्थानीय मंदिरों में पूजा-अर्चना करें। सुरक्षा रखना सरकार का दायित्व है। लॉ एंड ऑर्डर बना रहे, यह सरकार की कोशिश है। इससे पहले प्रशासन भी यात्रा की परमिशन से इनकार कर चुका है। नूंह में धारा 144 लगा दी गई है। स्कूल-कॉलेज और इंटरनेट 28 अगस्त तक बंद हैं।

नूंह में ब्रजमंडल यात्रा पर विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा, 28 अगस्त को सुबह 11 बजे यात्रा की शुरूआत करेंगे। यात्रा की परमिशन लेने का सवाल ही नहीं उठता। सावन का आखिरी सोमवार है और हर श्रद्धालु का अधिकार है कि वह अपने इष्ट का जलाभिषेक करे। उन्होंने कहा कि यह एक धर्मपरायण देश है, यहां किसी भी यात्रा के लिए परमिशन नहीं ली जाती। उन्होंने सवाल किया कि क्या कभी कुंभ के लिए परमिशन ली जाती है।

नूंह में फिर से ब्रजमंडल यात्रा के ऐलान के बाद सीएम मनोहर लाल ने डीजीपी शत्रुजीत कपूर और सीआईडी के चीफ एडीजीपी आलोक मित्तल के साथ 2 घंटे तक मीटिंग की।

तीनों के बीच नूंह में मौजूदा हालात और यात्रा निकलने की सूरत में खुफिया इनपुट को लेकर चर्चा की गई।

बंगाल से आईएसआई जासूस की गिरफ्तारी

भाजपा बोली- देश विरोधी गतिविधियों का केंद्र बना राज्य, ममता को बताया पाक प्रेमी

कोलकाता, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। सुकांत मजूमदार ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की मौजूदा सरकार, पाकिस्तान प्रेमी सरकार है। यही वजह है कि पाकिस्तान के लिए काम करने वाले जैसे- आईएसआई एजेंट्स, बंगाल में रहकर काम कर रहे हैं और देश विरोधी गतिविधियों के लिए बंगाल को केंद्र के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। देश विरोधी लोगों को मुख्यमंत्री और उनकी सरकार से मदद मिल रही है।

बता दें कि सुकांत मजूमदार का बयान ऐसे वक्त आया है, जब कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार को एक कथित पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया है। इस संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस से संवेदनशील दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। कोलकाता पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को हावड़ा स्थित उसके घर से पकड़ा है। पश्चिम बंगाल की एसटीएफ ने कई घंटे की पूछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को देश की सुरक्षा के लिए घातक गतिविधियों में सीधे तौर पर शामिल पाया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी के मोबाइल फोन से तस्वीरों, वीडियो और ऑनलाइन चैट के रूप में खुफिया जानकारी मिली है। ये जानकारियां आरोपी ने पाकिस्तान में एक संदिग्ध खुफिया एजेंट को भेजी थी।

जी-20 बैठक से पहले खालिस्तान समर्थकों की शर्मनाक करतूत

मेट्रो के स्टेशनों पर लिखे देशविरोधी नारे

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले खालिस्तानियों की शर्मनाक करतूत सामने आई है। दिल्ली मेट्रो के अलग-अलग पांच स्टेशनों ने देश विरोधी नारे लिखे गए हैं। दिल्ली पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने दिल्ली मेट्रो स्टेशनों के फुटेज जारी किए हैं। इनमें खालिस्तान समर्थित नारे लिखे हुए हैं। दिल्ली के कई मेट्रो स्टेशनों पर शिवाजी पार्क से लेकर पंजाबी बाग तक एसएफजे कार्यकर्ता खालिस्तान समर्थक नारे लगाते हुए देखे गए है। स्टेशनों पर 'दिल्ली बनेगा खालिस्तान' और 'खालिस्तान जिंदाबाद' लिखा गया है।

'राहत देने से समाज में जाएगा गलत संदेश'

केरल एचसी ने की हेरोइन तस्करी के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

कोच्चि, 27 अगस्त (एजेंसियां)। केरल हाई कोर्ट ने हेरोइन तस्करी के पीछे सरगना होने के आरोपी तमिलनाडु के मूल निवासी बालाकृष्णन पेरियासामी पिल्लई को जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जियाद रहमान ए ए ने कहा, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री से प्रथम दृष्टया पता चलता है कि मामले में आरोपी की पूरी भूमिका थी और उन्हें राहत देने से समाज में गलत संदेश जाएगा। गौरतलब है कि तमिलनाडु के मूल निवासी पर लगभग 1,500 करोड़ रुपये मूल्य की 217 किलोग्राम से अधिक हेरोइन की तस्करी के पीछे मुख्य सरगना होने का आरोप है, जिसे तटरक्षक बल ने पिछले साल मई में केरल तट से दो नावों से जब्त किया था।

इस रिहाई से समाज में एक गलत संदेश जाएगा

कोर्ट ने यह फैसला आरोपी पिल्लई के कॉल डिटेल्स, सेल टावर लोकेशन, पैसे के लेनदेन, अन्य आरोपियों के कबूलनामे के बयानों और विभिन्न अन्य डेटा के आधार पर सुनाया है। यह सभी सबूत राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा कोर्ट के सामने पेश किए गए थे। कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि, थम दृष्टया में यह सभी सबूत याचिकाकर्ता (पिल्लई) की भूमिका की ओर इशारा करता है। न्यायमूर्ति जियाद ने कहा कि उपरोक्त सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, मैंने पाया कि यह एक उपयुक्त मामला नहीं है जिसमें याचिकाकर्ता को जमानत दी जा सकती है। मामले में कोई भी उदार दृष्टिकोण समग्र रूप से समाज के हित के खिलाफ होगा और इस तरह की रिहाई से समाज में एक गलत संदेश जाएगा। इन टिप्पणियों के साथ, अदालत ने पिल्लई द्वारा दायर नियमित जमानत की याचिका खारिज कर दी।

20 से अधिक लोगों को किया गया गिरफ्तार

केंद्र और डीआरआई के अनुसार, प्रतिबंधित सामग्री एक विदेशी जहाज से बरामद की गई थी और दो नौकाओं और दवाओं को भारतीय जल क्षेत्र में जब्त किया गया था। पिल्लई के अलावा, 20 से अधिक अन्य लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। भारत के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल (डीएसजी) मनु एस द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए डीआरआई ने अदालत को बताया कि दवाओं के परिवहन के लिए दो नावों की खरीद के निर्देश और पैसे पिल्लई द्वारा दिए गए थे। डीएसजी ने उन्हें किसी भी तरह की राहत देने का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता (पिल्लई) पूरे लेनदेन के पीछे का सरगना था और उसने ही वित्त मुहैया कराया था। वहीं, याचिकाकर्ता के वकील ने दावा किया कि रिकॉर्ड पर रखी गई सामग्री मामले में उनकी भूमिका को इंगित करने के लिए पर्याप्त नहीं थी, लेकिन अदालत ने इस तर्क को खारिज कर दिया।

चैटजीपीटी जैसे एआई कभी भी मानव दिमाग की जगह नहीं ले सकते- दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि मानव जीवन में चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स कभी भी इंसान और इंसानी दिमाग की जगह नहीं ले सकते हैं। फ्रांसीसी लग्जरी प्रोडक्ट कंपनी क्रिश्चियन लॉबाउटिन की ओर से दाखिल एक मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता कभी भी मानवीय दिमाग का स्थान नहीं ले सकती है। इसके साथ ही बेंच ने इस मामले में चैटजीपीटी द्वारा दिए गए सुझावों पर भरोसा करने से भी इनकार कर दिया। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने टिप्पणी करते हुए कहा कि एआई की तरफ से दिया गए डेटा, जवाब और सुझाव विश्वनीय नहीं होते हैं। यह तकनीक अभी भी विकासशील है और इसमें परिवर्तन हो रहे हैं। अतः यह न्याय और कोर्ट के मामलों में इंसानों की जगह नहीं ले सकता है। हालांकि बेंच ने यह माना है कि एआई से शुरूआती रिसर्च और सुझाव लिए जा सकते हैं।

'चैटजीपीटी के जवाब एक पक्षीय भी होते हैं'

अदालत ने कहा कि चैटजीपीटी जैसे बड़े भाषा मॉडल आधारित चैटबॉट्स के जवाब और सुझाव उपयोगकर्ता द्वारा पूछे गए सवाल की प्रकृति और संरचना सहित कई कारकों पर निर्भर करती है। इसमें जवाब और सुझाव, किसी के हित प्रभावी और काल्पनिक होने की भी संभावना होती है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इस मामले से जुड़े कुछ सवाल चैटजीपीटी से पूछे गए, जिसके जवाब के साथ-साथ डिस्क्लेमर में यह भी कहा गया कि ज्यादा जानकारी के लिए अन्य स्त्रोत भी खोज सकते हैं।

हिरासत में मौत से जुड़ी याचिका पर यूपी सरकार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

दो सप्ताह के अंदर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। हाई कोर्ट ने कथित रूप से हिरासत में मौत की सीबीआइ जांच की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस विक्रम नाथ और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया। अदालत ने 25 अगस्त के अपने आदेश में कहा, नोटिस जारी करें। दो सप्ताह के भीतर इसका जवाब दिया जाए। यह याचिका हेमंत सोनी नामक व्यक्ति ने दायर की थी। याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व अधिवक्ता राहुल त्रिवेदी ने

किया।

क्या है मामला?

याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत को बताया कि मामला उसके भाई की "हिरासत में मौत" से संबंधित है और वह दर-दर भटक रहा है। वह सीबीआइ जैसी स्वतंत्र जांच एजेंसी द्वारा निष्पक्ष सुनवाई का अनुरोध कर रहा है। याचिका में कहा गया है कि यह झांसी जिले का मामला है। 25 और 26 सितंबर, 2021 की मध्यरात्रि को अजय सोनी की क्रूर यातना के बारे में हर प्रमुख और स्थानीय समाचार पत्र में खबर छपी थी। नवंबर में पुलिस हिरासत में उसकी मृत्यु हो गई

शरद पवार के चलते कोश्यारी ने राज्यपाल पद से दिया था इस्तीफा?

भगत दा ने महाराष्ट्र राजभवन के राज से उठाया पर्दा

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भगत दा के नाम से मशहूर भगत सिंह कोश्यारी ने महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। सुबह तड़के देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार का शपथ ग्रहण समारोह हो या उद्धव ठाकरे की सरकार को फ्लोर टेस्ट का निर्देश देना हो, ऐसे कई फैसले रहे जिसे लेकर उनके ऊपर सवाल भी उठे। कोश्यारी ने इसी साल जनवरी में राज्यपाल के पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे को लेकर भी कई चर्चाएं होती हैं। अब भगत सिंह कोश्यारी ने राजभवन के कई राजों से पर्दा उठाया है।

दबाव की बात से किया इनकार

भगत सिंह कोश्यारी ने उत्तराखंड फर्स्ट कार्यक्रम में कई सवालों के जवाब दिए।

इसी में उनसे सवाल किया गया कि कहा जाता है कि इस्तीफे की वजह एनसीपी नेता शरद पवार की तरफ से दबाव था। इस पर कोश्यारी ने कहा कि शरद पवार इस देश के वरिष्ठ नेताओं में हैं, जिनका आज भी सभी सम्मान करते हैं। कोश्यारी ने दबाव की बात से इनकार करते हुए कहा कि शरद पवार ने मुलाकात के दौरान अपने मन की बात उनसे कही थी। ऐसा कुछ भी नहीं था। राजनीति में अंदर कुछ कहते हैं, बाहर कुछ कहते हैं।

अजित की तारीफ, तंज भी

अजित पवार के सवाल पर कोश्यारी ने थोड़ा तंज कसा और तारीफ भी की। कोश्यारी ने कहा, अजित पवार महाराष्ट्र में एक सुलझे हुए राजनेता हैं। उत्तराखंड के सीएम रह चुके भगत सिंह कोश्यारी ने बिना नाम लिए अपने ही राज्य के एक पूर्व सीएम से अजित पवार की तुलना की और कहा कि जैसे हमारे प्रदेश में एक बड़े नेता हैं, वो कितनी बार हार जाएं वो हार नहीं मानते, ऐसे ही अजित पवार भी ऐसे व्यक्ति हैं, उनकी जितनी भी बार डिप्टी सीएम बनने को कहो वे तैयार रहते हैं। इसलिए कभी-कभी उनपर दया भी आती है। कोश्यारी ने आगे कहा, अजित पवार होशियार आदमी हैं। उनका जनाधार बहुत है। संगठन में मजबूत पकड़ है। एनसीपी के अधिकांश विधायक अजित पवार के साथ हैं। इसलिए उनका अपना स्थान है।

मणिपुर मुद्दे पर कांग्रेस ने पीएम मोदी पर फिर साधा निशाना

पूछा- क्या मणिपुर के लिए कोई 'हीलिंग टच' होगा?

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर मुद्दे पर कांग्रेस ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री को उन लोगों को चेतावनी देनी चाहिए जो कानून की अवहेलना करते हैं और सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'मन की बात' की। कांग्रेस ने कहा कि आपने आज 104वीं 'मन की बात' है। बहुत सारे इसरो, जी20 और दूसरी बात की। लेकिन क्या मणिपुर के लिए कुछ मरहम, कुछ हीलिंग टच होंगे? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए एक्स पर लिखा, क्या कानून की अवहेलना करने वालों और सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने वालों को सख्त चेतावनी दी जाएगी? इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह ने कहा, राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार हो रहा है। मणिपुर में 3 मई को जातीय संघर्ष भड़क उठा और तब से अब तक सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है जबकि हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

मुंबई में पड़ोसी की बर्बरता! 5 साल की मासूम को पटक-पटक कर पीटा, मुंह से निकल गया खून

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली खबर सामने आ रही है। यहां पर दो पड़ोसियों के बीच किसी बात पर विवाद हुआ तो एक पड़ोसी ने दूसरे की मासूम बेटी पर अपनी गुस्सा निकाली। पड़ोसी ने स्कूल से लौट रही 5 साल की मासूम को देखा तो वह तुरंत उसके पास गया और उस पर हमला कर दिया। पड़ोसी ने हैवानियत की सारी हदें तब पार कर दी जब उसने बच्ची को पीट-पीट कर लहूलुहान कर दिया। दरअसल जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला ठाणे के भिवंडी का है। जहां पर नवीं बस्ती इलाके में विवेकानंद इंग्लिश स्कूल में पढ़ने वाली एक छात्रा के पिता का किसी बात पर पड़ोसी के साथ झगड़ा हो गया था। इसके बाद मासूम बच्ची स्कूल लौट रही थी। जब पड़ोसी ने उस मासूम को देखा तो वह तुरंत उसके पास पहुंच गया। पड़ोसी ने उस नन्हीं मासूम पर एक के बाद एक कई वार कर दिए। वार भी ऐसे खतरनाक कि बच्ची लहू-लुहान हो गई। जब पड़ोसी 5 साल की मासूम बच्ची को बेरहमी के साथ पीट रहा था, तो उस वक्त आस-पास खड़े लोगों ने बच्ची को बचाया। लेकिन तब तक बच्ची को पड़ोसी इतना पीट चुका था कि उसके चेहरे से खून आने लगा था। बच्ची के नाक और मुंह से खून आना शुरू हो गया था। जिन लोगों ने मासूम बच्ची को बचाया उन्होंने पड़ोसी को पकड़ लिया और जब उन्हें मामला पता चला तो पड़ोसी की ही जमकर पिटाई कर दी। जब इस पूरे मामले की जानकारी पुलिस को लगी तो पुलिस तुरंत ही मौके पर पहुंची।

राखी पर सीएम का तोहफा

लाडली बहनों को अब हर माह 1250 रुपये, सरकारी नौकरियों में 35% आरक्षण, सिलेंडर भी 450 में

भोपाल, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भोपाल के जंबूरी मैदान में रविवार को लाड़ली बहनों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनावी साल में बहनों को रक्षाबंधन का तोहफा दिया। सरकारी नौकरी में महिलाओं को अब 35 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए सिंगल क्लिक से 250 रुपये खाते में डाले। सितंबर में एक हजार रुपये खाते में डाले। वहीं, अब अक्तूबर से 1,250 रुपये प्रतिमाह लाड़ली बहनों के खाते में डाले जाएंगे सावन माह में बहनों को साढ़े चार सौ रुपये में गैस सिलेंडर सरकार उपलब्ध कराएगी। वहीं, नशा को रोकने के लिए जहां 50 प्रतिशत महिलाएं शराब दुकान बंद करने को सहमति देंगी, अलगे साल से वहां

शराब की दुकान को बंद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए एक बड़ा एलान करते हुए कहा कि पुलिस की भर्ती में अभी महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत पद आरक्षण है। अब पुलिस समेत अन्य सरकारी भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को मिलेगा। इसके अलावा सीएम ने एलान किया कि नोमिनेटेड पोस्ट में भी अब 35 प्रतिशत महिलाओं को नियुक्त किया जाएगा। अलग-अलग तरह की नियुक्तियों में महिलाओं को ठीक प्रतिनिधित्व देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि बहन और बेटी को बेहतर शिक्षा देनी होगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लाड़ली बहनों का महाकुंभ है। आज नारी शक्ति की आवाज पूरे मध्यप्रदेश में गूंजना चाहिए। भाई बहन का प्रेम अमर प्रेम है। प्रेम,आत्मीयता और यह प्यार का पवित्र रिश्ता मेरी सभी बहनों को शीश झुकाकर प्रणाम करता हूं। मेरी बहनों राखी की बहुत शुभकामनाएं। सीएम ने कहा कि पूरी दुनिया को संदेश देता हूं कि मां, बहन और बेटी पूजनीय है। उनका मान, सम्मान यह मानवता का धर्म है। उनकी जिंदगी में कोई संकट और कष्ट न रहे। सीएम ने कहा कि हिंदू या मुस्लिम सभी मेरी बहनें हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मेरा सपना है कि हर महिला की आमदनी बढ़ा कर 10 हजार रुपये महीना करना है। स्व सहायता समूह में कई महिलाएं 10 हजार रुपये कमा रही हैं। इसलिए आज यह फैसला कर रहे हैं कि लाडली बहना आजीविका मिशन के अंतर्गत आएंगी। उनको स्वरोजगार के लिए बैंक लोन देगी। दो प्रतिशत ब्याज आपको देना होगा। बाकि ब्याज की राशि सरकार भरेगी। सीएम ने कहा कि तुम्हारे आंसू, तकलीफ, दर्द को मैं पी जाऊंगा।

टीएसएफ ने सोमवार को 12 घंटे के त्रिपुरा बंद का आह्वान किया

अगरतला, 27 अगस्त (एजेंसियां)। त्रिपुरा के आदिवासी छात्र संगठन 'ट्विप्रा स्टूडेंट्स फेडरेशन' (टीएसएफ) ने कोकबोरोक को रोमन लिपि में शामिल करने और 125वें संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने की मांग को लेकर सोमवार को 12 घंटे के राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है। पिछले कुछ महीनों से यह छात्र संगठन कोकबोरोक को रोमन लिपि में शामिल करने और 125वें संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहा है तथा वह इस मांग को लेकर राजभवन तक मार्च भी निकाल चुका है। टीएसएफ के अध्यक्ष सम्राट देबबर्मा शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'चूंकि हम अपनी मांग पर सरकार की ओर से कोई स्पष्ट कदम नहीं देख पाए, इसलिए टीएसएफ ने सोमवार (28 अगस्त) को रोमन लिपि में कोकबोरोक की मांग और 125वें संवैधानिक संशोधन विधेयक को पारित किए जाने की मांग को लेकर 12 घंटे के राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है।' राज्यसभा में छह फरवरी 2019 को तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 125वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। यह विधेयक मोटे तौर पर वित्त आयोग से संबंधित अनुच्छेद और चार पूर्वोत्तर राज्यों- असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा के संदर्भ में संविधान की छठी अनुसूची में संशोधन की बात करता है। टीएसएफ ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में टिपरा मोथा को समर्थन दिया था।

चंद्रयान: लैंडिंग पॉइंट के 'शिव शक्ति'

नाम पर उठे सवाल तो बीजेपी ने 'जवाहर पॉइंट' की दिलाई याद

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। विक्रम लैंडर के लैंडिंग पॉइंट को 'शिव शक्ति' नाम दिए जाने का विरोध हो रहा है। पहले मुस्लिम समाज के कुछ मौलानाओं ने इस नाम पर आपत्ति जताई, फिर कुछ राजनीतिक दलों के नेता भी इसके विरोध में आ गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो से यह ऐलान किया कि जिस पॉइंट पर लैंडर ने लैंडिंग की है कि उस जगह को 'शिव शक्ति' के नाम से जाना जाएगा। आइए जानते हैं कि इसके विरोध में लोग क्या-क्या कह रहे हैं? चांद पर जो भी देश लैंड करता है यह आम बात है कि वह देश अपने हिसाब से उस जगह का नामकरण करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कल यह बात बताई। ऐसा पहली बार नहीं है जब चंद्रयान के लैंडिंग पॉइंट का नामकरण किया गया है। भारत पहले भी ऐसा कर चुका है। चंद्रयान-1 ने जहां लैंड की थी उस जगह को 'जवाहर पॉइंट' नाम दिया गया था। कांग्रेस नेता राशिद

अल्वी ने भी 'शिव शक्ति' नाम पर सवाल उठाए। हालांकि, पार्टी की तरफ से आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई बयान नहीं दिया गया है।

साराभाई, नेहरू की वजह से हम चांद पर पहुंचे

राशिद अल्वी ने कहा कि 'पूरी दुनिया हंसेगी। हम लैंड कर गए, यह बहुत अच्छी बात है। हमें इसपर गर्व है, इसमें कोई शक नहीं... लेकिन हम चांद के मालिक नहीं हैं।' उद्धव ठाकरे गुट के शिव सेना नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भी अपना सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर होता कि लैंडिंग पॉइंट का नाम विक्रम साराभाई के नाम पर रखा जाता। राउत ने कहा कि वे भी हिंदुत्व के परोकार हैं, लेकिन विज्ञान के ऊपर किसी धर्म का आचरण अच्छी बात नहीं है। संजय राउत ने कहा कि विक्रम साराभाई के नाम पर पॉइंट का नाम रखना चाहिए। आज हम साराभाई और नेहरू की वजह से ही चांद पर पहुंचे हैं।

मुस्लिम उलेमाओं ने दिया तर्क- भारत नाम रखना चाहिए

उत्तर प्रदेश के बरेली में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन बरेलवी ने कहा कि इस नाम से भारत के बहुत सारे नागरिकों को दिक्कत होगी। उन्होंने कहा कि इस तरह का नाम नहीं रखना चाहिए। इनके अलावा लखनऊ में एक मौलाना अब्बास ने सुझाव दिया कि लैंडिंग पॉइंट का नाम भारत रखना चाहिए। यह सबसे सही रहता, भारत का तिरंगा लहराता। भारत, इंडिया या फिर हिंदुस्तान से बेहतर क्या नाम हो सकता है? हालांकि, कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने यह साफ किया कि उन्हें 'शिव शक्ति' नाम से कोई दिक्कत नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इसरो से किए तीन बड़े ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका और ग्रीस दौरे के बाद कल सीधा बेंगलुरु स्थित इसरो हेडक्वार्टर पहुंचे थे। यहां उन्होंने वैज्ञानिकों को बधाई दी और उन्हें संबोधित भी किया। पीएम ने यहां तीन बड़े ऐलान किए। लैंडिंग पॉइंट का नाम 'शिव शक्ति' रखा, चंद्रयान-2 जहां क्रैश हुआ उसे 'तिरंगा पॉइंट' नाम दिया और 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाए जाने का ऐलान किया।

भारत में कोविड-19 के 44 नए मामले

नयी दिल्ली,देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 44 नए मामले सामने आए हैं और उपचाराधीन मरीजों की कुल संख्या अब 1,502 है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय के रविवार को सुबह आठ बजे तक के अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना वायरस संक्रमण से अब तक 5,31,928 मरीजों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, अब तक संक्रमण के 4.49 करोड़ मामले सामने आए हैं, जिनमें से 4,44,63,533 लोग इससे उबर चुके हैं। संक्रमण से उबरने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। वेबसाइट के मुताबिक, देश में अब तक कोविड रोधी टीके की 220.67 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

मुंबईकर पर पड़ने वाली है महंगाई की मार 1 सितंबर से होगी दूध के दामों में बढ़ोतरी

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई पर अगले महीने से महंगाई की मार पड़ने वाली है। शहर में 1 सितंबर से दूध के दाम बढ़ने वाले हैं। हालांकि ये महंगाई सिर्फ भैंस के खुले दूध पर होगी पैकेट वाले दूध के दामों पर इसका असर देखने को नहीं मिलेगा। दरअसल दूध विक्रेताओं ने भैंस के दूध की कीमत बढ़ाने का फैसला किया है। एक लीटर भैंस के खुले दूध की कीमत रिटेल में 2 से 3 रुपये होगी, जबकि थोक मूल्य में भी 2 रुपये की वृद्धि होगी। मुंबई शहर में तीन हजार से ज्यादा दूध विक्रेता हैं। ये निर्णय कल सभी दूध विक्रेताओं की बैठक में लिया गया है। पैकेट वाले दूध पर इसका कोई असर नहीं होगा। हालांकि जो दूध खुला बेचा जाता है, उसकी कीमत में बढ़ोतरी होगी।

क्यों बढ़ाई दूध की कीमत?

दूध विक्रेताओं का कहना है कि पशुओं के चारे के दाम बढ़ गए हैं। इसका असर दूध उत्पादकों पर पड़ रहा है। इसे देखते हुए दूध उत्पादकों ने खुले दूध के दाम बढ़ाने का फैसला किया है। भैंस का थोक दूध फिलहाल 85 रुपये प्रति लीटर है, जो अब 87 रुपये प्रति लीटर होगा। इस दूध की रिटेल में कीमत 87 से 88 रुपये होने की संभावना है। मुंबई मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन की बैठक में लिए गए फैसले से गणेश उत्सव, नवरात्रि, दीपावली और अन्य त्योहारों के दौरान दूध से संबंधित खाद्य पदार्थों की

कीमतों में वृद्धि होने की संभावना है। बता दें कि इससे पहले मार्च में दूध की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी। उस दौरान भैंस के दूध की कीमत 80 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 85 रुपये प्रति लीटर हो गई थी।

मुंबई में हर दिन 50 लाख लीटर दूध की खपत

आम तौर पर त्योहारी सीजन में दूध की मांग 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। साथ ही दूध से बनने वाली मिठाईयों की भी खपत बढ़ जाती है। मुंबई में प्रतिदिन 50 लाख लीटर से अधिक भैंस के दूध की खपत होती है, जिसमें से 7 लाख लीटर से अधिक की आपूर्ति एमएमपीए अपनी डेयरी, पड़ोस के खुदरा विक्रेताओं के जरिए मुंबई में करता है।

सुविचार: मध्य युग में चोर डाकू अधिक थे अब छल कपट करने वाले अधिक है।

चार विधानसभा क्षेत्रों की शिकायतों पर सीईओ ने की समीक्षा बैठक

प्राप्त शिकायतों के हर पहलू पर सुधारात्मक कदम उठाने को कहा

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने बहादुरपुरा, गोशामहल, नामपल्ली और सेरिलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्रों में प्राप्त शिकायतों के संबंध में एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में हैदराबाद और रंगारेड्डी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों, उपरोक्त विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ जांच अधिकारियों ने भाग लिया। सभी संबंधित अभिलेखों का भी बारीकी से सत्यापन किया गया। सीईओ ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के हर पहलू के विस्तृत सत्यापन पर विशेष जोर देने और सुधारात्मक कदम उठाने और विस्तार से रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सीईओ ने सभी डीईओ, ईआरओ, ईआरओ के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की और चल रहे दूसरे एसएसआर की प्रगति की समीक्षा की। सभी जिलों को 18-19 आयु वर्ग के नामांकन, 18-19 आयु वर्ग के लिंग समूह, दिव्यांग मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने, ट्रांसजेंडरों और यौनकर्मियों के 100 प्रतिशत नामांकन में अधिकतम प्रयास करने को कहा गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी डीईओ, एआरओ और ईआरओ को युवाओं, विशेषकर 18-19 आयु वर्ग के युवाओं को मतदाता के रूप में नामांकित करने के लिए आकर्षित करने के लिए प्रचार के विभिन्न तरीकों का पालन करने के लिए व्यापक निर्देश जारी किए। सीईओ ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को आगामी विधानसभा चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने और मतदान प्रतिशत में सुधार लाने के निर्देश दिये। इसके अलावा, अधिकारियों को सीईओ कार्यालय और ईसीआई से भेजी गई शिकायतों पर तुरंत ध्यान देने और बिना देरी किए सीईओ कार्यालय को तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी डीईओ को चुनाव संबंधी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई के लिए एक अलग टीम गठित करने का निर्देश दिया।

राज्य में विशेष अभियान के दौरान 1,32,036 नए मतदाताओं के पंजीकरण के साथ मतदाता नामांकन को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज ने रविवार को आयोजित विशेष अभियान दिवस के दौरान देखी गई प्रतिक्रिया की सराहना की। तेलंगाना राज्य में 1,32,036 नए मतदाताओं ने फॉर्म-6 दाखिल किया है। उन्होंने कहा, यहां तक कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 15 विधानसभा क्षेत्रों में भी भारी प्रतिक्रिया देखी गई। मौजूदा मतदाता सूचियों में नामों को शामिल करने या हटाने के प्रस्ताव पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए फॉर्म-7 के तहत लगभग 15,044 आवेदन आए थे। निवास स्थान परिवर्तन या प्रविष्टियों में सुधार के लिए फॉर्म-8 के तहत लगभग 42,640 आवेदन प्राप्त हुए। विशेष बैठक एवं वीडियो कांफ्रेंसिंग में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी लोकेश कुमार, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सरफराज अहमद, एसीईओ ने भाग लिया।

जीएचएमसी क्षेत्र

दो दिवसीय विशेष अभियान में कुल 2,476 व्यक्तियों ने नए मतदाताओं के रूप में नामांकन के लिए फॉर्म-6 आवेदन जमा किए। इसके अतिरिक्त, मौजूदा मतदाता सूचियों में नामों को शामिल करने या हटाने के प्रस्ताव पर आपत्तियों के लिए फॉर्म-7 के तहत 29 आवेदन प्राप्त हुए। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने दो दिवसीय विशेष अभियान का नेतृत्व करते हुए निवास स्थान परिवर्तन या सुधार के उद्देश्य से फॉर्म -8 के तहत 476 आवेदन जमा किए थे। कुल मिलाकर, विशेष अभियान में 64 आपत्तियों के साथ 4,522 नए मतदाता आवेदन प्राप्त हुए और निवास स्थान परिवर्तन या वर्तमान मतदाता सूची में सुधार के लिए 869 आवेदन प्राप्त हुए। 15 विधानसभा क्षेत्रों के 3,986 मतदान केंद्रों पर 3,986 बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) नियुक्त किए गए थे। 5के दौड़ में लोगों की इस उत्साही भागीदारी के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में नए मतदाता आवेदन भी आए, जो

लॉरी के टिपर से टकराने से तीन की मौत

निर्मल, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को ममडा मंडल में बुर्गुपल्ली और मोंडीगुट्टा गांवों के बीच क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत के काम में लगी एक तेज रफ्तार लॉरी ने एक टिपर लॉरी को टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। सोन इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने कहा कि पीड़ितों में नेराडीगोंडा मंडल के चिंचोली के एक दिहाड़ी मजदूर कुमराम राजेंद्र प्रसाद (31), नेराडीगोंडा के पोशमथांडा के एक टिपर लॉरी चालक पी लाल सिंह (43) और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर से एक लॉरी क्लीनर शेख कासिम पीरा (43) शामिल हैं। जब लॉरी टिप्पर से टकरा गई तो राजेंद्र प्रसाद और लाल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल कासिम की निर्मल के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पीड़ित के परिवार के एक सदस्य से मिली शिकायत के आधार पर लॉरी के चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

सीपीआई नेताओं ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी से की मुलाकात, चार विस सीटों की मांग की

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ऐसे समय में जब तेलंगाना में चुनावी हलचल शुरू हो गई है, राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम अप्रत्याशित मोड़ के साथ बढ़ गए हैं। सीपीआई नेताओं ने राज्य कांग्रेस मामलों के प्रभारी माणिकराव ठाकरे के साथ चर्चा की और मांग की कि वे आगामी चुनाव में चार विधानसभा सीटें चाहते हैं। सीपीआई मुनुगोडु, हुस्नाबाद, कोठागुडेम और बेल्लमपल्ली सीटें चाहती है। हालांकि, कांग्रेस ने कहा कि वह दो सीटें मुनुगोडु और हुस्नाबाद सीटें ही देगी। सीपीआई ने कम से कम तीन सीटें लेने का प्रस्ताव रखा है। अगले कुछ दिनों में इस पर स्पष्टता आती दिख रही है। बीआरएस पार्टी, जिसने अधिकांश विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की है, ने संकेत दिया है कि वह तेलंगाना में अकेले लड़ाई को प्राथमिकता दे रही है। इसके बाद साथियों की हालत चौराहे पर खड़ी जैसी हो गई। वामदल, जिन्होंने मुनुगोडु उपचुनाव में बीआरएस पार्टी के साथ गठबंधन किया था, अब नाराज हैं कि उन्हें विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ दल द्वारा दरकिनार कर दिया गया है। वामपंथी नेता पहले ही साफ कर चुके हैं कि वे चुनाव में बीआरएस पार्टी के साथ नहीं जाएंगे। वामपंथी दल अपनी भावी रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं। सीपीएम पार्टी कार्यालय में राज्य कार्यकारिणी की बैठक करने वाले वामपंथी नेताओं ने आगामी चुनावों में गठबंधन और सीट-बंटवारे पर ध्यान केंद्रित किया। सीपीएम ने सीपीआई के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

तेलंगाना में वामपंथी नेताओं के लिए कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र विकल्प है, जो अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भाजपा के साथ तालमेल नहीं बिठा रहे हैं। शुरुआत से ही जरूरत पड़ने पर कांग्रेस और वाम दलों के बीच गठबंधन के उदाहरण सामने आए हैं। हालांकि कामरेडों ने हैदराबाद में टी-कांग्रेस पार्टी के नेताओं के साथ सीपीआई की गुप्त बैठक का खुलासा नहीं किया, लेकिन पता चला है कि सीपीआई नेता चाडा वेंकट रेड्डी, पल्ला वेंकट रेड्डी और कूनमनेनी संबाशिव राव ने पार्टी के साथ बातचीत की। मौजूदा घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी गठबंधन की जोर-शोर से कोशिश कर रही है।

राज्य कांग्रेस पार्टी प्रभारी माणिकराव ठाकरे ने सीपीएम और सीपीआई नेताओं से संपर्क किया जब उन्हें पता चला कि वे बीआरएस के साथ नहीं जा रहे हैं। कांग्रेस को लग रहा है कि अगर वह कम्युनिस्टों के साथ मिलकर चुनाव लड़े तो कई जगहों पर जीत दर्ज कर सकती है। कांग्रेस की मुख्य रणनीति वाम दलों के साथ गठबंधन करना और अपनी जीत की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाए बिना सत्तारूढ़ बीआरएस और भाजपा को मुश्किल स्थिति में डालना है।

कांग्रेस पार्टी की सभी घोषणाएं झूठी : मंत्री सत्यवती

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में एससी/एसटी घोषणाओं के नाम पर लोगों को धोखा देने के लिए कांग्रेस पार्टी के खिलाफ हमला बोलते हुए, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने शेवेले सार्वजनिक बैठक में झूठी घोषणाएं जारी की थीं और लोग चुनाव के समय सबसे पुरानी पार्टी द्वारा किए गए झूठे वादों पर विश्वास करने की स्थिति में नहीं है।

रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, आदिवासी कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ के साथ सांसद एम. कविता और एमएलसी एमएस प्रभाकर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके द्वारा अपनाई गई असंतुलित नीतियों के कारण भारत में एससी और एसटी के लोग अभी भी पिछड़े हुए हैं। अनुसूचित जाति और जनजाति के विकास के लिए नई घोषणाएं करना बेहद हास्यास्पद है। मंत्री ने कांग्रेस पार्टी से पूछा कि एसटी और एससी घोषणाओं में उल्लिखित इन वादों को उसके सत्तारूढ़ राज्यों में क्यों लागू नहीं किया जा रहा है और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पूरे देश में तेलंगाना घोषणा की घोषणा करने की चुनौती दी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में

मादक पदार्थ रखने के आरोप में सब-इंस्पेक्टर गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर क्राइम स्टेशन में कार्यरत एक सब इंस्पेक्टर को पुलिस ने कथित तौर पर ड्रग्स रखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। साइबर अपराध थाने में कार्यरत एसआई, राजेंद्र हाल ही में एक साइबर अपराध मामले के सिलसिले में महाराष्ट्र गए थे और कुछ संदिग्धों को पकड़ा था। संदिग्धों के घर की तलाशी के दौरान उनके हाथ एमडीएमए ड्रग वाले एक पैकेट पर लग गया था और उन्होंने उसे अपने पास रख लिया था। जब्त माल को उच्च अधिकारियों को बताने की प्रक्रिया के विपरीत एसआई ने माल को अपने कब्जे में ले लिया और अपने घर पर रख लिया। जैसे ही बात लीक हुई, जांच के आदेश दिए गए और एसआई के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जो जल्द ही फरार हो गया।

शनिवार को रायदुर्गम पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और उनके घर से नशीला पदार्थ बरामद किया। सब इंस्पेक्टर को रिमांड पर लिया गया है। इससे पहले एसआई को भ्रष्टाचार के एक मामले में एसीबी ने ट्रैप किया है।

हृदय रोगियों ने एनएमडीसी द्वारा आयोजित मैराथन दौड़ लगाई

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सप्ताहांत में एनएमडीसी हैदराबाद द्वारा आयोजित मैराथन में ऐसे व्यक्तियों की भागीदारी देखी गई जो न केवल दिल के दौरे से बचे हैं बल्कि मैराथन दौड़ने की चुनौती को स्वीकार किया है। यह आयोजन एडवांस कार्डिएक रिहैब की शक्ति का एक प्रमाण है, एक ऐसी सेवा जो पहले हैदराबाद में नहीं सुनी गई थी, जिसने हृदय रोगियों को धावक और उनके स्वास्थ्य के चैंपियन में बदल दिया है।

एडवांस कार्डियक रिहैब प्रोग्राम साबित कर रहा है कि हृदय रोगी न केवल ठीक हो रहे हैं, बल्कि मनोरंजक खेल भी अपना रहे हैं। दिल को मजबूत करने और दिल के दौरे को रोकने के लिए बनाया गया यह कार्यक्रम लंबे समय से चले आ रहे मिथकों और गलत धारणाओं को दूर कर रहा है कि दिल के मरीज क्या हासिल कर सकते हैं।

इसमें भाग लिए लिंगम को एक बार दिल की विफलता का पता चला था और वह कार्डिएक रिहैब से गुजरे थे, उन्होंने 42 किमी की पूरी मैराथन पूरी की। उसी प्रकार रमेश को दिल की विफलता का पता चला और उन्हें हृदय प्रत्यारोपण का सुझाव दिया गया, लेकिन 4 महीने के कार्डियक रिहैब के बाद 10 किलोमीटर की मैराथन पूरी की।

इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले सीएम नीतीश कुमार का बड़ा बयान, 'मुझे कुछ नहीं चाहिए'

पटना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन की मुंबई में बैठक होने वाली है। इसके पहले दो बार विपक्षी एकता की बैठक हो चुकी है। पहली बैठक बिहार के सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में पटना में हुई थी। अब तीसरी बैठक की तैयारी है। 31 अगस्त को सीएम नीतीश कुमार मुंबई जाएंगे। लगातार संयोजक और अन्य चीजों को लेकर एनडीए सवाल उठा रहा है। यहां तक कहा जा रहा है कि विपक्ष के पास दूल्हा नहीं है। दूल्हे के लिए लड़ाई हो जाएगी। इस बीच रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुंबई बैठक से पहले बड़ा बयान दिया है।

नीतीश बोले- अभी और पार्टियां शामिल होंगी

मुंबई की बैठक को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों के जवाब में सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मैं जा रहा हूं। मुझे व्यक्तिगत कुछ नहीं चाहिए। मैं बस सभी को एकजुट करना चाहता हूं। मैं जा रहा हूं, कुछ और पार्टियां भी शामिल होंगी। नीतीश कुमार ने कहा कि कोई क्या बोलता है उससे हमें कोई मतलब नहीं है। बीजेपी के आरोपों पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं है। अभी और कुछ पार्टियां आएंगी। मुझे व्यक्तिगत रूप से कुछ नहीं चाहिए ये मैंने पहले भी कह दिया है।

संयोजक को लेकर नीतीश ने काटी लालू की बात

मुंबई बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इसमें संयोजक के नाम पर चर्चा की जाएगी। पिछले दिनों आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने राज्यों के आधार पर अलग-अलग संयोजक बनाने के संकेत दिए थे। इस पर सीएम नीतीश कुमार विराम लगा चुके हैं। नीतीश कुमार ने लालू के बयान के बाद पत्रकारों के सवालों के जवाब में शुक्रवार (25 अगस्त) को कहा था कि इस बारे में बैठक के बाद फैसला होगा। इसके बाद सबको जानकारी दे दी जाएगी।

पेड़ की झूलती मिली युवक की लाश, पहले बेटी को शिक्षक ने पीटा था, इसलिए इनलोगों से हुआ था विवाद

जहानाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जहानाबाद में रविवार सुबह युवक की लाश पेड़ से झूलती हुई मिली है। परिजनों का आरोप है कि आपसी दुश्मनी में युवक की हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया है। घटना काको थाना क्षेत्र के नोन्ही ईट भट्ठे के समीप की है। सुबह में टहलने गए ग्रामीणों ने देखा की पेड़ से एक युवक का शव लटक रहा है, जिनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को इसकी सूचना दी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। इधर, सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और हत्या की बात कहने लगे। परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से लाश को पेड़ से नीचे उतारा।

'मंदिर-मस्जिद, बुलडोजर से नौकरी नहीं मिलती'

यूपी से पहुंचे शिक्षक अभ्यर्थी तो तेजस्वी ने किया सीएम योगी पर हमला

पटना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। नौकरी और रोजगार के मुद्दों को लेकर बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने यूपी की सरकार पर हमला बोला है। अक्सर बीजेपी बिहार सरकार पर नौकरी को लेकर निशाना साधते रहती है। रविवार (27 अगस्त) को तेजस्वी यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर हमला बोला और कहा कि मंदिर-मस्जिद, बुलडोजर जैसे मुद्दों से नौकरी नहीं मिलती। दरअसल, बीपीएससी ने 24 से 26 अगस्त तक शिक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन किया था। इस बिहार बिहार के अलावा दूसरे राज्यों से भी परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थी पहुंचे थे। यूपी-झारखंड समेत कई राज्यों से आए शिक्षक अभ्यर्थियों ने अपने राज्यों की सरकार पर सवाल उठाए। इसका वीडियो रविवार को तेजस्वी यादव ने अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है।

'पांच साल हो गए, यूपी में अध्यापक की भर्ती नहीं निकली'

तेजस्वी यादव ने जिस वीडियो को शेयर किया है उसमें यूपी से आए अभ्यर्थियों ने शिकायत की और कहा कि पांच साल हो गए लेकिन उत्तर प्रदेश में अध्यापक की कोई भर्ती नहीं निकली। हमारी सरकार रोजगार के मुद्दे से भटक चुकी है। केवल धर्म, मंदिर, हिंदू-मुसलमान करते हैं। यूपी के ही एक अभ्यर्थी ने कहा कि इंटरनेट का जमाना है, चेक कर लिया जाए कितनी वैकेंसी निकली है। अयोध्या में जो मंदिर बना है क्या पढ़ लिखकर उसमें हम लोग बाबागिरी करेंगे? यूपी टीईटी की परीक्षा हुई एक बार तो पेपर लीक हो गया। दोबारा कराए तो पहली बार वाला ही पेपर दोबारा दे दिया गया। जो उनके (योगी सरकार) खिलाफ बोलता है उनके यहां बुलडोजर चलता है।

तेजस्वी यादव ने ट्वीट कर क्या कहा?

वीडियो को शेयर करते हुए तेजस्वी ने लिखा- यूपी से नौकरी पाने बिहार पहुंचे अभ्यर्थियों ने बताया कि मंदिर-मस्जिद, बुलडोजर जैसे मुद्दों से नौकरी नहीं मिलती। जब से यूपी के युवा बिहार में नौकरी के लिए आ रहे है वहां के सीएम बेचैन है और विज्ञापन निकाल सफाई दे रहे है। योगी जी को भी हम नौकरी-रोजगार के मुद्दों पर लाएंगे। योगी जी, आपने ये तो सुना ही होगा। भूखे पेट भजन नहीं होय गोपाला, ले तेरी कंठी ले तेरी माला।

छात्र की पिटाई का मामला: रद्द होगी स्कूल की मान्यता

शिक्षिका बोली- अभिभावक कहते थे मैडम सख्ती रखना

मुजफ्फरनगर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर जनपद के खुब्बापुर गांव की शिक्षिका तृप्ति त्यागी सवालों के घेरे में है। अब वह कह रही हैं कि उन्हें अपने किए का पछतावा है, इसकी गलती भी स्वीकार कर ली है। मुस्लिम बच्चों को पढ़ाया, अभिभावक आते थे और कहते थे कि मैडम सख्ती रखना, हमें बच्चे कामयाब करने थे। बच्चों को अनुशासन में लाने के लिए सख्ती शुरू की। दिव्यांग हूं, कुर्सी से नहीं उठा जा रहा था। ऐसे में बच्चों से सजा दिलाई, लेकिन यह गलत हो गया। वायरल वीडियो की सच्चाई नहीं दिखाई गई। मैंने मुस्लिमों पर कोई टिप्पणी नहीं की। आम बोलचाल की भाषा में सिर्फ यह कहा कि जितनी भी 'मोमडन (मुस्लिम) मां हैं, वो अपने बच्चों को लेकर मायके न जाएं। क्योंकि एग्जाम शुरू होने वाले हैं। इससे पढ़ाई में नुकसान होगा। क्योंकि बच्चे एग्जाम नहीं दे पाएंगे। मेरी मंशा गलत नहीं थी। बच्चे के पेरेंट्स की भी यही डिमांड थी कि इसे टाइट करो, ये पढ़ाई नहीं करता। लेकिन इस घटना के बाद मेरा माइंड अपसेट हो गया है। सोचती हूं, अब जियूं या न जियूं।

यह था मामला

खुब्बापुर गांव के नेहा पब्लिक स्कूल में शिक्षिका तृप्ति त्यागी ने पांच का पहाड़ा नहीं सुनाने पर अल्पसंख्यक समुदाय के यूकेजी के छात्र की सहपाठियों से बेरहमी से पिटाई करा दी। इसी दौरान जातीय टिप्पणी भी की गई। प्रकरण के दौरान पीड़ित छात्र के चचेरे भाई ने वीडियो बना ली। वीडियो के वायरल होते ही देशभर से प्रतिक्रियाएं आने लगी और शिक्षिका की गिरफ्तार की मांग उठती रही।

अब तक क्या हुई कार्रवाई

आरोपी शिक्षिका पर पुलिस ने एनसीआर दर्ज की है। बीएसए शुभम शुक्ला ने नोटिस जारी किया है। स्कूल की मान्यता रद की जाएगी।

पड़ोसी के गौवंश को काटकर फंसाने के लिए शाकिर के घर में डाले

पुराने मामले की थी रंजिश

मुरादाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां थाना कटघर के देवापुर में सलमान नाम के एक शख्स ने अपने विरोधी शाकिर को फंसाने के लिए एक गौवंश की हत्या कर दी। जानकारी मिली है कि आरोपा सलमान ने पहसे पड़ोसी मुनेश के गौवंश की चोरी की फिर अपने विरोधी शाकिर के घर का ताला तोड़कर उसमें गौवंश को ले गया और उसे कुल्हाड़ी से काट डाला। सलमान का इसके पीछे इरादा था कि गौवंश की हत्या से इलाके का माहौल बिगड़ेगा और शाकिर को गौवंश चोरी, गौवंश हत्या और माहौल बिगाड़ने के आरोप में जेल भेज दिया जाएगा। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि जब पुलिस को इस घटना की जानकारी मिली तो शाकिर और सलमान को पूछताछ के लिए बुलाया गया। इस दौरान पुलिस को शक हुआ तो सलमान से सख्ती के साथ पूछताछ की तब जाकर उसने घटना की पूरी सच्चाई बता दी। सलमान ने बताया कि उसने अपने दो साथियों के साथ 24 अगस्त की रात को पहले मुनेश के घर के बाहर बंधा बैल चोरी किया। फिर शाकिर के घेर का ताला तोड़कर उसमें बैल को कुल्हाड़ी से काट दिया, जिससे शाकिर फंस जाए और गौवंश हत्या में जेल चला जाये।

पुलिस ने ये भी बताया है कि इससे पहले एक केस में सलमान, शाकिर और उसके भाई का नाम आया था लेकिन शाकिर और उसका भाई उस केस से बच गए थे और सलमान को जेल जाना पड़ा था। बस इसी बात का सलमान को बदला लेना था और ये साजिश रची। पुलिस ने फिलहाल सलमान को जेल भेज दिया है और साजिश में शामिल दो साथियों को गिरफ्तारी के लिए खोज रही है।

कोर्ट में हुई फायरिंग पर सम्राट चौधरी ने सीएम नीतीश पर बोला हमला

बोले- 'उनसे नहीं संभल रहा राज्य

समस्तीपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कोर्ट परिसर में शनिवार को फायरिंग हुई। अब इस मामले को लेकर बीजेपी सीएम नीतीश कुमार और उनकी सरकार पर हमलावर है। बिहार बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सम्राट चौधरी ने समस्तीपुर कोर्ट परिसर में फायरिंग की घटना को लेकर सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार राज्य को संभाल नहीं पा रहे हैं। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने कहा सीएम नीतीश कुमार बिहार के लिए दुर्भाग्य हो गए हैं। राज्य में हालात ठीक नहीं हैं। अपराधी कोर्ट में घुस गए। जब कोर्ट में गोलीबारी हो रही है, तो कानून का राज कहां बच जाता है। जब कोर्ट

को संरक्षण नहीं दे सकते। आम जनता को संसक्षण नहीं दे सकते। पुलिस वाले को संरक्षण नहीं दे सकते, मीडिया को संरक्षण नहीं दे सकते। तो फिर बचा क्या है। राज्य में कानून व्यवस्था कैसी सख्त है। सीएम नीतीश कुमार को अब एक घंटे भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठना चाहिए और उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

समस्तीपुर कोर्ट परिसर में चली गोलियां

बता दें शनिवार को समस्तीपुर कोर्ट परिसर गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। यहां बदमाशों ने दो कैदियों को उस समय गोली मार दी, जब उन्हें पेशी के लिए कोर्ट में लाया गया था। इसी दौरान उन दोनों को गोली मार दी गई। प्रभात चौधरी और प्रभात तिवारी विचाराधीन कैदी थे। गोली चलने के बाद अफरातफरी मच गई। दोनों कैदियों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। वहीं गोली चलाने वाले बदमाश मौके से फरार हो गए।

अपराधियों ने युवक को पीट-पीटकर किया अधमरा एसिड से जला भी दिया

बेगूसराय, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बेगूसराय में अपराधियों ने एक युवक के चेहरे पर एसिड डालकर घायल कर दिया। स्थानीय पुलिस ने घायल अवस्था में उसे बहियार से उठाकर इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों का कहना है कि उसकी स्थिति नाजुक है। घटना तेयाय ओपी क्षेत्र के महेशपुर बहियार की है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि रविवार की सुबह स्थानीय लोगों ने महेशपुर बहियार में घायल अवस्था में एक युवक को देखा। युवक को एसिड से झुलसाया गया था। लोगों की नजर पड़ते ही उनलोगों ने सबसे पहले इस घटना की सूचना तेयाय ओपी को दी। सूचना मिलते ही तेयाय ओपी अध्यक्ष चंद्रकांत कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायल युवक को पुलिस की गाड़ी से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भगवानपुर पहुंचाया।

गठबंधन से फायदे में रहने के बावजूद मायावती क्यों कर रहीं इससे इनकार, क्या है बसपा का 'सेफ गेम'

लखनऊ, 27 अगस्त (एजेंसियां)। सियासी गलियारों में इस वक्त मायावती की ओर से किसी भी राजनीतिक दल से गठबंधन न किए जाने की चर्चा सबसे ज्यादा हो रही है। कुछ दिन पहले मायावती ने आने वाले लोकसभा चुनाव में किसी भी राजनीतिक पार्टी और बड़े गठबंधन के साथ चुनाव न लड़ने की बात कही थी। ऐसे में राजनीतिक पार्टियों और सियासत को करीब से समझने वालों के लिए मायावती का यह बयान बड़ी पहेली बना हुआ है।

दरअसल पहेली इसलिए भी क्योंकि मायावती जब-जब गठबंधन के साथ सियासी मैदान में उतरी हैं तो हमेशा उनका सियासी फायदा ही हुआ है। सवाल यही उठता है कि आखिर इस सियासी फायदे के बावजूद भी मायावती ऐसा कहकर सियासत में कौन सा सेफ गेम खेल रहीं हैं। मायावती ने तीन दिन पहले उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित पार्टी के कार्यकर्ताओं

और पदाधिकारियों के साथ जब किसी भी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन न करने की बात कही तो यह बात राजनीतिक पार्टियों समेत सियासी जानकारों के गले नहीं उतरी। राजनैतिक विश्लेषक देवप्रताप सूर्य कहते हैं कि मायावती ने यह बयान पहली बार नहीं दिया है। इससे पहले भी वह लगातार किसी भी सियासी दल के साथ गठबंधन में न जाने की बात करती रही है। उनका कहना है कि ऐसा करके मायावती न सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को संदेश दे रही है बल्कि आने वाले चार विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की हैसियत का भी आकलन करने का पूरा रोड मैप तैयार कर रही हैं।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मायावती इन विधानसभा के चुनावों में मिलने वाले अपने वोट के आधार पर अगली सियासत की राह बनाने की पुख्ता योजना बना चुकी हैं। सियासी जानकार बताते हैं कि मायावती ने यूं ही गठबंधन में न जाने का फैसला नहीं किया है। जानकारों का मानना है कि बसपा की इस वक्त जो सियासी हैसियत है वह अन्य क्षेत्रीय दलों की तुलना में उतनी मजबूत नहीं है। इसीलिए बहुजन समाज पार्टी की बड़ी रणनीति यही है कि अगले कुछ महीनो में होने वाले चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिलने वाली सीटों और मत प्रतिशत को बड़ा आधार बनाया जाए। सियासी जानकारी का कहना है कि ऐसा करके मायावती के पास किसी भी बड़े सियासी गठबंधन में शामिल होने के लिए मजबूत बैकग्राउंड तैयार हो सकेगा। राजनीतिक विश्लेषक बलवीर सिंह कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी का महज एक विधायक है। जबकि एक दौर में मायावती की उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार हुआ करती थी। बलवीर सिंह कहते हैं कि ऐसी दशाओं में मायावती के पास बड़े सियासी गठबंधन के सामने अपनी शर्तों के आधार पर किसी भी तरह के समझौते की उम्मीद कम नजर आ रही है। अगर मायावती के पास इन चार राज्यों में मजबूत जनाधार तैयार होता है तो संभव है

कि बहुजन समाज पार्टी अपने वोट बैंक और चार राज्यों में मिलने वाले जनाआधार पर अपनी शर्तों के साथ प्रमुखता से बात कर सके। वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र शुक्ला कहते हैं कि मायावती भले ही गठबंधन में न जाने की बात कर रही हूं लेकिन बसपा को हमेशा गठबंधन में फायदा ही हुआ है। वह कहते हैं 1993 में जब बसपा ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया तो 12 सीटों से मायावती की पार्टी 67 सीटों पर पहुंच गई। 1996 में बहुजन समाज पार्टी में पंजाब में अकाली दल के साथ गठबंधन किया तो तीन लोकसभा सीटें जीत ली। 2022 में भी मायावती ने अकाली दल के साथ गठबंधन कर विधानसभा चुनाव में अपने वोट प्रतिशत के साथ एक प्रत्याशी जिताया। पंजाब के अलावा मायावती ने 2018 में अजीत जोगी के साथ छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ा।

इस गठबंधन में भी मायावती को फायदा हुआ और दो विधायक जीत गए। जबकि कर्नाटक में जेडीएस के साथ बसपा ने साझेदारी की और वहां भी एक विधायक की जीत के साथ फायदे के सौदे में रही। इसी तरह बिहार में भी गठबंधन की राह पर चलते हुए एक विधायक बसपा की झोली में आया। शुक्ल कहते हैं कि बीते तीन दशक की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी जब-जब गठबंधन के साथ चली है तब तक उसको फायदा हुआ है। इसीलिए मायावती का यह कहना कि वह इन लोकसभा चुनाव में किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेंगे सीधे तौर पर गले से बात नीचे नहीं उतर रही है। बहुजन समाज पार्टी से ताल्लुक रखने वाले नेता भी दबी जुबान से मानते हैं कि उनका वोट प्रतिशत भले कम न हुआ हो लेकिन वह अकेले दम पर लोकसभा के चुनाव में कोई बहुत बड़े उलटफेर करने की हैसियत में नहीं दिख रहे हैं। इसलिए अंदर खाने यह बात जरूर उठ रही है कि लोकसभा चुनावों से पहले गठबंधन की नींव रखी जाए। हालांकि, गठबंधन पर मायावती अपना रुख फिलहाल पहले ही स्पष्ट कर चुकी हैं। लेकिन सियासी गलियारों में कहा यही जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले मायावती गठबंधन के रास्ते खोल सकती है। राजनीतिक विश्लेषण जीएल वर्मा कहते हैं कि मायावती आने वाले लोकसभा चुनावों से पहले बहुत ही फूंक फूंक कर सियासी कदम रख रही हैं।

महिलाओं को जेवर-कपड़े और शृंगार के साथ चाहिए हथियार, शामली में 80 महिलाएं लाइसेंस धारक

शामली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। महिलाओं के हाथ अब सिर्फ चूड़ियां पहनने और कंधा दुपट्टा संभालने के लिए ही नहीं है। बल्कि इन पर वह हथियारों को भी सजाने का शौक रखती हैं। शहर से लेकर गांव तक महिलाओं के पास शस्त्र लाइसेंस हैं। शामली जिले में इस समय 80 महिलाएं शस्त्र रखती हैं और 140 के आवेदन लंबित हैं। शस्त्र लाइसेंस उन्हीं को जारी किया जाता है, जिनकी जान को खतरा हो या फिर वह अपराध प्रभावित क्षेत्र में रहते हों। पुलिस और राजस्व विभाग के साथ एलआईयू आदि विभागों की रिपोर्ट के बाद जिलाधिकारी की स्वीकृति पर शस्त्र लाइसेंस जारी किया जाता है। पहले पुरुष ही शस्त्र लाइसेंस के लिए आवेदन करते थे, लेकिन पिछले करीब एक दशक में काफी बदलाव आया है, अब महिलाओं के आवेदन भी लगातार आ रहे हैं।

पुलिस खोजती रही, माफिया अशरफ की पत्नी जैनब हाई कोर्ट में फोटो खिंचवाकर निकल गई

प्रयागराज, 27 अगस्त (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड के बाद से माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन फरार हो गई है। वहीं, अशरफ की पत्नी जैनब को भी यूपी एसटीएफ देश के कोने कोने में तलाश रही है। हालांकि, इस बीच सबको चकमा देते हुए जैनब फातिमा प्रयागराज आई और इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपना फोटो खिंचवाकर चली गई। इलाहाबाद हाई कोर्ट में कड़ी सुरक्षा के बावजूद जैनब ने अग्रिम जमानत अर्जित दाखिल करने के लिए अपना पूरा हलफनामा भी तैयार करवाया। उसने इस हलफनामे को तैयार करवाने के लिए जरूरी औपचारिकता के तहत हाई कोर्ट के आइडेंटी सेंटर में खुद आकर बकायदा अपनी तस्वीर भी खिंचवाई और पुलिस

के खुफिया तंत्र को इसकी भनक तक न लगी। यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, 16 अगस्त को इलाहाबाद हाई कोर्ट के शासकीय अधिवक्ता कार्यालय में दी गई जैनब फातिमा की अग्रिम जमानत याचिका की कॉपी से। प्रयागराज के सुलेम सराय में 24 फरवरी को दिनदहाड़े अधिवक्ता उमेशपाल और उसके दो गनर की हत्या के बाद से ही पुलिस अतीक अहमद के परिवार के लोगों पर शिकंजा कस रही है। इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले शूटरों को फरार करने में मदद करने के आरोप में अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा का हाथ बताया गया था, जिसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उसी जैनब को पुलिस कई राज्यों में तलाश की बात कर रही है। जैनब को पकड़ने के लिए 11 स्थानों पर पुलिस ने छापेमारी की है, लेकिन उसके हाथ खाली हैं।

पुलिस को भनक तक नहीं लगी

जैनब ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकते हुए अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और उसने वकील के मार्फत अपनी अग्रिम जमानत याचिका का नोटिस शासकीय अधिवक्ता कार्यालय को भेज दिया। याचिका दाखिल करने के लिए जैनब ने खुद हाई कोर्ट के आईडेंटिटी सेंटर में हाजिर होकर फोटो खिंचवाई । हाई कोर्ट के नियमों के मुताबिक कोर्ट में याचिका के साथ दाखिल होने वाले हलफनामे पर हाई कोर्ट के फोटो आईडेंटिटी सेंटर पर फोटो खिंचवाना अनिवार्य है। अग्रिम जमानत की याचिका के हलफनामे से साफ है कि जैनब यहां 16 अगस्त या उसके पहले फोटो खिंचवाने आई थी और वह फोटो खिंचवाकर चली गई। पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी है ।

पुलिस से बचने के लिए छत से कूदा युवक, मौत पर परिजनों ने किया हंगामा; गर्लफ्रेंड के साथ छिपा था

सीवान, 27 अगस्त (एजेंसियां)। सीवान में एक युवक ने पुलिस से बचने के लिए तीन मंजिला इमारत की छत से कूद गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कहा जा रहा है कि वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ तीन दिन से छिपकर रह रहा था। अचानक पुलिस छापेमारी करने पहुंच गई।

युवक गिरफ्तारी के डर से छत से कूद गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने फौरन उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

'लालू मरेगा चास में' आरजेडी चीफ पर पूर्व बीजीपी सांसद सूरज मंडल के बयान से बवाल

पटना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। गोड्डा के पूर्व सांसद और बीजेपी नेता सूरज मंडल ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को लेकर बड़ा बयान दिया है, जिसपर विवाद हो सकता है। एमपी सूरज मंडल ने एक कार्यक्रम में कहा कि लालू यादव नहीं चाहते थे कि अलग झारखंड राज्य का गठन हो । उन्होंने कहा था कि झारखंड उनकी लाश पर बनेगा। लेकिन मैंने उनसे कहा, "इंदिरा मरी निवास में, राजीव मरा मद्रास में, संजय मरा आकाश में, लालू मरेगा चास में, झारखंड होगा उसकी लाश पे।"दुमका जिला के सिद्धू कानू मुर्मू इंडोर स्टेडियम में आयोजित पिछड़ा महासम्मेलन सह विचार गोष्ठी कार्यक्रम में सूरज मंडल ने कहा कि लाश का मतलब पॉलिटिकल लाश। भले ही आज लालू यादव जिंदा हैं, लेकिन उनका पॉलिटिकल लाश तो निकल गया। सूरज मंडल ने जैसे ही मंच से यह बयान दिया, कार्यक्रम में मौजूद गोड्डा के पूर्व विधायक और लालू की पार्टी के नेता संजय यादव और उनके समर्थकों ने हंगामा काटना शुरू कर दिया। आक्रोशित आरजेडी समर्थकों ने मंच पर रखे उस पोडियम को उठाकर फेंक दिया, जहां खड़े होकर पूर्व सांसद सूरज मंडल भाषण दे रहे थे। 'सूरज मंडल मुरादाबाद' के नारे लगाते हुए समर्थकों ने उनके ऊपर कुर्सियां भी फेंक दी। गनीमत रही कि मंच पर मौजूद लोगों ने उनको बचा लिया। हालात इतने बिगड़ गए कि कार्यक्रम में भगदड़ मच गई। हालांकि बाद में सूरज मंडल ने अपने बयान पर माफी मांग ली और सभा स्थल से चले गए। इसके बाद लालू समर्थकों का गुस्सा शांत हुआ। बता दें कि ओबीसी समाज को 27% आरक्षण सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर यह पिछड़ा महासम्मेलन सह विचार गोष्ठी कार्यक्रम रखा गया था, लेकिन कार्यक्रम पिछड़ों की हितकारी होने के बजाय एक दूसरे पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के कारण विवादों की भेंट चढ़ गया। सूरज मंडल के बयान और कार्यक्रम के दौरान हुए बवाल को लेकर किसी ने भी प्रशासनिक स्तर पर शिकायत दर्ज नहीं कराई।

खड़गे बीजेपी को हराने के लिए अपनी पार्टी का बलिदान देने को तैयार : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना के मतदाता जानते हैं कि कांग्रेस और बीआरएस एमआईएम पार्टी की दलाली में दोस्त बने थे। मतदाता जानते हैं कि कांग्रेस को वोट देने का मतलब बीआरएस पार्टी को उपहार में दी गई सीट है। डैमेज कंट्रोल करने के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को चेवेल्ला में झूठा बयान दिया कि केसीआर कभी भी बीजेपी विरोधी किसी मंच पर नहीं दिखे। इसके विपरीत, बीआरएस और आईएनसी हमेशा मिलकर काम करने वाले भागीदार रहे हैं। कांग्रेस-बीआरएस साझेदारी एक खुला रहस्य है। नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी नफरत में कांग्रेस और केसीआर परिवार भाजपा को हराने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, जिसमें अपनी पार्टी का बलिदान देना और अपने वोट केसीआर को हस्तांतरित करना भी शामिल है। यदि खड़गे में थोड़ी भी ईमानदारी बची है तो उन्हें इन आठ सवालों का जवाब देना चाहिए और अपने झूठे बयानों के लिए भाजपा से माफी मांगनी चाहिए। बीआरएस ने हाल ही में कांग्रेस को 10 एकड़ प्रमुख संपत्ति की जमीन दो लाख रुपये में दी, जबकि 2बीएचके हाउसिंग के लिए गरीबों के लिए कोई जमीन नहीं थी। क्या मल्लिकार्जुन खड़गे पुष्टि कर सकते हैं कि इस जमीन को हड़पने के लिए बीआरएस और कांग्रेस के बीच कोई सौदा नहीं हुआ था? केटीआर ने हाल ही में कहा था कि बीआरएस भाजपा को हराने की कोशिश में गठबंधन का हिस्सा होगी। केटीआर ने जिस भाजपा विरोधी मंच की बात की थी, उसे कांग्रेस और बीआरएस में पार्टी सदस्यों द्वारा भी दोहराया गया था। दोनों पक्ष हर स्तर पर सार्वजनिक मंचों पर खुलकर यह बात कहते हैं। खड़गे इस गुप्त समझ को कब तक छुपाये रखना चाहते हैं? क्या वह तेलंगाना चुनाव पूरा होने तक इंतजार कर रहे हैं ताकि वे खुलकर सामने आ सकें? तेलंगाना कांग्रेस के विधायक पार्टी से इस्तीफा दिए बिना ही बीआरएस में हैं। क्या इन विधायकों को अयोग्य घोषित कराने के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा कोई गंभीर प्रयास किए गए हैं? या यह बीआरएस और कांग्रेस के बीच आंतरिक समझ का हिस्सा है? हाल के राष्ट्रपति चुनाव में, एक कुशल महिला आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चुनने का ऐतिहासिक अवसर होने के बावजूद, बीआरएस ने कांग्रेस उम्मीदवार का पक्ष लिया और बीआरएस ने तेलंगाना में अभियान का नेतृत्व किया। क्या कांग्रेस-बीआरएस संयुक्त रूप से आदिवासी समुदाय से नफरत करती है जिसके कारण बीआरएस और कांग्रेस एक साथ आए हैं?

विधान परिषद में कांग्रेस और बीआरएस का विलय हो गया है. क्या कांग्रेस पार्टी बता सकती है कि उन्होंने इसे सुधारने के लिए क्या प्रयास किए हैं या क्या वे इस विलय से खुश हैं? सांप्रदायिक एमआईएम वह गोंद है जो कांग्रेस और बीआरएस को बांधता है और समान नागरिक संहिता का विरोध करने का निर्णय इसी का परिणाम है। क्या कांग्रेस पार्टी इस बात की पुष्टि कर सकती है कि वे समान नागरिक संहिता के विरोध में बीआरएस का समर्थन नहीं लेंगे?

संसद के हालिया मानसून सत्र में, बीआरएस और कांग्रेस अगस्त 2023 में लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान करने के लिए एक साथ आए हैं। बीआरएस ने यह जानने के बावजूद कि दिल्ली सरकार सेवा विधेयक में आप और कांग्रेस के लिए मतदान किया।

भारत को राष्ट्रीय हित में दिल्ली और भाजपा का समर्थन करने वाले अन्य गैर-एनडीए क्षेत्रीय दलों में कानून बनाने का अधिकार है। हाल के संसद सत्र में पूरे देश ने कांग्रेस-बीआरएस को करीब से काम करते देखा। क्या कांग्रेस अब भी इससे इनकार कर सकती है?

भाजपा तेलंगाना के सामाजिक-राजनीतिक ताने-बाने को नहीं समझती : दासोजू श्रवण

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता दासोजू श्रवण ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खम्मम में भाजपा की सार्वजनिक बैठक में खोखला भाषण दिया था और एक बार फिर वह तेलंगाना के लोगों को समझाने में विफल रहे हैं। अमित शाह के भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस नेता ने कहा कि भाजपा नेता एक बार फिर तेलंगाना के लोगों को समझाने में विफल रहे हैं और उन्होंने सरासर झूठ बोला है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने 2018 के आम चुनावों में 100 से अधिक विधानसभा सीटें खो दी हैं और अब वे अपने सांप्रदायिक और घृणा संबंधी बयानबाजी के एजेंडे के साथ सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में अपनी जमानत खोने के लिए तैयार हैं। दासोजू श्रवण ने रविवार को ट्वीट किया, भाजपा के पास लोगों को सशक्त बनाने के लिए विकास और भविष्य की कोई ठोस कहानी नहीं है।

शाह ने सीएम केसीआर पर जमकर साधा निशाना

कहा, औवेसी के हाथ में है केसीआर की कार की स्टीयरिंग

खम्मम, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि तेलंगाना में केसीआर सरकार का पतन शुरू हो गया है, केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि राज्य में जल्द ही कमल खिलेगा। भारतीय जनता पार्टी, जो राज्य में बीआरएस पार्टी का विकल्प होने का दावा करती है, ने अपनी ताकत दिखाने के लिए खम्मम से विधानसभा चुनाव की योजना बनाई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को खम्मम में भाजपा की ओर से आयोजित 'रैतु गोसा-भाजपा भरोसा' विशाल सार्वजनिक बैठक में मुख्य अतिथि थे।

सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि केसीआर के शासन में राज्य बर्बाद हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जहां सोनिया के परिवार के लिए चुनाव लड़ रही है वहीं बीआरएस पार्टी कल्वाकुंतला परिवार के लिए चुनाव लड़ रही है। यह कहते हुए कि भद्राचलम को दक्षिण अयोध्या के रूप में जाना जाता है, शाह ने आरोप लगाया कि केसीआर ने श्रीराम नवमी पर श्रीराम को वस्त्र चढ़ाने की शासकों की परंपरा की अनदेखी की। उन्होंने मजाक उड़ाते हुए कहा कि केसीआर की कार भद्राचलम तक तो जाएगी लेकिन मंदिर तक नहीं जाएगी। उन्होंने दावा किया कि केसीआर की कार का स्टीयरिंग व्हील एआईएमआईएम नेता औवेसी के हाथ में है।

उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या वे एमआईएम के हाथ में स्टीयरिंग व्हील वाली कार चाहते हैं? उन्होंने कहा कि वह उन स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, जिन्होंने तेलंगाना की मुक्ति के लिए लड़ाई लड़ी।

ऑटो से बरामद किया 240 ग्राम सोने से भरा बैग मालिक को लौटाया गया

वारंगल, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल ट्रैफिक पुलिस ने लगभग 240 ग्राम सोने से भरा एक बैग बरामद किया, जिसकी कीमत लगभग 12 लाख रुपये है, जो रविवार को यहां एक ऑटो-रिक्शा में भूल गया था। यह घटना काशीबुग्गा केंद्र पर हुई, जहां इंदिराम्मा कॉलोनी की कडागाटला जोत्सना वाहन से उतरने के बाद आभूषणों से भरा अपना बैग भूल गई। सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) भोजराजू ने एक प्रेस वार्ता के दौरान घटनाओं के क्रम का खुलासा किया। जोत्स्ना ने आभूषण पॉलिश कराए थे, लेकिन शनिवार रात वह बैग ऑटो में भूल गई।

नुकसान से चिंतित होकर, उसने तुरंत एर्रा रवि नाम के एक होम गार्ड को घटना की सूचना दी, जो काशीबुग्गा केंद्र में ड्यूटी पर था। रवि ने उच्च अधिकारियों को सचेत करने में कोई समय बर्बाद नहीं किया। उन्होंने अपने वायरलेस सेट का उपयोग करके इंस्पेक्टर वेंकन्ना और अन्य अधिकारियों को एक संदेश भेजा।

अलर्ट तुरंत ऑटो यूनियन और वारंगल के सभी ऑटो स्टैंडों के साथ साझा किया गया। ट्रैफिक पुलिस के प्रयास तब सफल हुए जब जिस ऑटो में जोत्सना ने यात्रा की थी, उसके ड्राइवर ने बैग की पहचान की और पुलिस को सूचित किया। इसके बाद, इंस्पेक्टर वेंकन्ना, सब-इंस्पेक्टर श्रवण कुमार और होम गार्ड रवि की देखरेख में, ट्रैफिक एसीपी भोजराजू की मौजूदगी में गहनों वाला बैग उसके मालिक को लौटा दिया गया।

व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया व्यक्ति

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह मैलारदेवपल्ली में एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। बिहार का मूल निवासी पासवान (17) अपने परिवार के साथ मैलारदेवपल्ली में रहता था और एक कारखाने में काम करता था। शनिवार की शाम वह फैक्ट्री से मजदूरी लेने निकला था और घर नहीं लौटा। उसकी तलाश करने के बाद परिवार के सदस्यों ने रविवार सुबह मैलारदेवपल्ली पुलिस से संपर्क किया। इस बीच, लक्ष्मीगुडा कॉलोनी के स्थानीय लोगों ने सुनसान इलाके में एक शव पड़ा देखा और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर बुलाए गए उसके पिता ने अपने बेटा पासवान को पहचान लिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और शव को शवगृह में रखवा दिया गया है।

लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है सरकार की आरोग्य महिला योजना

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अद्वितीय आरोग्य महिला योजना के तहत व्यापक महिला स्वास्थ्य देखभाल पहल ने यह सुनिश्चित किया है कि महिलाएं, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का शीघ्र निदान, मासिक धर्म स्वास्थ्य, रजोनिवृत्ति से संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों का प्रबंधन, सरकारी अस्पतालों में मूत्र पथ संक्रमण (यूटीआई) और इसी तरह की अन्य बीमारियाँ जैसी अपनी अधूरी स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं तक पहुंचने में सक्षम है।

सच्चाई तो यह है कि उपरोक्त सभी स्वास्थ्य सेवाएँ पहले से ही सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध थीं, यह पहली बार है कि आरोग्य महिला योजना के माध्यम से एक ठोस प्रयास किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएँ एक ही दिन में इन सुविधाओं तक पहुँच सकें और उन्हें सरकारी अस्पतालों के कई दौरे लगाने की आवश्यकता न पड़े।

जब तक यह कोई चिकित्सीय आपात स्थिति न हो, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की अधिकांश कामकाजी महिलाएं डॉक्टर के पास जाना टाल देती हैं। हालाँकि, आरोग्य महिला पहल से परिचित सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया है कि सप्ताह में एक बार विशेष स्वास्थ्य शिविरों ने महिलाओं को अस्पतालों में अपनी यात्रा की योजना बनाने में सक्षम बनाया है। नतीजतन, मार्च के बाद से, तेलंगाना में करीब 2.30 लाख महिलाओं ने महिला-विशिष्ट बीमारियों के लिए नैदानिक परीक्षणों की एक श्रृंखला का लाभ उठाया है और, जहां भी आवश्यक था, अपनी चिकित्सा स्थितियों के लिए इलाज कराया है।

आरोग्य महिला क्लीनिक :

यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले 272 आरोग्य महिला (एएम) स्वास्थ्य शिविरों में अधिकतम संख्या में महिलाएं स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का लाभ उठा सकें, स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक क्लिनिक में 50 से अधिक महिलाओं का ओपी होगा और प्रति क्लिनिक ओपी का प्रतिशत परीक्षण के लिए 20 नमूने एकत्र किए जाएंगे। लगभग सभी एएम क्लीनिकों ने यह सुनिश्चित किया कि आने वाली कम से कम 10 महिलाएं सर्वाइकल कैंसर की पहचान के लिए परीक्षण कराएं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि नमूने एकत्र करने और एएम पोर्टल में परिणामों को अपडेट करने की प्रक्रिया 24 घंटे के भीतर की गई थी। उस पैमाने की स्वास्थ्य योजना को कुशलतापूर्वक लागू करने के लिए, स्वास्थ्य विभाग ने सरकारी अस्पतालों में हर स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की।

सभी जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (डीएम एवं एचओ) और रेफरल सुविधाओं के अस्पताल अधीक्षकों को आरोग्य महिला (एएम) कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर प्रशिक्षित किया गया था। एएम क्लीनिकों के सुविधा स्तर के कर्मचारियों और टी-डायग्नोस्टिक्स के कर्मचारियों, महिला चिकित्सा अधिकारियों, स्टाफ नर्सों और स्त्री रोग विशेषज्ञों के साथ पहचाने गए जिला नोडल अधिकारियों को भी विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया था, जो एएम क्लीनिकों का प्रबंधन करेंगे।

साक्षात शिव के ही रूप हैं शिवपुराण सुनने वाले : पूज्य गिरी बापू

शिवमहापुराण कथा की पूर्णाहुति

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रघुनाथमल नरेंद्र कुमार गोयल परिवार द्वारा क्लासिक कन्वेंशन, शमशाबाद में पूजन आचार्य पं. पुरुषोत्तम (लाला) के आचार्यत्व में शिवमहापुराण कथा की पूर्णाहुति हुई। अंतिम दिन पूज्य गिरी बापू जी महाराज ने शिवपुराण की महिमा बताई। उन्होंने कहा कि शिवपुराण सुनने वाला साक्षात शिव के ही रूप है। वेदों का पठन, मनन, श्रवण व पालन करने वाला ही सही रूप में शिव हैं। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को हमेशा परोपकार करना चाहिए तथा किसी को कोई पीड़ा न पहुंचाने चाहिए। आज कथा के समापन पर श्रीपुरम गोल्डन मंदिर, वेल्लोर के डॉ. एन. कल्याण चक्रवर्ती का विशेष अभिनंदन आयोजक परिवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर पं. विकास शर्मा, श्रीकिशन अग्रवाल, विजेंदर गोयल, धर्मेंद्र कुमार गोयल, तरुणकुमार गोयल, अरुण गोयल, पुनीत गोयल, राहुल गोयल, रुद्राक्ष गोयल आदि उपस्थित रहे।

मंत्रियों ने किया स्वाभिमान भवनों का शिलान्यास

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री गंगुला कमलाकर, तलसानी श्रीनिवास यादव और मल्ला रेड्डी ने रविवार को यहां पेरिका और चट्टाडा श्री वैष्णव स्वाभिमान भवनों के निर्माण की आधारशिला रखी। पेरिका स्वाभिमान भवन का निर्माण कोकापेट में दो एकड़ भूमि में किया जा रहा है, जबकि चट्टदा श्री वैष्णव स्वाभिमान भवन का निर्माण उप्पल के पीरजादिगुडा में एक एकड़ भूमि में किया जा रहा है।

कोकापेट में इस अवसर पर बोलते हुए, बीसी कल्याण मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद में कोकापेट, उप्पल भगयथ और पीरजादिगुडा में पिछड़े वर्ग समुदायों के लिए स्वाभिमानी इमारतों का निर्माण कर रही है और अपने प्रयास के तहत, यादव और कुरुमा-कोकापेट में सम्मानजनक इमारतें पहले ही पूरी हो चुकी हैं।

उन्होंने बताया कि कोकापेट, उप्पल भगयथ और पीरजादीगुड़ा में 87.3 एकड़ भूमि पर बन रहे 41 स्वाभिमान भवनों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और आश्वासन दिया कि ये कार्य निर्धारित अवधि में पूरे हो जाएंगे। सरकारी सचेतक गंपा गोवर्धन, मीडिया अकादमी के अध्यक्ष अल्लम नारायण, पूर्व विधायक और पेरिका संगम के मानद अध्यक्ष श्रीराम भद्रैया, पूर्व एमएलसी बोदा कुंती वेंकटेश्वरलू, पेरिका संगम के अध्यक्ष मद्दा लिंगैया और अन्य नेता उपस्थित थे।

जुआ खेलते आठ लोगों को पुलिस ने पकड़ा

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बोइनपल्ली में एक घर में कथित तौर पर जुआ खेल रहे आठ लोगों को पुलिस ने शनिवार रात पकड़ लिया। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, आयुक्त की टास्क फोर्स (उत्तर) टीम ने बोइनपल्ली में मल्लिकार्जुन कॉलोनी में घर पर छापा मारा और पाया कि लोग तीन कार्ड गेम और जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने रुपये जब्त कर लिये। उनके पास से 36,990 रुपये नकद और ताश बरामद हुए। संपत्ति के साथ आठ लोगों को आगे की कार्रवाई के लिए बोवेनपल्ली पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

तेलंगाना में डॉ. चावला द्वारा तैयार खेलों का भाषा शिक्षण में होगा प्रयोग

कक्षा-कक्ष में माइंड मैपिंग तकनीक से बच्चों को दें विषय का ज्ञान

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एससीईआरटी तेलंगाना द्वारा तैयार उन्नति हिंदी मॉड्यूल के तहत हिंदी रिसोर्स अध्यापकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। तेलंगाना के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सैयद मतीन अहमद द्वारा डॉ. विजय चावला को प्रशिक्षण शिविर में हिंदी भाषा अध्यापकों को संबोधित करने का निमंत्रण प्राप्त हुआ था। डॉ. विजय चावला ने भाषा शिक्षकों को हिंदी भाषा शिक्षण में खेलों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. चावला ने अध्यापकों को बताया कि विद्यालय में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में खेल गतिविधियों के माध्यम से यदि विद्यार्थियों को पढ़ाया जाए तो विषय रुचिकर बन जाता है। आज के इस आधुनिक डिजिटल युग में हिंदी भाषा की विभिन्न दक्षताओं को विकसित करने में गेमिफिकेशन तकनीक एक सर्वश्रेष्ठ तकनीक है।विदित है कि विद्यार्थियों को खेल-खेल में आसानी से विषय सिखाया जा सकता है। खेलों से हमारे भीतर आत्मविश्वास भी बढ़ता है। बच्चों में हिंदी दक्षताएँ विकसित करने हेतु विभिन्न खेल गतिविधियों का प्रयोग किया जा सकता है। "फ़्लैश कार्ड के खेल' का प्रयोग करते हुए हिंदी भाषा की दक्षताओं का खेल, "वर्ण/अक्षर के पासे के खेल के माध्यम से' शब्दावली विकास का खेल, "चित्रों वाले पहिए के खेल के माध्यम से' बच्चों में कहानी लेखन,शब्दवाली विकास की गतिविधि आयोजित करवाई जा सकती है।

"मुझे मेरे परिवार से मिलाओ' खेल के माध्यम से बच्चों का आकलन करते हुए उन्हें हिंदी व्याकरण की विभिन्न दक्षताओं में सक्षम या दक्ष बनाया जा सकता है। पहेलियों के खेल के माध्यम से बच्चों का आकलन करते हुए उन्हें हिंदी व्याकरण की विभिन्न दक्षताओं में सक्षम या दक्ष बनाया जा सकता है। कार्ड उठाओ और बताओ खेल के माध्यम से सामूहिक खेल बच्चों को खिलाते हुए शिक्षक बच्चों को खेल-खेल में भाषा शिक्षण करवाते हुए हिंदी व्याकरण की विभिन्न दक्षताओं में सक्षम या दक्ष बनाया जा सकता है।चावला ने उन्हें बताया कि वे इनके अतिरिक्त स्वयं और भी खेल तैयार करते हुए बच्चों का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं। इसके उपरांत शिक्षकों को हिंदी शिक्षण में माइंड मैपिंग,ऑनलाइन गेम्स,अनुक्रम चार्ट,इन्फोग्रफिक्स के माध्यम से शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार करना,सॉफ्टवेयर के माध्यम से बिंगो खेल तैयार करना आदि भी सिखाया गया।डॉ चावला ने आगे बताया कि उन्नति मॉड्यूल में भाषायी खेलों के अंतर्गत उनके भाषा खेलों का चयन किया गया है।अब वहाँ के भाषा शिक्षक कक्षा-कक्ष में खेल पिटारा और भूलभुलैया खेल पिटारा में शामिल खेलों के माध्यम से भाषा शिक्षण को रुचिकर बनाते हुए बच्चों को पढ़ा पाएँगे।

जुबली हिल्स में भोजनालय में लगी आग, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार दोपहर रोड नंबर 36 जुबली हिल्स स्थित बिगीज़ बर्गर शॉप में मामूली आग लग गई। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अग्निशमन अधिकारियों के मुताबिक, आग पांच मंजिला इमारत के भूतल पर स्थित भोजनालय में दोपहर करीब 12.30 बजे लगी। माधापुर फायर स्टेशन अधिकारी, मोहम्मद अब्दुल फज़ल ने कहा कि सूचना पर माधापुर फायर स्टेशन से दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। सुरक्षा उपाय के तौर पर इमारत की अन्य दुकानों में मौजूद लोगों को बाहर निकलने के लिए कहा गया। थोड़ी ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। हमें संदेह है कि यह शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ। अग्निशमन अधिकारियों ने पाया कि इमारत में अग्नि सुरक्षा उपायों में कुछ विसंगतियां थीं और मालिकों के खिलाफ अनुवर्ती कार्रवाई शुरू की जाएगी।

सीएम ने अभिनेता अल्लू अर्जुन और अन्य को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने पर बधाई दी

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने हाल ही में घोषित 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में तेलुगु फिल्मों द्वारा कई पुरस्कार जीतने पर खुशी व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने टॉलीवुड के आइकन स्टार अल्लू अर्जुन को बधाई दी, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। केसीआर ने कहा, "यह गर्व का क्षण है कि एक तेलुगु नायक ने पिछले 60 वर्षों में पहली बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता।" अल्लू अर्जुन अपनी ब्लॉकबस्टर एक्शन फिल्म पुष्पा के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले पहले तेलुगु अभिनेता बन गए।

अल्लू अर्जुन ने कई फिल्मों में नायक के रूप में अपने उच्च स्तरीय अभिनय से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्लू अर्जुन ने अपने दादा और महान अभिनेता अल्लू रामलिंगैया की विरासत को जारी रखा है और प्रसिद्ध तेलुगु अभिनेता चिरंजीवी की प्रेरणा से अपने दम पर एक महान अभिनेता बनकर उभरे हैं।

भाई-बहन के प्यारे बंधन के पर्व 'रक्षा बंधन' के मद्देनजर बाजार गुलजार हो गया है। सड़कों के किनारे लगी दुकानों में सजी रंग-बिरंगी राखियां आकर्षण के केंद्र में हैं। भारी संख्या में ग्राहकों की भीड़ दुकानों में देखने को मिल रही हैं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 28 अगस्त- 2023

ब्रिक्स से उम्मीद की किरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में जो छाप छोड़ी है वह एक मिसाल है। इसी सम्मेलन में ब्रिक्स का विस्तार करने का फैसला किया गया है। फैसले के मुताबिक पांच देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका- के इस संगठन में अगले साल 1 जनवरी को छह नए सदस्य- अर्जेटीना, इजिप्ट, ईरान, इथियोपिया, सऊदी अरब और यूएई भी जुड़ जाएंगे। बता दें कि ब्रिक्स के विस्तार पर चर्चा काफी पहले से चल रही है। 2009 में यह संगठन अस्तित्व में आया था। इसके एक साल बाद ही यानी 2010 में इसमें साउथ अफ्रीका को और जोड़ लिया गया। उसके बाद से ही ब्रिक्स का कुनबा बढ़ाने के लिए, नए सदस्यों की एंट्री पर चर्चा शुरू हो गई थी। लेकिन बीते कुछ समय से नए सदस्यों की एंट्री को लेकर यह मुद्दा काफी जोर पकड़ने लगा था, जिसकी दो बड़ी वजहें रहीं। सबसे बडी बात तो यह कि इस ग्रुप से जुड़ने की चाहत रखने वाले देशों की संख्या लगातार बढ़ती चली गई। 22 देश इस मंच की भागीदारी के लिए बाकायदा आवेदन कर चुके हैं। 40 से ज्यादा देश ऐसे हैं जो इसमें शामिल होने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। दूसरी वजह यह रही कि बदले वैश्विक हालात के मद्देनजर चीन इस पर बहुत जोर दे रहा था। चीन की सक्रियता को देखते हुए आशंका जताई जा रही थी कि शायद भारत इस मसले पर ज्यादा रुचि न दिखाए। चीन के सरकार नियंत्रित मीडिया ने तो कुछ दिन पहले पश्चिमी देशों पर आरोप भी मढ़ दिया था कि वे नहीं चाहते कि विस्तार के बाद ब्रिक्स एक मजबूत संगठन बनकर उभरे, इसलिए भारत और चीन में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिक्स देश के सदस्यों को तब आश्चर्य हुआ जब पता चला कि इन अटकलबाजियों से अलग भारत पहले ही साफ कर चुका है कि वह ब्रिक्स के विस्तार के खिलाफ नहीं है। अन्य मुद्दों की तरह इस मामले में भी उसका रुख किसी खास देश या लॉबी के आग्रह या शंका आशंका से नहीं बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों से निर्देशित हो रहा था। बताना जरूरी है कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत तमाम वैश्विक संगठनों और मंचों के विस्तार और उनमें समय के मुताबिक सुधार की वकालत करता आ रहा है। ब्रिक्स के विस्तार के ताजा फैसले से उस एजेंडे को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। इसके बावजूद इस फैसले में निहित चुनौतियों की अनदेखी करने से परहेज करना होगा। एक तरफ यह आशंका है कि इन नए सदस्यों में से कई देशों के साथ अपनी करीबी की बदौलत चीन इस मंच पर अपना दबदबा बढ़ाने का प्रयास कर सकता है तो दूसरी तरफ कुछ हलकों में यह संदेह भी है कि चीन, रूस और ईरान जैसे देशों के प्रभाव में इसे पश्चिमी देशों के खिलाफ एक मंच के रूप में इस्तेमाल न किया जाने लगे। इन आशंकाओं और संदेहों के बीच सभी देशों के हितों में सामंजस्य स्थापित करते हुए बेहतर विश्व सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इस मंच को निश्चित रूप से ज्यादा परिपक्व और दूरदर्शितापूर्ण नजरिया अपनाना होगा, तभी ब्रिक्स देशों के सम्मेलन की सार्थकता साबित होगी।

चांद से आयेगी अब अर्थ चांदनी

पंकज गांधी

चंद्रयान 3 की सफलता यह बताती है कि अनंत के खोज की यह यात्रा अनायास नहीं है. धरती के लिए यह मूल्यवान है. भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम जो डॉ विक्रम साराभाई की संकल्पना है, जिन्हें भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम का जनक कहा जाता है आज राष्ट्रीय विकास का एक महत्वपूर्ण आधार है। नेहरू जी ने शुरू में अंतरिक्ष अनुसंधान को परमाणु उर्जा विभाग की देखरेख में रखा। भारतीय परमाणु कार्यक्रम के जनक होमी भाभा ने अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए इसके लिए भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (इनकोस्पार) का गठन किया और डॉ॰ साराभाई को सभापति नियुक्त किया। भारत अंतरिक्ष कार्यक्रम ने देशी तकनीक कच्चे माल एवं तकनीक आपूर्ति में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता को भांपते हुए अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का गठन किया। आज यह भारत सरकार के 'अंतरिक्ष विभाग' द्वारा प्रबंधित है, तथा सीधे भारत के प्रधानमंत्री को रिपोर्ट करता है। नेहरू के स्वप्न से शुरू हुआ भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आज भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्तिगत दिलचस्पी लेने के कारण सूर्य और शुक्र के अभियान की तरफ बढ़ रहा है.हमारी इस प्रगति पर शुरू में कई विकसित देशों ने इसका मजाक बनाया था, लेकिन आज भारत अपने कम बज़ट में ही उच्च अंतरिक्ष तकनीक को हासिल कर श्रेष्ठ अंतरिक्ष तकनीक वाले देशों की कतार में शामिल हो गया है। कम बजट के स्वदेशी उपग्रह और प्रक्षेपण की किफ़ायत लागत के कारण वैश्विक स्तर पर भारत की पूछ बढ़ रही है। वर्ष 2017 में इसरो ने ही 104 उपग्रहों को एक साथ अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित किया था, जिसमें 101 स्वदेशी उपग्रह थे। इस कारण भारत उपग्रहों के प्रक्षेपण करने वाले पसंदीदा देश के रूप में उभरने लगा । कई देश अब भारत के ही प्रक्षेपण यान से अपने उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेज रहें हैं जिससे भारत का उपग्रह प्रक्षेपण कारोबार तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। चंद्रयान 3 की सफलता इस कारोबार को और गति देगी। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो 15 साल पहले करीब 60 से 100 सेटेलाइट लांच किए जाते थे जबकि वर्ष 2020 में ही 1200 से अधिक उपग्रह लांच हुए। भारत के इस अंतरिक्ष बाजार में इंटरनेट तथा DTH सेवाओं का हिस्सा सबसे ज्यादा है जो कई उद्योगों के डिजिटल इकोसिस्टम का आधार हैं। इसरो अब 2030 तक अंतरिक्ष में अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की भी सोच रहा है। यह सारी परियोजनाएँ भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के आर्थिक दोहन की संभावनाओं को बलवती कर रही हैं. पिछले ही दिनों सरकार ने अंतरिक्ष नीति, 2023 को मंजूरी दी जिसके तहत अंतरिक्ष उत्पाद एवं सेवा संबंधी गतिविधियां जैसे उपग्रह निर्माण तथा उपग्रह प्रक्षेपण आदि कार्यों के लिए निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाएगा।। इस नीति से नए बुनियादी ढांचे के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा, साथ में अनुसंधान, शिक्षा, स्टार्टअप और उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा।

देखा जाय तो आज वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में हम चार फीसदी से भी कम हैं लेकिन इस सफलता के साथ ही इसे 10 फीसदी करने में भारत की नई अंतरिक्ष नीति भी सहायता करेगी। अब भारत का निजी क्षेत्र भी विकसित देशों की तर्ज पर उपग्रह निर्माण में सहयोग तथा अपना निजी प्रक्षेपण स्टेशन भी विकसित कर सकेगा। तीन साल पहले ही सरकार ने इस क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआइ की अनुमति निजी क्षेत्र को दी है आज तीन वर्षों में देश में लगभग 140 के आसपास स्टार्टअप्स इस क्षेत्र में आएं हैं।कुछ दशक पहले वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में कुछ ही देशों का दबदबा था। विक्रम साराभाई की दूरदर्शिता एवं भारतीय वैज्ञानिकों का टैलेंट एवं मेहनत का ही परिणाम है कि आज हम इसमें विकसित देशों के साथ खड़े हैं। 2014 में हम विश्व में प्रथम प्रयास में ही मंगल पर पहुंचने वाले देश बन चुके हैं ।

जन विश्वास विधेयक या अविश्वासघात

रघु ठाकुर

भारत की संसद ने जन विश्वास विधेयक पारित कर दिया है और इसके माध्यम से पुराने अनेकों कानूनों के दण्ड देने वाले प्रावधानों में संशोधन कर दिया है। आज कल देश की राजनीति में एक नया चलन शुरू हो गया है इसमें जहर को भी अमृत के नाम पर बेचा जाता है। यह हम सभी को पता है कि जब वाले प्रकरण में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने शाहबानों के आवेदन के पक्ष में फैसला देते हुए कहा था कि, मुस्लिम महिलाओं को भी भरण पोषण का अधिकार है। परन्तु देश के मुस्लिम भाईयों के कट्टरपंथी मन और वोट के लिये तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. राजीव गाँधी ने संविधान संशोधन कर कोर्ट का फैसला बदला था तथा मुस्लिम महिलाओं को भरण पोषण के अधिकार से वंचित कर पुरातन मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुसार मेहर के हवाले कर दिया था। उस कानून का नाम महिला अधिकार संरक्षण विधेयक था याने जो कानून अधिकारों को छीनने का था उस कानून को अधिकारों का रक्षक बना दिया गया। लगभग यही स्थिति इस जन विश्वास विधेयक की है जिसमें इसका नाम तो जन विश्वास रखा गया है पर वस्तुतः यह जन विश्वासघात है। इस समय देश में लगभग 7000 से अधिक जेनेरिक दवाईयां बन रही है। यह सुविदित तथ्य है ब्रान्डेड और विदेशी दवाईयां बहुत महंगी होती है और लागत की तुलना में कई-कई बार तो 100-100 गुने से भी अधिक महंगी होती हैं। डॉक्टर मित्र इन ब्रान्डेड दवाईयों को लिखते हैं क्योंकि इनके निर्माता उन्हें अनेकों तरीकों से उपकृत करते हैं। कभी सेमिनार के नाम पर सपरिवार विदेश की यात्रायें कराते हैं, कभी-कभी भारी तोहफे देते हैं, कभी पुरस्कार के नाम पर पैसा दिया जाता है और ऐसे बहुत से उपकृत करने के अन्य तरीके होते हैं। आजकल अधिकांश चिकित्सीय सेमिनार दुबई आदि में होते हैं और इसके पीछे बड़ी प्रेरणा ब्रान्डेड दवा लिखने की होती है। दुनिया की दवा बनाने वाली बड़ी-बड़ी कम्पनियां अपने मुनाफे का थोड़ा सा हिस्सा, इस सफेद पोश भ्रष्टाचार पर खर्च करती है और इतना ही नहीं मीडिया के एक हिस्से के माध्यम से यह प्रचार कराती हैं कि यही दवाईयां कारगर हैं, जेनेरिक दवाईयां असरकारी नहीं होती। ग्रामीण समाज व गरीब अशिक्षित लोग ऐसे प्रचार से प्रभावित होते हैं और ब्रान्डेड दवाओं के चक्रव्यूह में फंस कर इलाज के नाम पर या तो बर्बाद हो जाते या मौत के मुंह में चले जाते हैं। आरंभ में दवाओं का पेटेंट भी इसका एक बड़ा कारण था क्योंकि उन दवाओं को केवल वही कम्पनियां बना सकती थी जिनके नाम पर पेटेन्ट दर्ज था। एक तरफ देश की बदहाल चिकित्सा व्यवस्था दूसरी तरफ गरीबी, तीसरी तरफ सरकार की आर्थिक सीमाओं ने भारत सरकार को लम्बे समय की लूट के बाद जेनेरिक दवाओं का कानून बनाने के लिये बाध्य किया था। लगभग 7000 दवाओं को जेनेरिक आधार पर बनाने की मंजूरी भारत के दवा निर्माताओं को मिली। ताकि यह पेटेन्ट सीमा के बाद मूल निर्माण की विधि के आधार पर भारत में बनाई जा सके और लोगों को सस्ती दवा मिल सके। इसके लिये कानून बना कर जेनेरिक दवाओं को लिखने के लिये चिकित्सकों को बाध्य किया गया। हालांकि देश मानसिक और कर्म के आधार पर श्रेष्ठी व निम्न वर्ग में विभाजित रहा है। सरकार के बड़े रसूखदारों, मंत्रियों, उच्च अधिकारियों के लिये तो सरकारी चिकित्सालयों में ब्रांडेड दवाईयां ही खरीदी जाती रही है और आम लोगों के लिये जेनेरिक दवायें। पर देश के मुनाफा खोर अमानवीय बाजार ने इस पर भी संतोष नहीं किया और जेनेरिक दवा के निर्माण में निर्धारित मात्रा से कम स्तर की दवाईयां बनाना शुरू कर दिया। तब इसके लिये प्रावधान किया गया था कि जो जेनेरिक दवाओं के निर्माण में गड़बड़ी करेगा उसे जुर्माने के साथ-साथ 2 वर्ष की सजा अनिवार्यता होगी। अब इस जन विश्वास विधेयक के माध्यम से भारत सरकार व संसद ने सजा के प्रावधान को हटा दिया है और केवल आर्थिक दण्ड का प्रावधान रखा है। मतलब साफ है कि आप जेनेरिक दवाओं के नाम पर नकली कमजोर व कृत्रिम दवा बनाये। मरने वाले गरीबों को मनमाने ढंग से लूटे परन्तु इसके लिये आपको कोई दण्ड (जेल की सजा) नहीं मिलेगी। और दण्ड के नाम पर उस लूट के समुद्र की एक छोटी से बूंद को जुर्माने में देकर आपका अपराध समाप्त हो जायेगा। पहले दो वर्ष के दण्ड का कुछ भय था परन्तु अब वह समाप्त हो जायेगा क्योंकि कितना ही सम्पन्न व्यक्ति हो वह जेल जाने के नाम से कुछ भयभीत रहता है। बल्कि सच्चाई तो यह है कि अमीर लोग जेल से अधिक भयभीत होते हैं। यह कितना अधिक आश्चर्यजनक संशोधन है कि एक तरफ तो एक व्यक्ति की हत्या करने वाले को 20 साल की सजा या आजन्म कारावास होता है कभी-कभी मृत्यु दण्ड भी दिया जाता है, परन्तु हजारों लाखों लोगों की नकली दवाओं के नाम पर निर्दोष हत्या करने वाले इन दवा निर्माताओं व हत्या करने वालों को मात्र दो-चार लाख का जुर्माना देकर मुक्ति मिल जायेगी। इस निर्णय से देश के दो नंबरी अपराधी दवा निर्माताओं को नकली दवा बनाने व बेचने की खुली छूट मिल जायेगी। तथा अब वे निर्भय होकर और अधिक कमाई कर सकेंगे। इसी प्रकार डेटा चोरी पर जो 500 करोड़ रूपये का जुर्माना वर्तमान में था वह अब घटाकर 250 करोड़ रूपया कर दिया गया। एक तरफ सारी दुनियां में डेटा चोरी को एक भारी गंभीर अपराध माना जा रहा है। यहां तक की उसे निजता का उल्लंघन मानकर सभ्य दुनिया बैचेन व परेशान है। देश और दुनिया के इंटरनेट मालिकों के ऊपर डेटा चोरी का आरोप लगता रहा है और वह भारी मुनाफा कमाते रहे हैं। आज के बाजार के लिये डेटा एक महत्वपूर्ण अस्त्र है। इस डेटा के माध्यम से बाजार सारी दुनिया के लोगों की अभिरूचियों को जानता है। उन्हें उस दिशा में खरीद-फरोद या उपभोग के लिये प्रेरित करता है। प्रचार व विज्ञापन के माध्यम से मनमाना पैसा कमाता है। आज आदमी को कैसा मकान, कपड़ा, सौन्दर्य, प्रसाधन चाहिये। यानि जीवन उपयोग की हर चीज इंटरनेट मालिकों के पास इस इंटरनेट के माध्यम से पहुंची हुई है और वे इसका प्रयोग इस डेटा को चुराकर बाजार के मालिकों को, मल्टीनेशनल के मालिकों को बेचने में कर रहे हैं। पिछले दिनों यह खबर आई थी कि दुनिया के 500 सम्पन्न लोगों ने जनवरी 2023 से लेकर जून 2023 के बीच लाखों करोड़ों का मुनाफा कमाया था। इनमें भी जिन दो पूँजीपतियों ने सबसे अधिक मुनाफा कमाया जो कि क्रमशः 7.50 लाख और 4.50 लाख करोड़ रूपया था, यह दोनों इंटरनेट कम्पनियों के मालिक हैं। उनका नाम है जुंकरवर्ग और एलेन मस्क। जाहिर है कि यह मुनाफा केवल इंटरनेट की बिक्री का नही है बल्कि इंटरनेट के माध्यम से की गई डेटा चोरी को बेचकर कमाने का है। परन्तु भारत सरकार ने इस डेटा चोरी जैसे गंभीर अपराध को कमजोर बना दिया है और दण्ड 500 करोड़ से 250 करोड़ कर दिया है। जबकि होना तो यह चाहिए था कि 500 करोड़ का दण्ड तो रहता ही इसके साथ-साथ डेटा चोरी करने वालो के अपराध को शारीरिक दण्ड (जेल की सजा) का भी प्रावधान होता। यह डेटा चोरी केवल बाजार को मुनाफा देने वाली नहीं है बल्कि यह देश की सुरक्षा, सुरक्षा संस्थानों, सुरक्षा अस्त्रों के निर्माण की प्रक्रिया, सुरक्षा अस्त्रों के भण्डार आदि की सूचना भी दुनिया के सामरिक अस्त्रों के निर्माताओं और वैश्विक सामरिक ताकतों के पास पहुंचाने का बड़ा माध्यम है। दुनिया के जो देश सावधान है वो देश के सवाल पर अलग ढंग से निर्णय कर रहे हैं। अभी चीन ने दो फैसले किए। जबकि चीन अब एक पूँजीवादी राष्ट्र है जो केवल सामरिक व्यवस्था में या तानाशाही व्यवस्था में भले ही साम्यवादी हो परन्तु आर्थिक मामलों में पूर्णतः पूँजीवादी है।

विभाजन के दंश को स्थायी बनाने की हरकतें !

श्रवण गर्ग

क्या ही ख़तरनाक सोच है कि हुकमरान 'डिजिटल इंडिया' की नई पीढ़ी को विभाजन के दौरान हुई हिंसा की जानकारी देकर उसे एक वर्ग विशेष से डराने का इरादा रखते हैं और उसी के कंधों पर हिंसा और वैमनस्य से मुक्त आधुनिक भारत के निर्माण की ज़िम्मेदारी भी डालना चाहते हैं। अपने (हिंसक)अतीत में लौटने का दुस्साहस कोई ऐसा नेतृत्व ही कर सकता है जो शुरुआत करते ही रास्ता भटक गया है, उसे अपने आगे बढ़ने का कोई मार्ग नहीं सूझ रहा है, वह उस अंधकार को चीरने से घबरा रहा है जिसके आगे रोशनी है और वह उसी स्थान पर लौटने की ज़िद और जल्दी में है जहां से उसने अपनी महत्वाकांक्षी यात्रा प्रारम्भ की थी। इस तरह के (साम्प्रदायिक)अतीत में योजनापूर्वक लौटना एक ऐसी मनःस्थिति है जिसमें ऐसा मान लिया जाता है कि अनुभव करने के लिए सुखद और सौंदर्यपूर्ण कुछ भी नहीं बचा है। व्यक्ति सिर्फ़ ख़ौफ़नाक दृश्यों और कहानियों की ही तलाश करने लगता है जिनके पात्रों में उसकी कल्पना के नायक छुपे हुए हैं। इस तरह की योजना (या साजिश) के लिए किसी 'ब्लू व्हेल चैलेंज' की तर्ज़ पर कोई नाम भी सोचा जा सकता है। ऐसी स्थितियाँ तब बनती हैं जब राष्ट्र नए नायकों को गढ़ने या ढालने का उपक्रम बंद कर देता है। नई कहानियाँ, नई वादियों की तलाश इरादतन रोक दी जाती है। फ़िल्म इंडस्ट्री एक बड़ा उदाहरण है कि अतीत की विडंबनाओं को रोमांटिक तरीक़े से पेश करके किस तरह पैसे भी कमाए जा सकते हैं और नक़ली 'देशभक्तों' की फ़ौज भी खड़ी की जा सकती है। विभाजन की विभीषिका को एक स्मृति दिवस के रूप में मनाने के पीछे के मक़सद को ढूँढने की मैंने कोशिश की थी पर सफलता नहीं मिली।कुछ संकेत ज़रूर मिले कि इस बहाने से विभाजन के 'असली' दोषियों की नए सिरे से पहचान प्रकट की जा सकती है। आज़ादी की लड़ाई में 'असली' आहुति देने वाले देशभक्तों की संशोधित सूची देश के समक्ष पेश की जा सकती है। एक समुदाय के लोगों ने दूसरे समुदाय के लोगों को किस तरह से 'मारा होगा' के विवरण उन हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई बच्चे-बच्चियों के साथ साल-दर-साल बाँटे जा सकते हैं जो अभी एक ही स्कूल, एक ही कक्षा में साथ-साथ बैठकर पढ़ रहे हैं, एक साथ खड़े होकर सर्व धर्म समभाव की प्रार्थना कर रहे हैं, एक ही मैदान पर खेल रहे हैं और एक साथ खाना खा रहे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शहर मुरादाबाद की एक मध्यमवर्गीय रहवासी कॉलोनी को लेकर दो साल पहले एक खबर छपी थी। खबर की शुरुआत यहाँ से होती है कि कॉलोनी के रहवासी प्रतिदिन क्षेत्र के एक मंदिर पर एकत्र होकर इस बात पर विरोध प्रकट करते हैं कि इलाक़े में बहुसंख्यकों के द्वारा ख़ाली किए गए दो मकान अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को क्यों बेच दिए गए ! मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक बैनर भी लगा दिया गया जिस पर लिखा हुआ था कि ' पूरी कॉलोनी बिकाऊ है और रहवासी सामूहिक पलायन करना चाहते हैं। रहवासियों के मुताबिक़ : 'जब एक ऐसी समझ बनी हुई है कि 'वे' उनके इलाक़ों में रहेंगे और 'हम' हमारे में तो 'वे' ज़बरदस्ती यहाँ आकर माहौल क्यों बिगाड़ना चाहते हैं ? हमारी संस्कृति और त्योहार सब उनसे अलग हैं ।'

दो साल पूर्व प्रकाशित एक आलेख के प्रस्तुत संपादित अंशों को मुजफ्फर नगर के एक निजी स्कूल में एक टीचर द्वारा एक मुस्लिम छात्र को बारी-बारी से थप्पड़ मारने के लिए क्लास के बाकी छात्रों को बुलाने की घटना के बाद उठे विवाद के संदर्भ में पढ़ा जा सकता है।

पाकिस्तान कोई एक दिन में नहीं बना होगा और न ही विभाजन कोई एक तय तारीख़ पर ही सम्पन्न हो गया होगा। जो विभाजन वर्ष 1947 में पंद्रह अगस्त के पहले हुआ होगा वह आज भी जारी है। हर शहर और बस्ती में नए-नए पाकिस्तान इसीलिए बन रहे हैं कि लोग साथ में रहने या दूसरों को अपने साथ में रहने देने के लिए तैयार नहीं हैं।विभाजन की हिंसक-अहिंसक और मौन विभीषिकाएँ तो हरेक दिन महसूस की जा रही हैं। 'स्मृति दिवस' किस-किस विभीषिका के मनाए जाएँगे? एक राष्ट्र के तौर पर हमें अब यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि साम्प्रदायिक सद्भाव, आपसी एकता और भाईचारे के नाम पर पिछले सात से अधिक दशकों से जो कुछ भी चलता रहा है, जो भी नारे और बैनर ईजाद होते रहे हैं, 'सबको सन्मति दे भगवान' और 'ए मालिक तेरे बंदे हम' टाइप जो गीत और भजन तैयार किए जाते रहे हैं वे सब दरअसल में बनावटी या मुखौटा भर थे, मात्र चुनावी स्टंट रहे हैं।

सच यही है कि देश के जनमानस की असलियत भिन्न है जिसे पिछले तमाम सालों में दबाकर रखा गया और वह अब रिसकर बाहर आ रही है। अतीत की किन-किन पहचानों को ख़त्म करना है और किन्हें पुनर्जीवित कर उनकी प्राण-प्रतिष्ठा करना है, यह सब किसी ऐसे दूरगामी राजनीतिक-सांस्कृतिक एजेंडे का ही हिस्सा हो सकता है जिसमें भावनाओं या मानवीय संवेदनाओं के लिए हाशिए पर भी कोई जगह नहीं छोड़ी गई हो। राजनीति में विपक्ष या प्रतिरोध के प्रति निर्ममता को जब अनिवार्य मान लिया जाता है तो फिर उसका इस्तेमाल देश के सांस्कृतिक-धार्मिक 'पुनरुत्थान' में भी करना आवश्यक हो जाता है। ऐसी स्थिति में प्रतिपक्ष भी छटपटाने लगता है और वास्तविक अतीत भी अपने संरक्षण के लिए याचक की मुद्रा में आ जाता है। इस तरह के संघर्षों में नागरिक की कमजोर उपस्थिति क्रमशः गौण होती जाती है। इस समय ऐसा ही हो रहा है।

http://shravangarg1717.blogspot.com

मोदी ने इसरो में दिये भाषण से दिल जीता

डा. वीरेन्द्र भाटी मंगल

आज भारत सम्पूर्ण विश्व में अंतरिक्ष शक्तियों में अपना वजूद बना चुका है। इस चन्द्रयान-3 के स्थापित होने से भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक मुख्य देश की श्रेणी में में शामिल होना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व एवं गौरव का विषय होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसरो) द्वारा मानव निर्मित अंतरिक्ष मिशन चंद्रयान-3 के चन्द्रमा पर सुरक्षित लैंडिग करने से चंद्रमा पर मानव और वैज्ञानिकों की मौजूदगी में पड़ताल करना संभव हो सकेग। यह हमारे देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। अब भारत दुनिया में चंद्रमा पर लैंडिंग करने वाला चैथा देश बन गया है। इससे पहले यह कीर्तिमान अमेरिका, रूस (तब सोवियत संघ) और चीन ने स्थापित किया था। चंद्रयान-3 के स्थापित होने से चंद्रमा के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी वहीं चंद्रमा पर मानव मिशनों की योजना, चंद्रमा पर पानी की खोज, चंद्रमा पर चट्टानों और मिट्टी के नमूने एकत्र करने में मदद, भविष्य में चंद्रमा पर मानव मिशनों की योजना बनाने में वैज्ञानिकों को सहयोग मिलेगा। इसके अलावा चट्टानों और मिट्टी के नमूनों से प्राप्त जानकारी का उपयोग करके चंद्रमा के इतिहास और भूविज्ञान का अध्ययन करने में हमारे देश के वैज्ञानिकों को मदद होगी। चन्द्रयान-3 का चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग करना भारत के लिए एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि है।

शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में इसरो वैज्ञानिकों की टीम से मुलाकात कर चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर इसरो टीम को बधाई देते हुए ऐलान किया कि 23 अगस्त को जब भारत ने चंद्रमा पर तिरंगा फहराया, उस दिन को अब राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रमा के जिस स्थान पर चंद्रयान-2 ने अपने पदचिन्ह छोड़े हैं, वह अब तिरंगा प्वाइंट कहलाएगा। तिरंगा प्वाइंट भारत के हर प्रयास की प्रेरणा बनेगा, ये तिरंगा प्वाइंट हमें सीख देगा कि कोई भी विफलता आखिरी नहीं होती है। वहीं प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस स्थान पर चंद्रयान-3 का मून लैंडर उतरा है, उस स्थान को 'शिवशक्ति' के नाम से जाना जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में महत्वपूर्ण बातों को जिक्र किया।प्रधानमंत्री ने इसरो मुख्यालय पर संबोधित करते हुए कहा कि चंद्रयान-3 में महिला वैज्ञानिकों ने भी अहम भूमिका निभाई है। यह शिवशक्ति प्वाइंट आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा कि हमें विज्ञान का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए ही करना है। मानवता का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्रतिबद्धता है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि आज मैं एक अलग ही खुशी महसूस कर रहा हूं, ऐसे मौके बहुत कम आते हैं। उन्होंने कहा कि मैं दक्षिण अफ्रीका में था, लेकिन मेरा मन पूरी तरह से आपके साथ ही लगा हुआ था। इस मिशन की सफलता पर प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि हर भारतीय को लग रहा था कि यह विजय उसकी अपनी है। हर भारतीय को लग रहा था जैसे वह खुद एक बड़े एक्जाम में पास हो गया है। आज भी बधाइयां दी जा रही हैं, संदेशे दिए जा रहे हैं और ये सब मेरे देश के वैज्ञानिकों ने मुमकिन बनाया है। मैं आपका जितना गुणगान करूं, कम है, जितनी सराहना करूं, कम है। उन्होंने कहा कि मेरी आंखों के सामने 23 अगस्त का वह दिन, वह एक-एक सेकंड बार-बार घूम रहा है। जब टच डाउन कंफर्म हुआ तो जिस तरह यहां इसरो सेंटर में, पूरे देश में लोग उछल पड़े, वह दृश्य कौन भूल सकता है। कुछ स्मृतियां अमर हो जाती हैं। वह पल अमर हो गया। उन्होंने भारत की असली ताकत का अहसास कराते हुए कहा कि भारत के ज्ञान और विज्ञान का खजाना गुलामी के कालखंड के नीचे दबा हुआ है। आजादी के इस अमृत काल में हमें उस संदूक को खोदना होगा। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ ही वर्षों में भारत का अंतरिक्ष उद्योग 8 अरब डॉलर से बढ़कर 16 अरब डॉलर का हो जाएगा। इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क मिशन कंट्रोल कॉम्प्लेक्स में मिशन में शामिल इसरो टीम की महिला वैज्ञानिकों से मुलाकात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा देश के वैज्ञानिक 'मेक इन इंडिया' को चांद तक ले गए। उन्होंने इस अवसर कहा कि हमारे वैज्ञानिकों ने लेंडर की सॉफ्ट लैंडिंग का परीक्षण करने के लिए इसरो अनुसंधान सुविधा में एक कृत्रिम चंद्रमा बनाया। लैंडर का सफल होना तय था क्योंकि चंद्रमा पर जाने से पहले वैज्ञानिकों ने कई परीक्षण पास किए थे। वैज्ञानिकों की प्रंशसा करते हुए मोदी ने कहा कि आपने एक पूरी पीढ़ी को जागृत किया है और उन पर गहरी छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि ये भारत है जो इनोवेटिव और यूनिक तरीके से सोचता है। यह वह भारत है। जो अंधेरे क्षेत्रों में जाता है और प्रकाश फैलाकर दुनिया को रोशन करता है।

ब्रिक्स को लेकर भारत का रुख सकारात्मक !

सुनील कुमार महला

हाल ही में हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 22 से 24 अगस्त 2023 तक आयोजित 15वें अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। जानकारी देना चाहूंगा कि इस सम्मेलन में पांच सदस्य देशों को शामिल किया गया हैं जिनमें क्रमशः ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका हैं तथा जिसमें राष्ट्राध्यक्ष या सरकार के प्रमुख भाग लेते हैं। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि ब्रिक्स की स्थापना वर्ष 2006 में हुई थी और इसका पहला शिखर सम्मेलन 2009 में रूस में हुआ था। शुरुआत में इसमें कुल चार देश ब्राजील, रूस, भारत और चीन शामिल थे। बाद में ब्रिक्स समूह देशों की सहमति से दक्षिण अफ्रीका को भी वर्ष 2010 में इसमें शामिल किया गया था। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स आपसी आर्थिक विकास की गतिविधियों को गतिशीलता प्रदान करने एवं ग़रीबी उन्मूलन कार्यक्रम के लिए कार्य करता है। हाल ही में इसमें कुछ और देशों को भी शामिल किया गया है,जिसकी इस आर्टिकल में आगे बात करेंगे। हाल फिलहाल, प्रश्न यह उठता है कि आखिर ब्रिक्स है क्या और इस समूह के उद्देश्य क्या हैं? तो इस संबंध में सरल शब्दों में जानकारी देना चाहूंगा कि(जैसा कि ऊपर भी जानकारी दे चुका हूं कि) ब्रिक्स दुनिया की अग्रणी उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं, अर्थात ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका देशों के शक्तिशाली समूह का एक संक्षिप्त रूप है। ब्रिक्स तंत्र का मुख्य उद्देश्य शांति, सुरक्षा, विकास और सहयोग को बढ़ावा देना है। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स का मुख्यालय चीन के शंघाई में है। ब्रिक्स के सम्मेलन हर साल आयोजित होते हैं। यह जानना रूचिकर होगा कि ब्रिक शब्द का पहली बार प्रयोग वर्ष 2001 में गोल्डमैन के जिम ओ नील द्वारा किया गया था। वर्तमान समय की बात करें तो ब्रिक्स देशों के पास दुनिया का 25.9 प्रतिशत भू-भाग एवं 43 प्रतिशत आबादी है। विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में इनका योगदान करीब 30 प्रतिशत है और ये देश सकल वैश्विक पूंजी का 53% आकर्षित करते हैं। भारत के लिए ब्रिक्स का महत्व यह है कि भारत आर्थिक मुद्दों पर परामर्श और सहयोग के साथ-साथ सामयिक वैश्विक मुद्दों, जैसे- अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में सुधार आदि के माध्यम से ब्रिक्स की सामूहिक ताकत से लाभान्वित हो सकता है। बहरहाल, यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने भी 67 देशों के नेताओं को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था, जिसमें 53 अन्य अफ्रीकी देश, बांग्लादेश, बोलीविया, इंडोनेशिया और ईरान शामिल हैं। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2019 के बाद ये पहली बार है जब यह सम्मेलन ऑफलाइन आयोजित किया गया है। वास्तव में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित यह ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह के लिए एक महत्वपूर्ण घटना थी। जानकारी देना चाहूंगा कि इस शिखर सम्मेलन के परिणामस्वरूप कई महत्वपूर्ण बातें हमारे सामने आई हैं, जिनमें ब्रिक्स के विस्तार में अर्जेंटीना, मिस्र, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) का शामिल होना बहुत ही अहम होने के साथ ही विश्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

आज सावन का आखिरी प्रदोष व्रत

बन रहे 5 शुभ योग, शिव भक्तों को मिलेगा दोगुना लाभ

जल्द ही सावन का पवित्र महीना समाप्त होने वाला है। इस साल सावन में अधिक मास पड़ने से यह महीना और भी खास हो गया है। ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि सावन का अंतिम प्रदोष व्रत सोमवार 28 अगस्त को है। उस दिन प्रदोष व्रत पर 5 शुभ संयोग बन रहे हैं। ऐसे में शिव भक्तों को इसका दोगुना लाभ मिलेगा। जानते हैं सावन के आखिरी प्रदोष व्रत के शुभ संयोग, मुहूर्त और महत्व।

5 शुभ संयोग में सोम प्रदोष व्रत

ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास जी ने बताया कि सावन का आखिरी प्रदोष व्रत सोम प्रदोष व्रत होगा। इस दिन सावन का अंतिम सोमवार, आयुष्मान योग, सौभाग्य योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग का शुभ संयोग है। प्रदोष शिव पूजा सौभाग्य योग में होगी। प्रदोष व्रत सभी प्रकार के दोषों को दूर करता है और मनोकामनाओं की पूर्ति करता है।

त्रयोदशी तिथि में देवों के देव महादेव की पूजा सूर्यास्त के बाद करने का विधान है। इस दिन सावन सोमवार और प्रदोष व्रत का संयोग है इसलिए रुद्राभिषेक के लिए यह दिन बहुत ही उत्तम है। सावन के सभी प्रदोष व्रत काफी खास होते हैं सोमवार के दिन प्रदोष व्रत होने से इसका महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है।

सोम प्रदोष व्रत 2023 शुभ संयोग

28 अगस्त को व्रत करने से प्रदोष व्रत और सावन सोमवार व्रत दोनों का फल मिलेगा। सावन के आखिरी प्रदोष और सोमवार के दिन रुद्राभिषेक करना फलदायी होगा।

आयुष्मान योग – प्रात:काल से लेकर सुबह 09 :56 तक

सौभाग्य योग – सुबह 09 :56 से पूरी रात तक

सर्वार्थ सिद्धि योग – मध्यरात्रि 02 :43 से 29 अगस्त को सुबह 05 :57 तक

रवि योग – मध्यरात्रि 02 :43 बजे से 29 अगस्त को सुबह 05 :57 बजे तक

शाम को सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में विधि विधान से शिव परिवार की पूजा करें दूध, दही, गंगाजल, शहद और घर से अभिषेक करें।

सावन सोमवार - प्रदोष व्रत में व्रती को मिलेगा ये लाभ

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सोम प्रदोष के दिन भोलेनाथ के अभिषेक रुद्राभिषेक और श्रृंगार का महत्व माना जाता है। इस दिन सच्चे मन से भोलेनाथ की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। इस दिन शिव जी की विशेष पूजा-अर्चना करने से विवाह में आ रही सारी रुकावटें दूर होती हैं। इस दिन पंचगव्य से महादेव का अभिषेक करने से संतान की इच्छा पूरी होती है। इस दिन दूध से अभिषेक करने के बाद शिवलिंग पर फूलों की माला अर्पित करनी चाहिए। इससे भोलेनाथ अत्यंत प्रसन्न होते हैं।

सोम प्रदोष व्रत 2023 मुहूर्त

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि प्रदोष व्रत हर महीने की दोनों त्रयोदशी तिथि के दिन रखा जाता है। सावन शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 28 अगस्त, सोमवार की शाम 06 .48 बजे से प्रारंभ होकर मंगलवार 29 अगस्त को दोपहर 02 .47 बजे तक रहेगी। प्रदोष व्रत पूजा प्रदोष काल में करना श्रेष्ठ माना गया है। प्रदोष व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त 28 अगस्त की शाम 06 .48 बजे से रात 09 .02 बजे तक रहेगा। इस समय पूजा करने से व्रत का पूरा फल मिलता है।

सोम प्रदोष व्रत पूजा विधि

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि प्रदोष के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें। फिर शिवलिंग पर जलाभिषेक करके व्रत करने का संकल्प लें।

शिवलिंग पर बेलपत्र, भांग, धतूरा, अक्षत और आंकड़े का फूल अर्पित करें। इसके बाद मन ही मन अपनी मनोकामना दोहराएं और भगवान शिव से प्रार्थना करें।

इस दिन आप अपनी श्रद्धा के अनुसार शिव तांडव स्त्रोत या फिर शिव अष्ट स्त्रोत का पाठ भी कर सकते हैं।

अगर आप प्रदोष का व्रत करते हैं तो अगले दिन व्रत का पारण करने के बाद जरूरतमंदों को दान जरूर करें और उसके बाद ही अन्न ग्रहण करें।

इन राशि वालों को भूलकर भी नहीं पहनना चाहिए मूंगा

जीवन में आ सकती हैं परेशानियां

रत्न शास्त्र में 9 रत्न और 84 उपरत्नों का वर्णन मिलता है। जिसमें से प्रमुख रत्न माणिक्य, नीलम, मूंगा, पुखराज, हीरा, मोती, गोमेद, पन्ना और लहसुनिया हैं। इन रत्नों को धारण करने से ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम किया जा सकता है। ऐसे में हम बात करने जा रहे हैं मूंगा रत्न के बारे में, जिसका संबंध मंगल ग्रह से माना जाता है। लेकिन क्या आपको पता है मूंगा रत्न को बिना कुंडली के विश्लेषण के नहीं धारण करना चाहिए। क्योंकि अगर आप मूंगा को शौक- शौक में धारण कर लेत हैं, तो आपको लाभ की जगह हानि हो सकती है। आइए जानते हैं मूंगा किन राशि वालों को धारण करने से बचना चाहिए...

जानिए कैसा होता है मूंगा

मूंगा रत्न लाल, सिंदूरी, गेरुआ, सफेद और काले रंग का होता है। मूंगा रत्न पहनने से मंगल ग्रह मजबूत होता है। मूंगा को अंग्रेजी में कोरल कहते हैं। आपको बता दें कि मूंगा समुद्र की गहराइयों में पाया जाता है और यह एक तरह की लकड़ी होती है।

इन राशि के लोगों को नहीं पहनना चाहिए मूंगा

मूंगा रत्न मकर और कुंभ राशि के जातकों को नहीं धारण करना चाहिए। क्योंकि इन राशियों पर जिन ग्रहों का आधिपत्य है, उनका मंगल ग्रह से शत्रुता का भाव है। इसलिए अगर आप मूंगा पहनते हैं तो क्रोध की अधिकता रह सकती है। साथ ही दुर्घटना हो सकती है। वहीं जीवनसाथी के साथ तनाव रह सकता है। साथ ही वहीं मूंगा के साथ गोमेद भी नहीं धारण करना चाहिए। क्योंकि राहु और मंगल ग्रह में शत्रुता का भाव है।

कुंडली में हो ये स्थिति तो भी धारण नहीं करें मूंगा

वहीं अगर मंगल ग्रह जन्मकुंडली में नीच के विराजमान हो तो भी मूंगा नहीं धारण करना चाहिए। साथ ही अगर मंगल शनि देव के साथ स्थित हो तो भी मूंगा पहनने से बचना चाहिए। वहीं वृष लग्न वालों के लिये मंगल सातवें और बारहवें भाव का स्वामी होता है, यानी सप्तमेश होता है और सप्तमेश मारकेश माना जाता है। इसलिए मूंगा आपके लिये मारक है इसलिए आप लोगों को भी मूंगा पहनने से बचना चाहिए। वहीं अगर मंगल ग्रह कुंडली में उच्च के स्थित हैं तो मूंगा पहन सकते हैं।

भूलकर भी बिना पैसों के दान में ना लें

ना ही दें ये 5 वस्तुएं, छिन सकती है सुख-समृद्धि, हो सकते हैं कंगाल

कई बार हम जाने-अनजाने में कोई ऐसे काम कर देते हैं, जिसका खामियाजा हमें लंबे समय तक भुगतना पड़ता है। उन्हीं में से कुछ वस्तुएं ऐसी हैं, जिन्हें हम किसी को दे देते हैं या उनसे ले लेते हैं। इसका नकारात्मक असर हमारे जीवन पर प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है। वास्तु शास्त्र में ऐसी चीजों के बारे में बताया गया है कि इन्हें भूल कर भी बिना पैसे के ना तो लेना चाहिए, ना ही देना चाहिए।

दही- वास्तु शास्त्र के अनुसार, दही भी एक ऐसा पदार्थ है जिसे किसी से बिना पैसे के ना तो लेना चाहिए या नहीं देना चाहिए। अक्सर दही जमाने के लिए हम अपने पड़ोसी से थोड़ा सा दही उधार ले आते हैं और उसी से घर में दही जमाते हैं। परंतु ऐसा करने से घर में तनाव और अशांति का माहौल बनने लगता है, पैसों की बर्बादी शुरू हो जाती है। इसलिए भूलकर भी किसी को बिना पैसों के दही ना तो लेना चाहिए नहीं देना चाहिए।

काला तिल- वास्तु शास्त्र में उल्लेखित है कि बिना पैसों के ना तो किसी को काला तिल देना चाहिए और ना ही किसी से लेना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार काले तिल का संबंध राहु केतु के साथ-साथ शनि ग्रह से भी माना गया है। यदि कोई व्यक्ति बिना पैसे के काला तिल लेट या देता है, तो उसे अपने जीवन में अनावश्यक खर्चों को झेलना पड़ता है, पैसों की बर्बादी शुरू हो जाती है। ऐसा शनिवार के दिन तो कतई नहीं करना चाहिए

नमक- जब कभी घर में नमक खत्म हो जाता है तो कई लोग पड़ोसी या रिश्तेदारों से मांग लेते हैं, परंतु ऐसा नहीं करना चाहिए। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि यदि आपके घर में नमक खत्म हो जाए तो भूल कर भी इसे बिना पैसे के किसी भी व्यक्ति को ना तो देना चाहिए और ना ही किसी से लेना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र में शनि देव के साथ नमक का संबंध बताया गया है यदि नमक का दान किया जाता है तो इससे शनि देव नाराज हो सकते हैं। बिना पैसे के नमक का लेनदेन करना रोग और दोष को आमंत्रित करता है। ऐसा करने से मनुष्य कर्ज में भी डूब सकता है।

रुमाल- वास्तु शास्त्र के अनुसार, रुमाल भी किसी व्यक्ति से बिना पैसों के ना तो लेना चाहिए ना ही देना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से घर में लड़ाई झगड़े बढ़ जाते हैं और जीवन में अनेक तरह की परेशानियां आने लगती है। इसके अलावा रुमाल किसी को उपहार में भी नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से उस रिश्ते में दूरियां बढ़ाना तय है।

माचिस- वास्तु शास्त्र के अनुसार, माचिस भी किसी से बिना पैसे के ना तो लेना चाहिए और ना ही देना चाहिए। क्योंकि माचिस का संबंध सीधे तौर पर अग्नि से माना जाता है। ऐसा करने से पिरजनों में गुस्सा को विवाद बढ़ सकता है। घर की शांति भंग हो सकती है। इसके अलावा अन्य तरह की परेशानियां भी आ सकती हैं।

स्फटिक रत्न से बना है नागौर का यह खास शिवलिंग, विशेष पूजा करने पर बरसती है भोले बाबा की कृपा

हम आपको नागौर के एक ऐसे विशेष शिवलिंग और मंदिर के बारे मे बताने जा रहे है जो बर्फ के शिवलिंग के नाम से जाना जाता है। दरअसल यहां पर बना शिवलिंग स्फटिक रत्न का बना हुआ है। दरअसल स्फटिक रत्न यानि की हजारों वर्षो तक बर्फ का नीचला हिस्सा जो पत्थर का रुप ले लेता है उसे स्फटिक रत्न कहते है। यहां स्टफीक रत्न से ही भूतनाथ मंदिर का शिवलिंग बना हुआ है। मंदिर के पुजारी प्रवीण दाधिच बताते है कि मंदिर का निर्माण 2012 में हुआ। यहां पर पहले कंटीली झाड़िया और पेड़-पौधे थे। यहां से लोगो को गुजरने में डर लगता था जिसके कारण यहां पर भगवान शिव के मंदिर की स्थापना कर दी। इसी कारण से इस मंदिर को भूतनाथ मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। पुजारी प्रवीण दाधिच बताते है कि स्टफिक रत्न के दर्शनमात्र से हजारों अभिषेक जितना दर्शन मिलता है। स्टफिक को माता लक्ष्मी का स्वरुप भी माना जाता है। शिवपुराण मे भगवान शिव ने ज्योति अर्थात प्रकाश के रुप मे सच्चे भक्तों के लिए स्वयं को स्टफिक रुप मे प्रकट माना है। जिसे ज्योतिर्लिंगों के रुप मे माना गया है। यहां तक भी माना जाता है भगवान शिव तथा देवी पार्वती इस पत्थर मे निवास करते है।

सपने में रोना शुभ होता है या अशुभ और जानिए एग्जाम छूटने का क्या होता है मतलब

स्वप्न शास्त्र अनुसार हर सपने का एक खास अर्थ होता है। साथ ही व्यक्ति जो सपना देखता है उसका असल जिंदगी में कही न कही मतलब होता है। वहीं ये जरूरी नहीं है कि जो आपने जो सपना देखा हो उसका असल जिंदगी में भी वो ही मतलब हो। ऐसे में यहां हम बात करने जा रहे हैं कि सपने में अगर आप खुद को रोते हुए देखते हैं तो इसका क्या मतलब होता है। साथ ही सपने में अगर आपका एग्जाम छूट जाता है तो आने वाले दिनों में क्या प्रभाव पड़ेगा।

सपने में खुद को रोते हुए देखना

स्वप्न शास्त्र अनुसार सपने में अगर आप खुद को रोते हुए देखते हैं तो यह एक बेहद शुभ संकेत है इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में आपके मान- सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होने वाली है। साथ ही आपको कोई अवार्ड मिल सकता है। आपकी कोई योजना सफल हो सकती है। साथ ही आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है।

सपने में किसी दूसरे को रोते हुए देखना

सपने में अगर आप किसी दूसरे को रोते हुए देखते हैं तो यह एक अशुभ संकेत है। साथ ही इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में आपके करीबियों को परेशानियां घेर सकती हैं। साथ ही आपको कोई अशुभ सूचना मिल सकती है। वहीं आपको धन की हानि हो सकती है।

किसी दूसरे व्यक्ति के साथ खुद को रोता देखना

स्वप्न शास्त्र अनुसार अगर कोई व्यक्ति सपने में किसी दूसरे व्यक्ति के साथ स्वयं को रोता हुआ देखता है, तो ये एक शुभ संकेत हो सकता है। शास्त्रों के अनुसार, इसका अर्थ है कि आपको धनलाभ हो सकता है। साथ ही आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है। वहीं आपको कोई मनोरथ पूर्ण हो सकता है।

परीक्षा छूटने का सपना देखना

अगर आप सपने में परीक्षा छूटने का सपना देखते हैं तो यह एक बेहद अशुभ संकेत है। इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। साथ ही परीक्षा पास करने और परीक्षा में प्रथम आने का सपना देखना अच्छी किस्मत का सूचक माना जाता है। वहीं परीक्षा में पूर्ण अंक आना शुभ माना जाता है। इसका मतलब है कि आपकी आने वाले दिनों में लोकप्रियता बढ़ने वाली है।

तारा सुतारिया को मिली 'बड़ी सीख'

वर्ष 2019 में फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बतौर हीरोइन अपना फिल्मी करियर शुरू करने वाली तारा सुतारिया ने अब तक के करियर में 'मरजावां', 'तड़प', 'हीरोपंती 3' से लेकर 'एक विलेन रिटर्न्स' तक कुल 5 फिल्मों में काम किया है।

हालांकि, कैमरे का सामना करने का उसका अनुभव इससे कहीं लम्बा है। दरअसल, फिल्मों से पहले उसने बतौर बाल कलाकार टी.वी. सीरियल्स में काम किया था। यही नहीं, तारा ने बतौर सिंगर ऋतिक रोशन की फिल्म 'गुजारिश', आमिर खान की फिल्म 'तारे जमीन पर' में गाने भी गाए हैं।

मनोरंजन जगत में अपनी अब तक की यात्रा पर वह कहती है, ₹यह एक बहुत दिलचस्प यात्रा रही है, अब 5-6 साल हो गए हैं लेकिन बहुत कुछ सीखना बाकी है। बहुत से उतार- चढ़ाव रहे हैं लेकिन मैं आभारी हूं कि चढ़ाव मेरे करियर में उतार से अधिक रहे हैं।

वह कहती है कि उसके लिए उतार-चढ़ाव का सामना करना आसान नहीं। उसने कहा, मैं एक बहुत संवेदनशील इंसान हूं इसलिए यह आसान नहीं। जब चीजें व्यक्तिगत हो जाती हैं तो मैं ज्यादा प्रभावित होती हूं। मुझे लगता है कि जब आप किसी के साथ संबंध बनाते हैं, भले ही वह काम से संबंधित ही क्यों न हो, मैं उन लोगों से बहुत आसानी से जुड़ जाती हूं, जो मेरे लिए कुछ मायने रखते हैं।

करियर में की गलतियों पर उसका कहना था, मुझे लगता है कि मैंने अपनी अंतरात्मा और अंतर्ज्ञान से जो विकल्प चुने हैं, वे मेरे लिए सही हैं। मुझे लगता है कि किसी स्तर पर मैं शायद अपने मन के विरुद्ध गई हूं। आप जानते होंगे कि जब आप युवा होते हैं तो आपको बहुत से लोग, शुभचिंतक और अच्छे इरादे वाले लोग सलाह देते हैं और कभी-कभी आप उनकी राय से सहमत नहीं होते लेकिन सामने वाले की बात पर भरोसा करते हैं और फैसले पर आगे बढ़ते हैं। यही वह सीख है जो मुझे मिली है। कोई काम बुनियादी स्तर पर ही मुझे अच्छा नहीं महसूस हो रहा है तो आगे चल कर भी वह सही नहीं होगा।

इंडस्ट्री में होने चाहिएं और बदलाव

क्या उसे लगता है कि आज अभिनेत्रियां अधिक अच्छी स्थिति में हैं, पर उसने कहा, ₹मुझे लगता है कि समय थोड़ा बदल गया है लेकिन सिनेमा में महिलाओं के लिए और भी कई बदलाव लाने की जरूरत है। मुझे लगता है कि समान वेतन एक ऐसी चीज है जिसके बारे में हमें वास्तव में और अधिक चर्चा करने की जरूरत है।

यह काफी नहीं है कि केवल एक या दो अभिनेत्रियां इसके बारे में बोलती हैं क्योंकि यह बहुत ही बड़ा मुद्दा है और मुझे लगता है कि जो कुछ भी बुरा व अनुचित है, । उसके बारे में चर्चा की जानी चाहिए।

कहा तो बहुत जाता है कि महिला-पुरुष बराबर हैं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि अक्सर पुरुषों को ज्यादा महत्व मिलता है। अभिनेत्रियों के लिए ऐसे शब्द इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें उनके हुनर का जिक्र नहीं होता, बस खूबसूरती का बखान किया जाता है। फिल्मों के जरिए हम इस सोच को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

जब आप युवा होते हैं तो आपको बहुत से लोग, शुभचिंतक और अच्छे इरादे वाले लोग सलाह देते हैं और कभी-कभी आप उनकी राय से सहमत नहीं होते लेकिन सामने वाले की बात पर भरोसा करते हैं और फैसले पर आगे बढ़ते हैं।

डीडीएलजे रीमेक के लिए परफेक्ट हैं आर्यन और नीसा : कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा

शाहरुख खान स्टारर मल्टीस्टारर फिल्म 'जवान' की कास्टिंग बॉलीवुड के मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब मुकेश से पूछा गया कि जवान की कास्टिंग के दौरान शाहरुख ने क्या इनपुट्स दिए थे? तो उन्होंने कहा कि शाहरुख कभी भी डायरेक्टर के विजन में दखल नहीं करते। इसके अलावा मुकेश ने कहा कि शाहरुख और काजोल की सुपरहिट फिल्म डीडीएलजे के रीमक के लिए उनके बच्चे आर्यन और नीसा ही परफेक्ट कास्टिंग हैं।

डायरेक्टर को देते हैं किंग जैसा फील

मुकेश ने कहा, 'भले ही शाहरुख इस फिल्म के प्रोड्यूसर थे पर उन्होंने कास्टिंग में कभी कोई दखलंदाजी नहीं की। शाहरुख कभी भी डायरेक्टर के विजन में भी दखल नहीं करते। वो डायरेक्टर को अपने फैसले खुद लेने देते हैं। वो अपने साथ काम करने वाले डायरेक्टर को एकदम किंग जैसा फील करवाते हैं।'

डीडीएलजे रीमेक के लिए आर्यन और नीसा परफेक्ट

वहीं जब मुकेश से पूछा गया कि 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' डीडीएलजे के रीमेक के लिए वो किसे कास्ट करना चाहेंगे तो उन्होंने कहा, 'आर्यन बहुत चार्मिंग है। वो कमाल का एक्टर भी है। रीमेक में शाहरुख की जगह ले सकता है। वहीं काजोल का रोल खुद उनकी बेटी नीसा देवगन प्ले कर सकती हैं। वो बेहद खूबसूरत हैं और एक्टिंग करने के लिए तैयार हो रही हैं।' इसी इंटरव्यू में मुकेश ने बताया कि अगर लोगों को लगता है कि 'जवान' मशहूर वेब सीरीज 'मनी हाइस्ट' की रीमेक है तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे देखकर आप बोलेंगे.. क्या तो देख लिया है।

अदा शर्मा ने खरीदा सुशांत का खाली पड़ा फ्लैट!

बोलीं- जल्द सबको मीठा खिलाऊंगी; हिस्ट्री जानकर फ्लैट लेने से डरते थे लोग

एक्ट्रेस अदा शर्मा ने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का फ्लैट खरीद लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अदा जल्द ही उसमें शिफ्ट हो जाएंगी। एक्ट्रेस ने इस पर रिएक्शन भी दिया है। अदा ने कहा कि वे जब भी इसे फाइनलाइज करेंगी, सबसे पहले मीडिया को इसकी खबर देंगी।

अदा से पूछा गया कि क्या उन्होंने सुशांत का फ्लैट खरीदा है। जवाब में उन्होंने कुछ क्लियर जवाब नहीं दिया, लेकिन इतना जरूर कहा कि ऐसा कुछ भी होता है, तो वो सबका मुंह जरूर मीठा कराएंगी। हालांकि अदा की इस बात से साफ होता है कि उन्होंने यह डील पक्की कर ली है।

अदा की टीम ने किया कन्फर्म, कब शिफ्ट होंगी इसकी जानकारी नहीं

अदा शर्मा की फिल्म द केरला स्टोरी इस साल की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्मों में से एक रही। फिल्म ने तकरीबन 250 करोड़ रुपए का डोमेस्टिक कलेक्शन किया था। इस फिल्म में अदा के काम की काफी तारीफ की गई। अब वे सुशांत के फ्लैट को खरीदने को लेकर सुर्खियों में हैं। खबर आई है कि अदा ने सुशांत का बांद्रा वेस्ट वाला घर खरीद लिया है। निधन के पहले तक सुशांत इसी फ्लैट में रहते थे। उन्होंने खबर की पुष्टि के लिए अदा की टीम से संपर्क किया। अदा की टीम का कहना है कि यह खबर सच है। हालांकि एक्ट्रेस वहां शिफ्ट कब होंगी, इसकी कोई जानकारी नहीं है।

सुशांत के फ्लैट के लिए किराएदार नहीं मिल रहे थे

सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से ही उनका फ्लैट खाली

पड़ा हुआ था। कोई भी किराएदार उस फ्लैट को लेने के लिए तैयार नहीं है। लोगों को जब पता चलता है कि इस फ्लैट पर सुशांत ने सुसाइड किया था तो रेंट पर लेना तो दूर, कोई घर को देखने तक नहीं आता। मुंबई बेस्ड एक प्रॉपर्टी ब्रोकर रफीक मर्चेंट ने कुछ महीने पहले सुशांत के फ्लैट के कुछ वीडियोज और फोटोज शेयर किए थे।

रफीक ने इसके साथ एक कैप्शन भी लिखा था- 'इस फ्लैट को लेने वाला कोई किराएदार नहीं मिल रहा है। जब भी इसे कोई लेना चाहता है, तो इस फ्लैट की हिस्ट्री जानते ही मना कर देता है। लोग इस फ्लैट को लेने में डरते हैं।'

सुशांत इस फ्लैट के लिए 4.51 लाख खर्च करते थे

14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत ने अपने इसी फ्लैट में सुसाइड कर लिया था। सुशांत की डेथ के बाद से ये घर खाली पड़ा है। समन्दर किनारे अपार्टमेंट के इस फ्लैट में चार बड़े रूम हैं। इसमें एक बड़ा हॉल और एक ड्राइंग रूम है। सुशांत इस फ्लैट का हर महीने 4.51 लाख किराया देते थे।

तमन्ना के जिंदगी में आने से बदली सोच

किसी एक्ट्रेस को डेट नहीं करना चाहते थे विजय वर्मा : बोले- इंडस्ट्री के लोगों से नाराज था

विजय वर्मा ने हाल ही में एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर बात की। विजय ने बताया कि जब उन्होंने शुरुआत की थी तो उन्होंने सोचा था कि वह कभी किसी एक्ट्रेस या इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को डेट नहीं करेंगे। क्योंकि वह उस वक्त इंडस्ट्री से काफी नाराज थे। हालांकि, एक्टर ने कहा कि तमन्ना को देखने के बाद से उनका नजरिया काफी बदल गया है।

फिल्म कंपेनियन को दिए इंटरव्यू में विजय ने कहा- जब मैंने इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब मैंने सोचा था कि मैं कभी किसी एक्ट्रेस या इंडस्ट्री से जुड़े किसी शख्स को डेन नहीं करूंगा। ऐसा इसलिए था क्योंकि शायद मैं इंडस्ट्री से बहुत नाराज था। विजय ने आगे कहा- 'जब हमने एक-दूसरे को जानना शुरू किया, तो मुझे महसूस हुआ कि किसी ऐसे शख्स का आपकी जिंदगी में होना बहुत जरूरी है, जो आपका काम जानता होगा। जो आपके प्रोफेशन को जानता हो, जो आर्टिस्टिक, क्रिएटिव, लॉजिकल और प्रोफेशनल है। एक ऐसा शख्स जो फिल्म मेकिंग की प्रोसेस को समझता हो।'

उनके काम, एक्सपीरियंस और अच्छी समझ से बहुत मदद मिलती है: विजय

विजय ने बताया कि तमन्ना की मौजूदगी के बाद उनका नजरिया कैसे बदल गया है और इससे उन्हें काफी मदद भी मिलती है । उन्होंने कहा- उनका एक्सपीरियंस, अच्छा काम और अच्छी समझ से वाकई मुझे बहुत मदद मिलती है। कई चीजों में उनका नजरिया बहुत अलग है। कभी-कभी मैं कई चीजों को लेकर परेशान होता हूं, कुछ बातों को लेकर सोचता रहता हूं। ऐसे में वो चीजों को लेकर मेरा नजरिया बनाती हैं, जिससे मुझे मदद मिलती है।

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। करीब 2 महीने पहले एक इंटरव्यू में विजय ने अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात भी की थी। उन्होंने कहा कि वो तमन्ना के साथ सिर्फ खुश नहीं हैं, बल्कि उनसे पागलों की तरह प्यार करते हैं। तमन्ना और विजय हाल ही में 'लस्ट स्टोरीज 2' में एक साथ नजर आए थे। उनकी मुलाकात भी शूटिंग के सेट पर हुई थी। विजय और तमन्ना अक्सर अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात करते हैं। दोनों एक-दूसरे के काम की तारीफ भी करते हैं।

गोवा में किस करते फोटो वायरल हुआ था

तमन्ना और विजय की रिलेशनशिप की खबरें सबसे पहले तब उड़ीं जब दोनों की एक फोटो वायरल हुई। ये फोटो न्यू ईयर के मौके पर ली गई थी। फोटो में दोनों एक दूसरे को किस करते नजर आए थे। उसके बाद दोनों कई पार्टीज और इवेंट्स में साथ देखे गए। दोनों को कई बार एक ही कार में लंच और डिनर के लिए निकलते भी देखा गया गया था।

धीरे-धीरे बाहर निकलती गई 'मैं डर से' : तृप्ति डिमरी

'लैला मजनू', 'बुलबुल' और 'कला' जैसी फिल्मों के साथ तृप्ति डिमरी ने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई है। करियर की शुरुआत में ही तृप्ति अपनी फिल्मों के चुनाव को लेकर काफी सतर्क दिखती। है।

अभी तक के अभिनय सफर पर तृप्ति कहती है, मैं बहुत संतुष्ट हूं और बहुत लक्की फील करती हूं कि मुझे जिस तरह का काम करना था, वह मुझे मिल रहा है। मुझे जो चीजें सीखनी थीं, वे मैं सीख रही हूं। सही लोग मिल रहे हैं, जो मुझे आगे बढ़ते देखना चाहते हैं, जो मेरे साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। खासकर इसीलिए भी, क्योंकि यह अभी मेरी शुरुआत है। शुरुआत में ही यदि आपको अच्छा काम करने को मिल जाए तो काफी मोटिवेशन मिलता है। अच्छे लोग मिल जाएं तो एक बहुत बड़ा तनाव खत्म हो जाता है। बाकी हिट, फ्लॉप तो करियर का हिस्सा हैं, वे तो होंगे ही।

क्या वह हमेशा से अभिनेत्री ही बनना चाहती थी, पर उसने कहा, मैं पढ़ने में कभी अच्छी नहीं थी, तो मुझे पता था कि मुझे कुछ और करना है, लेकिन यह नहीं सोचा था कि क्या करना है। धीरे-धीरे मेरे लिए रास्ता खुद ही बनता गया। मेरे भाई का दोस्त है, जो फोटोग्राफर है, उसने एक दिन यूं ही कहा कि टेस्ट शूट करते हैं तो हमने वह किया। उसने ही मेरी तस्वीरें कहीं भेजीं। फिर वहां से मुझे प्रिंट शूट्स मिलने शुरू हुए। वहां से उन्होंने तस्वीरें कहीं और भेजीं, फिर ऑडिशन के कॉल आने शुरू हुए। तो शुरुआत ऐसे हुई। समय के साथ मुझे अभिनय से प्यार हो गया और फिर मैंने महसूस किया कि मैं यही तो करना चाहती हूं।

'शुरुआत थोड़ी मुश्किल थी। 'लैला मजनू' की रिलीज के बाद भी थोड़ा संघर्ष था। दो साल तक कोई काम नहीं मिला था। कुछ दिन ऐसे होते थे, जब सोचती थी कि अब आगे क्या , कैसे करना है लेकिन आइडिया नहीं था। मेरे अंदर काफी सवाल थे क्योंकि मैं भी समझने की कोशिश कर रही थी कि मुझे अपने करियर से क्या चाहिए। उस वक्त वह स्पष्टता नहीं थी। उस वक्त इंडस्ट्री नई थी मेरे लिए, लोगों को नहीं जानती थी लेकिन धीरे-धीरे मैं उस डर से बाहर निकलती गई।

'स्मार्टफोन असैम्बलिंग' एक बेहतर करियर आप्शन

आज के दौर में स्मार्टफोन असेंबल करना एक ऐसा हुनर है जिसे सीखकर चाहे कहीं नौकरी कर लें या स्वरोजगार शुरू कर दूसरों को नौकरी दें। मोबाइल अब रोजगार के नए-नए अवसरों का जरिया भी बन गया है, मोबाइल असेंबल करना भी इन्हीं में से एक है, जिसे आप सफल स्वरोजगार के रूप में अपना सकते हैं।

वैसे तो आप इस काम को मोबाइल असेंबल मैकेनिक रख के कर सकते हैं, मगर सफल स्वरोजगार के लिए आप स्वयं प्रशिक्षण लें तो बेहतर होगा। दिल्ली और बड़े महानगरों में ही नहीं, अब देश के हर शहर और कस्बे में मोबाइल असैंबलर्स की जरूरत है। साथ ही स्मार्टफोन असेंबलिंग सिखाने वाले इंस्टीच्यूट भी देश में काफी संख्या में मौजूद हैं, जहां कोर्स करके आप आसानी से इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

मोबाइल असेंबलिंग एक ऐसा काम है, जो कम से कम खर्चे पर स्वरोजगार स्थापित करने में मदद तो करता ही है, साथ ही अच्छी कमाई का जरिया भी बन जाता है। इस स्वरोजगार को कैसे अपनाया जा सकता है, आइए जानते हैं इसके बारे में :

कोर्स : मोबाइल असेंबलर बनने के लिए आपको सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान से कोर्स करना पड़ेगा। वैसे तो मोबाइल असेंबलिंग में अभी तक कोई डिग्री कोर्स नहीं है, लेकिन आप किसी भी संस्थान से डिप्लोमा और सर्टीफिकेट कोर्स आसानी से कर सकते हैं।

योग्यता : मोबाइल असैंबलर का कोर्स करने के लिए 10वीं या 12वीं पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। आपको अंग्रेजी का ज्ञान है तो बेहतर होगा। कुछ संस्थानों में 12वीं पास अभ्यर्थियों को ही प्रवेश दिया जाता है।

फीस : अलग-अलग संस्थानों में फीस अलग-अलग है, लेकिन औसत फीस 10 से 15 हजार रुपए है, जिसमें कुछ संस्थान टूल किट भी उपलब्ध कराते हैं। सरकारी संस्थानों में फीस कम है। स्वरोजगार समिति में 1000 रुपए फीस है। यह सरकारी संस्थान है, जो एक महीने का सर्टीफिकेट कोर्स कराता है। इसके लिए आपको कम से कम 2 साल का दिल्ली का रैजीडेंस प्रूफ देना पड़ेगा।

ध्यान देने योग्य : यह काफी बारीकी वाला काम है, इसलिए बहुत ध्यान से काम करने की जरूरत होती है। पार्ट्स की जानकारी के साथ आपको कम्प्यूटर की जितनी अच्छी नॉलेज होगी, आप उतने ही सफल असैंबलर मैकेनिक होंगे। मार्केट में आने वाले स्मार्टफोन्स की जानकारी के साथ उसकी कार्यप्रणाली की जानकारी से जितने अपडेट होंगे, आप उतनी ही तरक्की कर सकेंगे। जगह का चुनाव जितनी समझदारी से करेंगे, उतना बेहतर होगा ग्राहकों का विश्वास जीतने के लिए मुनासिब दामों में बेहतर सर्विस भी आपके व्यवसाय की तरक्की का कारण बनेगी। यह विद्युत संबंधी काम हैं, अतः आपको हमेशा सचेत रहना होगा।

आवश्यक औजार मोबाइल असेंबल करने के लिए आपको एम.एस.डी., डिजिटल मीटर और कम्प्यूटर की जरूरत होगी। यह सामान आपको दिल्ली की गफ्फार मार्केट व लाजपत नगर के अलावा मुंबई, चेन्नई, भोपाल व अन्य कई शहरों में आसानी से उपलब्ध हो जाएगा।

जगह का चुनाव : स्मार्टफोन असैंबलिंग का काम शुरू करने के लिए पहली प्राथमिकता है जगह का चुनाव, क्योंकि जितनी भीड़भाड़ वाली जगह यानी घनी मार्केट होगी, आपका काम उतना ही अच्छा चलेगा। इसके साथ ही लाइट की व्यवस्था और ग्राहकों के आने-जाने में आसानी वाली जगह का ही चुनाव करना चाहिए। फायदे : यदि आप अच्छे से किसी बात को कैच करते हैं और जल्द ही किसी चीज को समझ जाते हैं तो यह काम कम समय की मेहनत से परिणाम देने वाला साबित हो सकता है।

सुबह की शुरुआत हो खुशियों से भरी

हर सुबह जब आप उठें तो आपकी आंखों में जिंदगी की नई रोशनी हो, नई खुशी की ऊर्जा से आपकी बांहें फड़क रही हों। आपने किसी दूल्हे को जरूर देखा होगा। सजा-संवरा, नए कपड़े पहने, बना-ठना, अपना सर्वश्रेष्ठ श्रृंगार किए।

आंखों में अनगिनत सपने। चाहता है कि बिना किसी विघ्न-बाधा के और बिना कोई गलती किए ससुराल की चौखट पर पहुंच जाऊं और सभी परम्पराओं को निभाता हुआ अपनी दुल्हनियां को पा लूं।

ऐसे दूल्हे को देख कर आपके मन में क्या आता है ? हो सकता है, आपने कुछ विशेष न सोचा हो, लेकिन मैं जब भी किसी दूल्हे को घोड़ी पर सवार होकर जाते देखता हूं तो मन में एक ही कल्पना, एक ही इच्छा और एक ख्वाब अंगड़ाइयां लेने लगता है।

मैं चाहता हूं कि संसार का हर इंसान हर दिन एक दूल्हा बने । उसका लक्ष्य उसकी दुल्हन बन

जाए। कार्यस्थल ससुराल बन जाए। वह अपनी दुल्हन, यानी लक्ष्य को पाने के लिए के बेताब हो जाए। वह सज-संवरकर अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में अपनी ससुराल यानी कार्यस्थल की ओर रवाना हो ।

साथ, जो जीवन में सुख-समृद्धि, जीवन भर का सहयोग लेकर आए। वह मिले तो जिंदगी का आनंद बढ़ जाए, प्रेम मिले, सुख मिले, सहारा मिले।

जरा विचार करके देखिए, अगर ऐसा होने लगे तो यह दुनिया कितनी खूबसूरत हो जाए । स्वर्ग धरती पर उतर आए। खुशियां ही खुशियां हों । सुख ही सुख हो । अपने लक्ष्य के बारे में हर इंसान की यह सोच हो- 'मैं दूल्हा, वो मेरी दुल्हनियां ।' लेकिन होता क्या है ? सुबह हो जाती है, और इंसान उठना ही नहीं चाहता । लक्ष्य या तो है ही नहीं, अगर है तो उसके प्रति कोई आकर्षण नहीं है। बस ड्यूटी पर जाना है, जैसे काम को ढोना पड़ रहा है।

जैसे-तैसे उठे दबाव में तैयार हुए, जो मिला पहन लिया, शेव बनाई तो बनाई, नहीं बनाई तो देवदास बनकर आफिस पहुंच गए, जैसे किसी मातम से आ रहे हों। काम करने का मन नहीं है, लेकिन काम करना पड़ेगा। अपना लक्ष्य तो है नहीं, बॉस ने लक्ष्य दे दिया, उसे पूरा करना पड़ेगा ।

मैं कहता हूं जब तक कार्यस्थल ससुराल नहीं बनेगा, आप दूल्हे नहीं बनेंगे और आपका लक्ष्य पूरी दिनचर्या को निभाते हुए, सभी परम्पराओं आपकी दुल्हन नहीं बनेगा, न काम दिल से होगा का वहन करते हुए वह अपनी दुल्हन को पाने के न दिमाग से । उसे बस ढोना पड़ेगा। तुम दूल्हे प्रयासों में जुट जाए। ध्यान रखें कि दुल्हन मिले, बन जाओ, ससुराल पहुंच जाओ, दुल्हनियां लेकिन लड़ाई-झगड़ों के साथ नहीं, खुशियों के तुम्हारी हुई।

सीखिए काम 'बांटना'

कोई भी व्यक्ति सारे काम यह नहीं चाहते कि दूसरे भी नहीं कर सकता। तरक्की वही तरक्की करें, उनके जूनियर्स लोग करते हैं, जो दूसरों से भी आगे बढ़ें। काम लेने की कला जानते हैं। इसके अलावा वे अपने संस्थान में अपने जूनियर्स के बारे में सब पता लगाते हैं तथा जिनकी जैसी योग्यता होती है, उनसे वैसा काम करवा के खुद महत्वपूर्ण काम करने के लिए फ्री हो जाते हैं।

कई लोगों को यह गलतफहमी होती होती है कि जैसे वे काम कर सकते हैं, दूसरा नहीं कर सकेगा, या कि उन्हें काम की ज्यादा समझ है। वे यह भी सोचते हैं कि अगर उन्होंने यह काम दूसरों से लिया तो वे इसकी बारीकियां सीख जाएंगे तथा उन्हीं के विरोधी बन बैठेंगे। इसका साफ-साफ मतलब यह होता है कि वे अपनी तरक्की तो चाहते हैं, लेकिन जबकि सच्चाई यह है कि एक बॉस की सफलता इस बात पर ही निर्भर करती है कि उसने अपने जूनियर्स को कितना आगे बढ़ाया। अगर लम्बा समय बीत जाने के बावजूद आपके जूनियर्स वहीं के वहीं हैं तो समझिए कि आप बेकार बॉस हैं । आप अ प न जूनियर्स को साफ कह दें कि जो आगे नहीं बढ़ना चाहता, वह आपके लिए किसी काम का नहीं है। एच. आर. डिपार्टमैंट हर वर्ष रिपोर्ट देता है कि कम्पनी के किस कर्मचारी ने कितनी तरक्की की, किस कर्मचारी को प्रमोट किया जा सकता है। एच. आर. डिपार्टमैंट की रिपोर्ट पर ही पूरी कम्पनी टिकी होती है।

सरकारी नौकरी

कॉन्स्टेबल, जेल वार्डन और फायरमैन के पदों पर निकली वैकेंसी : 10वीं पास उम्मीदवार 17 सितंबर तक करें अप्लाई, 67,100 तक मिलेगी सैलरी

सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। तमिलनाडु यूनिफॉर्मेड स्टाफ रिक्रूटमेंट बोर्ड ने कॉन्स्टेबल, जेल वार्डन और फायरमैन के 3359 पदों पर बंपर वैकेंसी निकली है। जिसके लिए उम्मीदवार 17 सितंबर तक स्टाफ रिक्रूटमेंट बोर्ड की ऑफिशल वेबसाइट tnusrb.tn.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे। उम्मीदवारों का सिलेक्शन रिटन टेस्ट के साथ फिजिकल टेस्ट के आधार पर किया जाएगा।

वैकेंसी डिटेल्स

कॉन्स्टेबल, जेल वार्डन और फायरमैन के कुल 3359 पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें 2576 पुरुष उम्मीदवारों के लिए और 783 महिला उम्मीदवारों के आरक्षित है।

सैलरी

भर्ती में सिलेक्ट होने पर उम्मीदवार को हर महीने 18,200 से 67,100 रुपए तक सैलरी दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस

कॉन्स्टेबल, जेल वार्डन और फायरमैन भर्ती में रिटन टेस्ट और फिजिकल टेस्ट के बाद डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन होगा। जिसके आधार पर तय की गई मेरिट के आधार पर पोस्टिंग दी जाएगी।

फीस

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को 250 रुपए फीस के रूप में देने होंगे। जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और दिव्यांगजन को सरकारी नियम अनुसार छूट दी जाएगी।

योग्यता

कॉन्स्टेबल, जेल वार्डन और फायरमैन के 3350 से ज्यादा पदों पर निकली भर्ती के लिए 10वीं पास उम्मीदवार आवेदन कर सकते है।

आयु सीमा

कॉन्स्टेबल, जेल वार्डन और फायरमैन के पदों के लिए उम्मीदवार की उम्र न्यूनतम 18 साल और अधिकतम 26 साल रखी गई है। उम्मीदवारों की आयु की गणना 1 जुलाई 2023 को आधार पर की जाएगी। वहीं आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियम अनुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

ऐसे करें अप्लाई

TNUSRB की आधिकारिक वेबसाइट tnusrb.tn.gov.in पर जाएं। होमपेज पर कॉन्स्टेबल पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन लिंक पर क्लिक करें। रजिस्टर करें और आवेदन के साथ आगे बढ़ें।

आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें और आवेदन शुल्क का भुगतान करें।सबमिट पर क्लिक करें और पेज डाउनलोड करें।आगे की आवश्यकता के लिए इसकी एक हार्ड कॉपी अपने पास रखें।

रेगुलर स्टाइल साड़ी पहनकर बोर हो गई हैं, तो धोती-स्टाइल साडी के साथ ट्विस्ट करें

इसमें कोई दो राय नहीं कि विश्व के सभी परिधानों में साड़ी ही सबसे अधिक सुंदर, सौम्य एवं शालीन परिधान है। तभी तो विशेष पूजा या त्यौहारों में साड़ी सबसे अच्छा विकल्प मानी जाती है। हमारे देश में अलग-अलग राज्यों में साड़ी अलग अलग तरीकों से पहनी जाती है। आजकल धोती-स्टाइल साड़ी बहुत ज्यादा ट्रेंड में है। अगर आप रेगुलर स्टाइल साड़ी पहनकर बोर हो गई हैं, तो इस नए स्टाइल को ट्राई कर सकती हैं, जिससे अपनी पूरी लुक निखारने में आपको मदद मिल सकती है। तो चलिए जानते हैं ट्रैडिशनल साड़ी को धोती-स्टाइल के साथ कैसे देना है ट्विस्ट ।

कोली- स्टाइल धोती साड़ी

कोली जनजाति की महिलाएं साड़ी को धोती स्टाइल में पहनती हैं। इसमें साड़ी को 2 टुकड़ों में काटा जाता है, एक शरीर के निचले हिस्से के लिए और एक ऊपरी हिस्से को ढकने के लिए आमतौर पर वे नी गज की सूती साड़ी पहनती है, जो कि मराठी शैली की धोती के समान होती है।

धोती पैंट स्टाइल साड़ी

धोती पैंट स्टाइल साड़ी ड्रेपिंग पोती साड़ी की ही तरह है और इसमें एक तरफ पैंट दिखाई देती है। यह स्टाइल उन महिलाओं की पहली पसंद है, जो इंडो-वेस्टर्न लुक पसंद करती है। इसे धोती जीन्स पैंट और -शर्ट कॉलर वाले टैंक टॉप या डिजाइनर पैट और ब्लाऊज के साथ पहना जा सकता है। कह एक्ट्रैसेज पार्टियों में यह लुक दिखा चुकी हैं। आप धोती पैंट स्टाइल इस ऑनलाइन भी ऑर्डर कर सकती है।

धोती-स्टाइल साड़ी पहनने का तरीका

धोती-स्टाइल की साड़ी पहनने के लिए पेटीकोट की ज रू र त नहीं।

इसकी ब जा य ले गिं ग या फिर चू ड़ी दा र पा य जा मा पहनें।

सबसे पहले साड़ी को कमर के पा स ला क र गां ठ लगाएं

गांठ लगाते समय पूरी साड़ी का हिस्सा बाई तरफ रखें। फिर पीछे की ओर साड़ी को पैरों के बीच से लाते हुए आगे की और पिन की मदद से टक करें।

अब साड़ी के बाएं तरफ वाले हिस्से से प्लेट बनाएं और इसे पायजामे के सहारे पिन की मदद से टिका दें।

प्लीट्स (चुट) के बीच के हिस्से को पैरों के बीच से पीछे की ओर ले जाए और थोड़ी-सी प्लेट बनाकर उसे दिन की मदद से टिका दें। अब बचे हुए साड़ी के हिस्से से पहू बनकर तैयार करें।

पलू बनाने के लिए प्लीट्स को पहले तैयार कर लें। फिर बाए कंधे पर रखने के लिए उसे घुमाएं और थोड़ा ढीला छेड़ते हुए कंधे पर दिन की मदद से फिक्स कर दें। बस पहन ली है आपने बोती-स्टाइल साड़ी।

नौवारी साड़ी

नौवारी का मतलब होता है- नी गज की साड़ी, जो धोती- स्टाइल में पहनने के लिए जरूरी लंबाई है। यह महाराष्ट्रीयन महिलाओं के बीच बहुत फेमस है। फिल्मों में कई एक्ट्रैसेज नौवारी स्टाइल में साड़ी पहने नजर आ चुकी है। पारंपरिक नौवारी साड़ी बिना पेटीकोट के पहनी जाती है। आप अपने कंफर्ट और सहजता के हिसाब से मैटीरियल चुन सकती है।

कर्मचारी चयन आयोग में निकली वैकेंसी

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। कर्मचारी चयन आयोग ने वैकेंसी निकाली है। इसके तहत देशभर में जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर, जूनियर ट्रांसलेटर, सीनियर हिंदी ट्रांसलेटर समेत 307 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें शामिल होने के लिए उम्मीदवार कर्मचारी चयन आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट ssc.nic.in पर जाकर 12 सितंबर तक ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। इसके बाद रिटन टेस्ट के आधार पर उम्मीदवारों का सिलेक्शन किया जाएगा।

वैकेंसी डिटेल्स

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा निकाली गई भर्ती के तहत हिंदी अनुवादक, जूनियर अनुवादक और सीनियर हिंदी अनुवादक परीक्षा के जरिए 27 विभागों और मंत्रालयों पोस्टिंग दी जाएगी। इनमें सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स एंड कस्टम में सबसे ज्यादा 102 पद जबकि ऑल इंडिया रेडियो में 56 पदों पर भर्ती होगी। बता दें कि आयोग द्वारा कुल 307 पदों में से 157 अनारक्षित हैं, जबकि एससी के लिए 38, एसटी के लिए 14, ओबीसी के लिए 72 और ईडब्ल्यूएस के लिए 26 पद आरक्षित हैं।

कुल 307 पदों पर होगी भर्ती

जूनियर हिंदी ट्रांसलेटरः 21 पद

जूनियर ट्रांसलेटर ऑफिसरः 13 पद

जूनियर ट्रांसलेटरः 263 पद

सीनियर ट्रांसलेटरः 1 पद

सीनियर हिंदी ट्रांसलेटरः 9 पद

सैलरी

देशभर में निकली भर्ती के लिए सिलेक्ट होने पर उम्मीदवार को हर महीने 34 हजार 500 रुपए से लेकर एक लाख 42 हजार तक सैलरी दी जाएगी।

ऐसे होगा सिलेक्शन

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा निकाली गई वैकेंसी में उम्मीदवारों का सिलेक्शन रिटन टेस्ट के आधार पर किया जाएगा। इसमें सिलेक्ट होने वाले उम्मीदवार को मेडिकल टेस्ट के बाद मेरिट के आधार पर पोस्टिंग दी जाएगी।

एज लिमिट

भर्ती प्रक्रिया में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की उम्र 18 वर्ष से कम और 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। हालांकि आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

एप्लीकेशन फीस

कर्मचारी चयन आयोग में निकली भर्ती के लिए उम्मीदवार को 100 रुपए फीस देनी होगी। एसएससी-एसटी, पीडब्ल्यूडी, भूतपूर्व सैनिक, महिला वर्ग को फीस में छूट दी गई है।

योग्यता

कर्मचारी चयन आयोग में निकली भर्ती में आवेदन के लिए मुख्य या वैकल्पिक विषय के रूप में हिंदी या फिर अंग्रेजी के साथ स्नातकोत्तर डिग्री और हिंदी-अंग्रेजी ट्रांसलेशन में डिप्लोमा-सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर, जूनियर ट्रांसलेशन अधिकारी और जूनियर ट्रांसलेटर पद के लिए हिंदी-अंग्रेजी ट्रांसलेशन में 2 साल का कार्य अनुभव होना जरूरी है। सीनियर हिंदी ट्रांसलेटर और सीनियर ट्रांसलेटर पद के लिए केंद्र या राज्य सरकार में हिंदी-अंग्रेजी ट्रांसलेशन में 3 साल का कार्य अनुभव मांगा गया है।

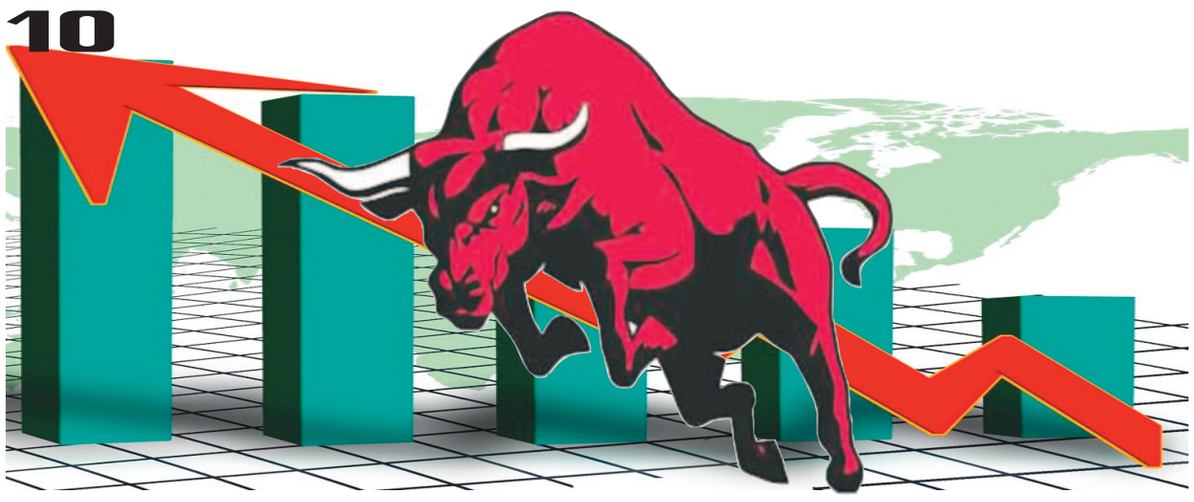

आज सबसे बड़े कॉरपोरेट का इवेंट

आईपीओ से लेकर 5जी तक, ये बड़े ऐलान कर सकते हैं अंबानी !

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की सालाना आम बैठक यानी एजीएम की तारीख नजदीक आ गई है। इसके साथ ही निवेशकों और बाजार विश्लेषकों का लंबा इंतजार समाप्त होने वाला है। रिलायंस इंडस्ट्रीज चूंकि भारतीय बाजार की सबसे बड़ी कंपनी है, स्वाभाविक है कि इसकी एजीएम का हर किसी को इंतजार रहता है। हालांकि बीते कुछ सालों में इस सबसे बड़े कॉरपोरेट इवेंट का महत्व और भी बढ़ गया है, क्योंकि हर बार एजीएम में कुछ ऐसे बड़े ऐलान होते हैं, जिनसे आम लोगों पर भी प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर असर होता है।

रिलायंस की 46वीं सालाना आम बैठक

इस बार रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम सोमवार 28 अगस्त को होने जा रही है। यह बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी पर सबसे ज्यादा असर डालने वाली कंपनी की 46वीं एजीएम है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बीते सालों में एक स्टैंडर्ड सेट किया है कि वह अपनी एजीएम में आने वाले एक साल के लिए कारोबारी रणनीति की जानकारी देती है। तेल से लेकर टेलीकॉम और रिटेल से लेकर फाइनेंस तक विभिन्न सेक्टरों में पसरे कारोबारी साम्राज्य को संभालने वाली कंपनी अपना पूरा खाका एजीएम में परोसा करती है।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज पर ऐलान

इस बार की एजीएम इस लिहाज से भी खास होने वाली है कि इसमें आईपीओ को लेकर बड़े ऐलान हो सकते हैं। हाल ही में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी फाइनेंशियल सर्विस यूनिट को डिमर्ज किया है। उसे अब जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का नाम दिया गया है। बाजार को अनुमान है कि यह कंपनी फाइनेंस के सेक्टर में कुछ वैसा ही असर डाल सकती है, जैसा रिलायंस जियो ने टेलीकॉम सेक्टर में किया है। यही कारण है कि एजीएम में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के फंडामेंटल्स और प्रोडक्ट ऑफरिंग को लेकर ऐलान की उम्मीद की जा रही है।

बाजार में आ सकते हैं ये तीन आईपीओ

रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी इस यूनिट को डिमर्ज करने के बाद बाजार में इसे स्टैंडअलोन रूप में लेकर आ सकती है। एजीएम में इस बारे में भी जानकारी मिल सकती है कि क्या जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ निकट-भविष्य में आने वाला है। उसके अलावा बाजार के विश्लेषक व निवेशक रिलायंस जियो के आईपीओ और फ्यूवर रिटेल के आईपीओ को लेकर भी ऐलान करने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

कितना सस्ता होगा सस्ता 5जी फोन

इस एजीएम में आम लोगों के लिए काम की बात 5जी से जुड़ी हो सकती है। रिलायंस जियो अफोर्डेबल 5जी स्मार्टफोन लॉन्च करने की तैयारी में है। रिलायंस का सस्ता 5जी फोन कितना सस्ता होगा, एजीएम में इस बारे में साफ-साफ पता चल सकता है। इसके अलावा रिलायंस जियो के 5जी टैरिफ प्लान के बारे में भी कुछ ऐलान संभव है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के एजीएम में सस्ते 5जी प्लान भी पेश किए जा सकते हैं।

सक्सेशन प्लान पर हो सकता है ऐलान

वहीं बहुत सारे एनालिस्ट देश की सबसे बड़ी कंपनी में सक्सेशन को लेकर संकेत मिलने का भी अनुमान लगा रहे हैं। मुकेश अंबानी सालों से अगली पीढ़ी को धीरे-धीरे कारोबार की अग्रिम कतार में लाने में लगे हुए हैं। इसके लिए दोनों बेटों अनंत और आकाश अंबानी व बेटी ईशा अंबानी को लगातार लीडरशिप की भूमिकाएं दी गई हैं। बताया जाता है कि मुकेश अंबानी ने सक्सेशन का पूरा खाका तैयार कर लिया है। इस बारे में हो सकता है कि एजीएम में कुछ साफ संकेत दिए जाएं।

प्याज की कीमतों पर काबू पाने के लिए सरकार ने उठाया कदम, 4 दिन में की 2800 टन की खरीद

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। टमाटर के बाद प्याज की कीमतों ने आम जनता को रुलाना शुरू कर दिया है। हालांकि, सरकार ने कीमतों और महंगाई पर रोक लगाने के लिए कई अहम कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। हाल ही में प्याज की कीमतों पर काबू पाने के लिए सरकार ने इन्हे बफर स्टॉक करना शुरू कर दिया है। एनसीसीएफ ने पिछले 4 दिनों में किसानों से 2800 टन प्याज की खरीद की है। इसी के साथ सरकार ने बफर स्टॉक का लक्ष्य 3 लाख टन से बढ़ाकर 5 लाख टन कर दिया है। बता दें, सरकार ने किसानों से अपील की है वो बढ़ती कीमतों और फसल खराब होने के डर से जल्दबाजी या घबराहट में आकर बिक्री न करें। किसानों का प्याज एनसीसीएफ और एनएएफईडी उचित दरों पर खरीदेंगी। वहीं, बाजार में मौजूदा समय में प्याज की कीमतें 60 रुपये किलो तक हैं। दो सरकारी समितियां एनसीसीएफ और एनएएफईड ने बताया कि उन्होंने ने प्याज की कीमतों को स्थिर रखने और महंगाई पर लगाम लगाने के लिए 22 अगस्त को महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में किसानों से डायरेक्ट खरीद शुरू की है। महाराष्ट्र में लगभग 12-13 खरीद सेंटर्स खोले गए हैं और अगर डिमांड बढ़ी तो इन सेंटर्स को और बढ़ाया जायेगा। बता दें, पिछले 4 दिनों में ही सरकारी समितियों ने किसानों से उचित दरों में 2,826 टन प्याज खरीदा है। सबसे ज्यादा खरीद महाराष्ट्र से हुई है। सरकार ने किसानों को भी फायदा दिलाने के लिए 2410 रुपये प्रति क्विंटल के रेट पर प्याज खरीदा है, मौजूदा समय में ये 1900-2000 रुपये प्रति क्विंटल है।

निर्यात पर लगाया शुल्क

प्याज की कीमतों पर काबू पाने के लिए सरकार ने इसके निर्यात पर 40 फीसदी का शुल्क लगा दिया है। बता दें, नई शुल्क दरें 31 दिसंबर तक प्रभावी रहेंगी। सरकार का मानना है कि आने वाले दिनों में दुनियाभर में प्याज की कीमतों में तेजी आ सकती है। गौरतलब है कि भारत में प्याज की कीमतें 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। सरकार को डर है कि कहीं प्याज की कीमतें भी टमाटर जैसी न हो जाएं इसलिए सरकार ये एहतियाती कदम उठा रही है।

दुनिया में धूम मचा रहे भारतीय मूल के सीईओ

सूची पर मस्क ने दी प्रतिक्रिया, कहा- इंप्रेसिव

कैलिफोर्निया, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय मूल के अधिकारी पूरी दुनिया के व्यवसाय जगत में धूम मचा रहे हैं क्योंकि वे शीर्ष कंपनियों में शीर्ष पदों पर काबिज हैं और यह सूची अजेय प्रतीत होती है। वर्ल्ड ऑफ स्टैटिस्टिक्स ने शनिवार को उन कंपनियों की एक सूची जारी की, जिनमें भारतीय मूल के लोग शीर्ष स्थान पर हैं। इस सूची से टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क भी प्रभावित हुए। अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर वर्ल्ड ऑफ स्टैटिस्टिक्स ने 21 कंपनियों को सूचीबद्ध किया है जिनमें भारतीय मूल के सीईओ हैं। इस सूची में अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, विश्व बैंक समूह के अजय बंगा, माइक्रोन टेक्नोलॉजी के संजय मेहरोत्रा, एडोब के शांतनु नारायण और कई अन्य के नाम शामिल हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एलन मस्क ने अपने माइक्रो-ब्लॉगिंग अकाउंट पर कहा, इंप्रेसिव।हाल ही में, जाचरी किर्खोर्न के अपने पद से हटने के बाद भारतीय मूल के वैभव तनेजा टेस्ला के नए मुख्य वित्तीय अधिकारी बने हैं। किर्खोर्न ने अपने लिंक्डइन अकाउंट पर जानकारी दी कि 13 साल तक कंपनी का हिस्सा रहने के बाद उन्होंने यह पद छोड़ दिया है। उन्होंने टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को भी उनके नेतृत्व और आशावाद के लिए धन्यवाद दिया। किर्खोर्न ने अपने पोस्ट में कहा, आज सुबह टेस्ला ने घोषणा की कि मैं मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका से हट गया हूं, हमारे मुख्य लेखा अधिकारी वैभव तनेजा ने मेरी जगह ली है। इस कंपनी का हिस्सा बनना एक विशेष अनुभव है और हमने पिछले 13 साल से साथ मिलकर जो काम किया है उस पर मुझे बेहद गर्व है। उन्होंने आगे कहा, जैसा कि मैं इस परिवर्तन का समर्थन करते हुए अपनी जिम्मेदारियों को स्थानांतरित कर रहा हूं। मैं टेस्ला के प्रतिभाशाली, भावुक और कड़ी मेहनत करने वाले सभी कर्मचारियों को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने उन चीजों को पूरा किया है जिनके बारे में कई लोग सोचते थे कि यह संभव नहीं है। मैं एलन मस्क को उनके नेतृत्व और आशावाद के लिए भी धन्यवाद देना चाहता हूं। जिन्होंने बहुत से लोगों को प्रेरित किया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	05-20 बजे
चंद्र-	धनु में	कन्या..	07-27 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	09-32 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	11-42 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-56 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	16-03 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	17-53 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	19-31 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	21-06 बजे
		वृष--	22-52 बजे
		मिथुन..	00-52 बजे
		कर्क...	02-05 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- 06-04 सूर्य अस्त- 18-30
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - **18 -22** तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - द्वि.श्रावण शुक्ल पक्ष , सोमवार **28 August**
नक्षत्र - उ.षाढा - **02-42** तक उपरान्त श्रवण
योग - आयुष्मान - **09 - 55** - तक उप सौभाग्य
करण- बव - **10 -55** - तक उप- बालव
विशेष:- सोम प्रदोष व्रत-उपवास
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:36 से 09:10 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:04 - 07:36 शुभ	चंचल	18:30 - 19:58 शुभ
काल	07:36 - 09:10 अशुभ	रोग	19:58 - 21:25 अशुभ
शुभ	09:10 - 10:44 शुभ	काल	21:25 - 22:51 अशुभ
रोग	10:44 - 12:17 अशुभ	लाभ	22:51 - 00:17 शुभ
उत्पात	12:17 - 13:51 अशुभ	उत्पात	00:17 - 01:44 अशुभ
चंचल	13:51 - 15:25 शुभ	शुभ.	01:44 - 03:10 शुभ
लाभ	15:25 - 16:58 शुभ	अमृत	03:10 - 04:36 शुभ
अमृत	16:58 - 18:30 शुभ	चंचल	04:36 - 30:04 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
दिन शांत रहेगा पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है सच्चे दिल से लक्ष्य प्राप्ति की कोशिश करें,आपको सफलता जरुर मिलेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है सच्चे दिल से लक्ष्य प्राप्ति की कोशिश करें,आपको सफलता जरुर मिलेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे दोस्तों और परिवार के साथ आनंद लें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैंआज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता हैअपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप कुछ समय से एक बदलाव पर विचार कर रहे है। आज आप एक ऐसे अवसर को देखेंगे जो आपको आकर्षित करेगा । सक्रिय रहे और निर्णय ले । आपको एक साक्षात्कार कॉल भी मिल सकती है। आपके आत्मविश्वास और विषय ज्ञान के साथ, एक साक्षात्कार को उतीर्ण करना आपके लिए कभी समस्या नहीं रही है। तो, पहला कदम उठाइए और निर्णय ले।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपके मालिक केवल वे सुनेगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगागंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी यह इस समय आपको मुश्किल जरुर लगेगा।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अप्रैल-जून तिमाही प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 34% घटकर 10.94 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 34 प्रतिशत घटकर 10.94 अरब डॉलर रहा है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में एफडीआई प्रवाह 16.58 अरब डॉलर रहा था। जनवरी-मार्च, 2023 तिमाही में भी एफडीआई 40.55 प्रतिशत घटकर 9.28 अरब डॉलर पर रह गया था। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल, मई और जून में विदेश से निवेश घटकर क्रमशः 5.1 अरब डॉलर, 2.67 अरब डॉलर और 3.16 अरब डॉलर रह गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा क्रमशः 6.46 अरब डॉलर, 6.15 अरब डॉलर और 3.98 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई जून तिमाही में 21.4 प्रतिशत घटकर 17.56 अरब डॉलर रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 22.34 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई में इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल है।आंकड़ों से पता चलता है कि मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से समीक्षाधीन अवधि में एफडीआई घटा है। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, ट्रेडिंग, दूरसंचार, वाहन, फार्मा और रसायन जैसे क्षेत्रों में एफडीआई कम रहा है। हालांकि सेवा, निर्माण गतिविधियों, निर्माण विकास और विकास एवं धातुकर्म उद्योग में एफडीआई बढ़ा है। राज्यवार आंकड़ों में जून तिमाही में सबसे ज्यादा 4.46 अरब डॉलर का एफडीआई महाराष्ट्र में आया है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में आए 5.24 अरब डॉलर से कम है। अप्रैल-जून 2023 के दौरान केमैन आइलैंड्स और साइप्रस से निवेश काफी कम होकर क्रमशः 7.5 करोड़ डॉलर और 60 लाख डॉलर रह गया। हालांकि नीदरलैंड, जापान और जर्मनी से एफडीआई बढ़ा है।

आइसक्रीम बेचकर शख्स बन गया अमीर

खड़ी कर दी 20 हजार करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अगर इंसान लगन और मेहनत के साथ काम करे, तो उसे सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है। आपको भारत में कई ऐसे पैसे वाले लोग मिल जाएंगे, जो जिन्दगी की शुरुआती दिनों में काफी गरीब थे। उनके खाने के लाले पड़े रहते थे। लेकिन अपनी मेहनत के बदौलत आज करोड़ों रुपये की संपत्ति खड़ी कर दी। आज उनकी कंपनी में सैंकड़ों की संख्या में लोग नौकरी कर रहे हैं, जिससे उनके घर का खर्च चल रहा है।आज हम आपसे एक ऐसे सफल कारोबारी के बारे में बात करेंगे, जो कभी गली- गली घूमकर आइसक्रीम बेचने का काम करता था। लेकिन आज वह 19,077 करोड़ की कंपनी के मालिक हैं। हालांकि, इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ी। इस सफल बिजनेसमैन का नाम आरजी चंद्रमोगन है। उन्होंने अपने छोटे से बिजनेस की शुरुआत 1970 में की थी।

आज 19,077 करोड़ की कंपनी के मालिक हैं

तब वे ठेले पर आइसक्रीम बेचा करते थे। लेकिन आज 74 वर्षीय आरजी चंद्रमोगन देश की सबसे बड़ी डेयरी कंपनी चला रहे हैं। खास बात यह है कि आरजी चंद्रमोगन की गिनती दक्षिण भारत के सफल बिजनेसमैन के रूप में होती है। वे एक सफसल बिजनेस टाइकून्स हैं। उन्होंने महज 13,000 रुपये से अपना बिजनेस शुरू किया था और आज वे आज 19,077 करोड़ की कंपनी के मालिक हैं।

42 से अधिक कंपनियों को डेयरी प्रोडक्ट सप्लाई करती है

इनकी कंपनी का नान हटसन एग्रो प्रोडक्ट लिमिटेड है। इस कंपनी की गिनती देश की सबसे बड़ी निजी डेयरी कंपनियों में होती है। आरजी चंद्रमोगन की इस कंपनी से 10000 गांवों के 40,0000 किसान जुड़े हुए हैं। ये किसान कंपनी में दूध बेचते हैं। इससे उन किसानों के घर का खर्च चलता है। खास बात यह है कि उनकी कंपनी 42 से अधिक कंपनियों को डेयरी प्रोडक्ट सप्लाई करती है।

बिजनेस के लिए छोड़ी नौकरी

आरजी चंद्रमोगन शुरू में नौकरी करते थे। लेकिन बाद में उन्होंने नौकरी छोड़ दी और एक साल बाद 13,000 रुपये की लागत से आइसक्रीम का बिजनेस शुरू किया। शुरुआत में उन्होंने गांव में ठेला ले जाकर खुद से आइक्रीम बेचा।

उनकी कड़ी मेहनत की वजह से सफलता भी मिलती गई। एक साल में ही 13 हजार रुपये का बिजनेस बढ़कर 1.5 लाख रुपये का हो गया। इसके बाद 1981 में अपने छोटे से व्यवसाय को बड़े शहरों में पहुंचाने के लिए अरुण आइसक्रीम ब्रांड स्थापित किया।

हजारों घर खरीदारों के लिए उम्मीद की किरण

नोएडा के इस घोस्ट टाउन में शुरू हुआ काम

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। नोएडा के घोस्ट टाउन के नाम से मशहूर हो चुके जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) के घर खरीदारों को सालों बाद उम्मीद की किरण दिखाई दी है। जेपी इंफ्राटेक के प्रोजेक्ट में करीब 20 हजार घर खरीदारों की उम्मीदें अटकी हुई हैं। कंपनी के प्रोजेक्ट में 59 टावरों का काम कई सालों से बंद है। हालांकि अब काम शुरू होने से घर खरीदारों का 10 साल से ज्यादा का इंतजार समाप्त होने की उम्मीद मजबूत हुई है।

13 साल से भी पुराना है इंतजार

आईएएनएस की एक रिपोर्ट के अनुसार, जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के लगभग 20 हजार घर खरीदार 13 साल से ज्यादा समय से घर मिलने का इंतजार कर रहे हैं। बाद में जेपी इंफ्रा वित्तीय संकटों में फंस गई और उसके हाउसिंग प्रोजेक्ट के काम बंद हो गए। जेपी इंफ्रा नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कई प्रोजेक्ट पर काम कर रही थी और निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में हजारों घर खरीदारों ने फ्लैट बुक किया हुआ है।

एनसीएलटी ने मार्च में दी मंजूरी

घर खरीदारों को इस साल मार्च में उस समय राहत मिली थी, जब नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल यानी एनसीएलटी ने जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड को खरीदने के लिए मुंबई के सुरक्षा ग्रुप की बोली को मंजूरी दी थी। सुरक्षा ग्रुप ने जेपी इंफ्रा को खरीदने के साथ ही नोएडा और ग्रेटर नोएडा में जेपी इंफ्रा के अटके प्रोजेक्ट में हाउसिंग यूनिट का काम पूरा करने के लिए भी बोली लगाई थी।

सुरक्षा ग्रुप का ऐसा है ऑफर

जेपी समूह की कंपनी जेपी इंफ्रा में सुरक्षा ग्रुप 250 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। इसके अलावा अगले 4 साल में सारे अटके काम को पूरा करने के लए 3000 करोड़ रुपये का लोन भी सुरक्षा की बोली का हिस्सा है।

एनसीएलटी की मंजूरी मिलने के बाद अब जेपी इंफ्रा के अटके प्रोजेक्ट पर काम में तेजी आने लगी है। इससे जेपी इंफ्रा के घर खरीदारों को उम्मीद है कि जल्द ही उन्हें अपने घर में रहने का अवसर मिलेगा।

इतने लोगों के अटके हैं सपने

आपको बता दें कि 18,767 एक्टिव घर खरीदारों ने मिलाकर 8,676 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। उनमें से करीब 413 घर खरीदारों ने अपनी बुकिंग कैंसिल कर दी और उनके 64 करोड़ रुपये के रिफंड अभी तक अटके हुए हैं। करीब 1,410 घर खरीदारों को 528 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी के पजेशन तो मिले हैं, लेकिन रजिस्ट्री नहीं हुई है।

सरकारी बैंकों के प्रमुखों का बढ़ जाएगा कार्यकाल

रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने पर हो रहा विचार

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र सरकार सरकारी इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम , भारतीय स्टेट बैंक और अन्य पब्लिक सेक्टर बैंकों के प्रमुखों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाने पर विचार कर रही है।

इस मामले पर वित्त मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने पीटीआई से बात करते हुए बताया है कि सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के अधिकारियों के कार्यकाल को बढ़ाकर 65 साल तक करने का प्रस्ताव मिला है। वहीं एलआईसी और एसबीआई के चेयरमैन की रिटायरमेंट उम्र को 62 साल से बढ़ाकर 65 साल किया जा सकता है।

एमडी की रिटायरमेंट उम्र में हो सकता है इजाफा

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार सभी पब्लिक सेक्टर के बैंकों के मैनेजिंग डायरेक्टर की रिटायरमेंट उम्र को 1 से 2 साल तक बढ़ा सकती है। ऐसे में यह 60 वर्ष से बढ़कर 62 साल हो जाएगी। वहीं भारतीय स्टेट बैंक के वर्तमान चेयरमैन दिनेश खारा की रिटायरमेंट आयु 63 साल है और उनका कार्यकाल अगले साल अगस्त 2023 में खत्म हो रही है। ऐसे में अगर उन्हें दो साल का एक्सटेंशन मिल जाता है उनका कार्यकाल 65 वर्ष की आयु तक हो जाएगा।वहीं एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती का कार्यकाल 29 जून, 2024 को खत्म हो रहा है। अगर सरकार चेयरमैन और एमडी की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने का फैसला लेती है तो इसका असर एलआईसी के चेयरमैन और एमडी के रिटायरमेंट उम्र पर निश्चित रूप से पड़ेगा।

सरकार कार्यकाल बढ़ाने पर क्यों कर रही है विचार

कई एक्सपर्ट्स का यह मनना है कि बैंकों और पीएसबीएस के शार्ष पदों के अधिकारियों के कार्यकाल को बढ़ाने के पीछे सरकार का यह मकसद है कि इससे बैंकों के फैसले में स्थिरता लाई जा सके। इससे बैंकों से जुड़े फैसले लेने में आसानी होगी और यह व्यवस्था लंबे वक्त के लिए प्रभावी होगी। ध्यान देने वाली बात ये है कि पिछले कुछ समय से एसबीआई चेयरमैन दिनेश खारा के कार्यकाल को 10 महीने के लिए बढ़ाने की खबर आ रही है।

क्या आधार नंबर से हैक हो सकता है आपका बैंक अकाउंट ?

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। आधार कार्ड मौजूदा समय में कई वित्तीय कार्यों से जुड़ा हुआ है। बिना आधार कार्ड के कई सरकारी और प्राइवेट संस्थाओं से जुड़े काम करने में समस्या आ सकती है। यहां तक की बैंक अकाउंट को आधार से लिंक करना अनिवार्य है। अगर आधार को बैंक अकाउंट से लिंक नहीं कराया जाता है तो पैसे निकालने में समस्या आ सकती है।कई फाइनेंशियल वर्क से आधार नंबर जुड़े होने के कारण लोगों के मन में यह डर हो सकता है कि अगर किसी को आधार नंबर पता है तो वे उन सभी ऐप्स और सर्विस तक पहुंच पा सकते, जिनके साथ आधार नंबर लिंक है। ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडसइंड बैंक के अनिल राव का कहना है कि आधार नंबर किसी को पता होने से यह संभव नहीं है कि कोई उस व्यक्ति के बैंक अकाउंट तक पहुंच पा सकता है।

कहानी सुनाने के लिए छोड़ी अच्छी नौकरी

पीएम मोदी को भाई मेरी दास्तानगोई, दो साल के करियर में देश-विदेश में किए 90 से ज्यादा शो

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। हम सब एक कहानी हैं। हमें अपनी कहानियों पर शर्मिंदा नहीं होना चाहिए बल्कि उस पर बात करनी चाहिए। हमें दूसरों की कहानियां सुननी चाहिए और अपनी सुनानी चाहिए। लेकिन अब ऐसा माहौल बन गया कि हम बस अपनी बात कहते हैं और बात खत्म हो जाती है। हम सबके अंदर सुनने की शक्ति कम हो रही है। मुझे लगता है कि जब तक हम अपने अंदर सुनने की पेशेंस नहीं लाएंगे, तब हम जीवन में कुछ बेहतर नहीं कर सकते। ये सारी बातें कहने और मानने वाली लड़की का नाम प्रज्ञा शर्मा है। अदब और तहजीब के शहर लखनऊ से आती हैं। प्रज्ञा शर्मा जो दास्तानगो हैं यानी कहानियां सुनाती हैं। वो अपने दास्तानगोई के जरिए दुनिया को बेहतर बनाने के कोशिश में लगी हैं।

मिली-जुली संस्कृति के बीच बीता है बचपन

मैं लखनऊ के पुराना हैदराबाद से आती हूं। यहां मैं मिली-जुली संस्कृति में पली-बढ़ी हूं। उस मुहल्ले में रहने के कई फायदे थे। मैं अपने घर तक महदूद (सीमित) नहीं थी। मुहल्ले के लोगों के घर आना-जाना था। उनकी संस्कृति को समझने-जानने का मौका मिला। मिलने-जुलने के इस तौर-तरीकों की वजह से बचपन से ही मेरी सोशल स्किल ठीक रही। मिली-जुली संस्कृति वाले मोहल्ले में रहने का असर मेरी ज़बान, मेरे दिमाग पर दिखा। मैं ज़हनी तौर पर दूसरे लोगों को उनकी संस्कृति को बेहतर समझ पाती हूं।

इसके अलावा उनके घर के बुजुर्ग के सामने आप अगर गलत ज़बान में बात करते तो वो टोकते देते थे। उनके टोकने का फायदा मुझे अब समझ में आता है। इस वजह से शायद में ज़बान में अच्छी हूं। मैंने ऊर्दू के शब्द भी उनसे ही सीखी है। मिली-जुली संस्कृति में रहने का असर ही है कि हमारे अंदर ये एहसास कभी जन्म नहीं लिया कि वो हमेशा अलग हैं। हम राखी, ईद, दीवाली हर त्योहार साथ मनाते थे।

अमीर बच्चों के साथ पढ़कर झेला भेदभाव

मैंने लखनऊ के माउंट कार्मेल गर्ल्स स्कूल से सातवीं तक तालीम ली। फिर मेरा एडमिशन जयपुरिया स्कूल में हो गया, जो कि एक कोएड स्कूल था। वहां का शुरुआती एक साल मेरे लिए बहुत चैलेंजिंग रहा। वहां प्रीव्लेज क्लास के बच्चे पढ़ते थे। उनका रहन-सहन, तौर-तरीका मेरे जैसे मिडिल क्लास बच्चों से बहुत अलग था। कई दफा जाने-अनजाने आप उनकी बुलिंग का शिकार बन जाते थे। गर्ल्स स्कूल से पढ़कर कोएड में जाने पर लड़कों से बातचीत करना भी एक अलग किस्म की चुनौती रही। मैं थोड़ी इंट्रोवर्ट बच्ची थी। इन सारी बातों का असर मेरे पढ़ाई पर दिखने लगा। मुझे एहसास हुआ कि ये सही नहीं जा रहा और मुझे ही नुकसान पहुंचा रहा है। फिर समझ आया कि अपने हक के लिए बोलना होगा। अपने हक के लिए खड़ा होना चाहिए, इस बात की समझ मुझे उस समय ही हो गया।

घर में साइंस का माहौल था, मगर मैंने अलग राह चुनी

मैं अपने माता-पिता की इकलौती औलाद हूं। मेरे पिता इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च में साइंटिस्ट हैं। मेरी मां होममेकर हैं। मेरी मां ने साइकोलॉजी से एमए तक पढ़ाई की है और उनका किताबों से बहुत गहरा लगाव है। मां का यह गुण मेरे अंदर भी आया। मुझे बहुत कम उम्र से किताबें पढ़ने का चस्का लगा। मेरे सफर में मेरी मां का काफी योगदान रहा है। मेरा परिवार काफी वेल एजुकेडेट रहा है। परिवार के कई और सदस्य साइंटिस्ट हैं इसलिए घर में साइंस का माहौल ज्यादा रहा। मैं उनसे अलग जाकर कॉमर्स चुना।

साइंटिफिक बातों पर यकीन, लेकिन साइंस में रुचि नहीं

दसवीं तक मैंने मैथ, फिजिक्स, केमेस्ट्री सब पढ़ा। पापा के अलावा घर के कुछ और सदस्य साइंटिस्ट हैं। इस वजह से मेरे अंदर साइंस को लेकर यकीन था। लेकिन साइंस पढ़ने में उतनी रूचि नहीं थी। मैं पढ़ाई में न तो बहुत अच्छी थी और न ही बहुत बुरी। हां मैं अच्छी श्रोता जरूर थी, जिस वजह से मेरा काम चल जाता था। नौवीं क्लास में मैंने एक्स्ट्रा सब्जेक्ट में कॉमर्स लिया और उसे पढ़कर मुझे मजा आ रहा था। नंबर भी अच्छे आ रहे थे। बाकी बच्चे मुझसे उस सब्जेक्ट के बारे में पूछने आते तो ये बात भी अच्छी लगने लगी कि लोग मुझे पहचान रहे हैं। दसवीं के बाद मैंने कॉमर्स को सब्जेक्ट के तौर पर चुना। मैं पढ़ाई में बहुत अच्छा करने लगी और स्कूल की टॉप रैंकर रही। इन सारी बातों ने मुझे और मेरे आत्मविश्वास को काफी बढ़ाया।

बच्चों का दर्द समझने लगी

मैं स्कूल के दौरान उन बच्चों से काफी जुड़ा महसूस करती थी, जिनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव हो रहा था। छोटी सी उम्र में इस बात को लेकर समझ बन

> *"किसी की दिलचस्पी किस्से-कहानियों में है तो वो दास्तानगोई को अपना करियर बना सकता है।इस प्रोफेशन में बहुत ज्यादा इज्जत मिलती है, फाइनेंशियल सिक्योरिटी भी है। इन दोनों के अलावा जो सबसे ज्यादा जरूरी बात है कि इसमें दिली सुकून भी मिलता है।*

गई थी, इस वजह से मैं उन बच्चों की मदद करने की कोशिश करती। समय के साथ लोगों की मदद करने का एहसास मेरे अंदर इतना ज्यादा बढ़ गया कि मैं ग्रेजुएशन के दौरान कई एनजीओ के साथ जुड़ गई। एनजीओ के साथ मिलकर मैं बच्चों को पढ़ाती। हाईजीन पर काम करती। मैंने लखनऊ के आईटी कॉलेज में ग्रेजुएशन करने के दौरान ये फैसला किया कि मास्टर सोशल साइंस में करुंगी। मैंने मुंबई के टाटा सोशल साइंस इंस्टीट्यूट का एग्जाम भी दिया, लेकिन सेलेक्शन नहीं हुआ। मैंने अपने कॉलेज में मास्टर ऑफ इकोनॉमिक्स में अप्लाई किया था। मैंने मास्टर डिग्री के लिए एडमिशन ले लिया।

पढ़ाई के साथ-साथ मैंने अपने कजन के साथ मिलकर 'मित्रशाला' नाम से एक एनजीओ शुरू किया। वहां हम बच्चों के साथ पेरेंट्स के लिए भी क्लास चलाते थे। 'मित्रशाला' को मैं और मेरा भाई अपने पैसों से चला रहे थे तो इसे बहुत लंबा चलाना हमारे लिए संभव नहीं हो पाया। एनजीओ में मेरा कजन बच्चों को यूनिक तरीके से मैथ पढ़ाता था। लेकिन जब उसे अमेरिका की मिशिगन यूनिवर्सिटी में मैथ्स से पीएचडी करने के लिए स्कॉलरशिप मिल गई तो वो चला गया। ऐसे में मैं और मेरे कुछ दोस्त मिलकर 'मित्रशाला' चलाते रहे।

बच्चों का बीमार होना मुझे अखरने लगा

मैं 'मित्रशाला' के जरिए मुहल्ले में घूम-घूमकर बच्चों को पढ़ाती। जब मैं वहां जाती तो उनका रहन-सहन भी देखती। उन मुहल्लों में पानी और साफ-सफाई एक बड़ा मुद्दा था। बच्चे इनकी वजह से बीमार पड़ रहे थे। पानी साफ न मिलना बच्चों ही नहीं, उनके पेरेंट्स को भी बीमार कर रहा था। हमारी एनजीओ ने उन मुहल्ले के लोगों के अपनी तरफ से जागरूक किया। हम कई एक्सपर्ट को भी लेकर गए जो उन्होंने बातें अच्छे से समझा पाए।

रिसर्च की बात आम लोगों तक पहुंचाना चुनौती थी

एन्वॉयरमेंट इकनॉमिक्स पर पीएचडी के दौरान मैंने चार साल में ग्राउंड वाटर पर खूब काम किया। पीएचडी के उन चार सालों में पानी और ग्राउंड वाटर पर काम करने वाले देश के सभी एक्सपर्ट से मिली। ग्राउंड वाटर से जुड़ी जानकारियां इकट्ठा की। मैंने इतनी जानकारी हासिल कर ली थी, जिसके आधार पर ये साबित कर सकती थी कि अधिकांश बीमारी की जड़ ग्राउंड वाटर ही है। अगर हमने इसे नहीं बचाया फिर अगला वर्ल्ड वार पानी के लिए होगा। जब मैंने अपना थीसिस लिख लिया, फिर मुझे यह बात खटकने लगी कि ये सारा ज्ञान तो एकेडमिक के हिसाब से ठीक है। लेकिन इन बातों को आम जनता तक कैसे ले जाऊंगी। इस उधेड़बुन के बीच मैं अपने एक पुराने दोस्त हिमांशु बाजपेयी से मिली, जो कि दास्तानगोई करते हैं। जब मैंने उनसे अपनी उलझन बताई तो उन्होंने मुझसे कहा लोगों तक अपनी बात पहुंचाना है तो स्टोरी टेलिंग से बढ़िया कोई जरिया नहीं है। उनकी बात मैंने सुन ली लेकिन बहुत दिमाग नहीं लगाया क्योंकि थीसिस सबमिट करना का प्रेशर भी था। वो बात आई गई हो गई।

नौकरी के साथ दास्तानगोई के लिए रिसर्च का काम करने लगी

मैंने 2019 में अपना थीसिस सबमिट किया और 2020 के फरवरी में मेरी जॉब नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) लखनऊ में लग गई। मैंने नौकरी जॉइन कर ली। फिर कोविड का दौर शुरू हुआ, ऐसे में वर्क फ्रॉम होम हो गया। इन सबके बीच मेरे दोस्त हिमांशु बाजपेयी ने 'झांसी की रानी दास्तान' लिखनी शुरू की थी। उन्होंने मुझे कुछ किताबें दी और कहा कि मैं उनके शो के लिए रिसर्च का काम कर दूं। मेरे पास वर्क फ्रॉम होम में इतना समय होता था कि मैं ये सब कर सकूं। मैंने उनके शो के लिए रिसर्च करके स्क्रिप्ट बनाई। हिमांशु को वो बहुत पंसद आई। फिर मैंने उनके साथ कई दूसरे स्क्रिप्ट पर काम करने लगी। मैं अधिकांश रिसर्च वाली जिम्मेदारी ही संभालती थी। हिमांशु के जेहन में आया कि 'झांसी की रानी दास्तान' पर मुझे उनके साथ परफॉर्म करना चाहिए। जब उन्होंने मुझसे यह बात कही तब मैंने उन्हें कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं ये कर पाऊंगी। हिमांशु ने मुझ पर यकीन दिखाया और कहा कि तुम कर सकती हो। रही ट्रेनिंग की बात तो वो मैं तुम्हें दे सकता हूं।

तीन महीने की ट्रेनिंग के बाद अपना पहला शो किया

मेरे दोस्त हिमांशु ने दास्तानगोई आर्ट फॉर्म को सीखने के लिए मुझे तीन-चार महीने की ट्रेनिंग दी। ट्रेनिंग के दौरान मैंने ज़बान सीखी। लखनऊ से होने की वजह से मेरा उच्चारण ठीक था, लेकिन उस पर और काम किया। आवाज में उतार-चढ़ाव सीखा। साल 2021 में मैंने झांसी की रानी पर अपना पहला परफॉर्मेंस दिया। शो काफी अच्छा रहा। हमने यूपी पुलिस के 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत लखनऊ के पांच अलग-अलग इलाके में शो किया। 'झांसी की रानी' शो मेरे जिंदगी के लिए गेम चेंजर साबित हुई। मैंने छोटे लेवल पर लोगों तक अपनी बात पहुंचाई थी, लेकिन इतने बड़े लेवल पर कभी नहीं किया था।

दास्तानगोई के दूसरे शो के लिए मैंने विषय के तौर पर गंगा को चुना। मैं चाहती थी कि लोग ग्राउंड वाटर और पानी के बारे में बात करे। इस विषय पर मेरी पीएचडी भी है और जब मैं एनजीटी में काम कर रही थी, तब मेरा काम भी गंगा से जुड़ा था। पानी और गंगा को लेकर सारे फैक्ट और रिसर्च मेरे पास थी। बस कहानी बुनने में थोड़ा समय लगा। हमने फैक्ट और फिक्शन को मिलाकर शो गढ़ा। उस शो के पीछे हमारा मकसद सिर्फ ये था कि लोग पानी और गंगा की अहमियत समझें। गंगा की सफाई, देखरेख हमारी जिम्मेदारी है। गंगा पर हमारा दास्तान काफी पॉपुलर रहा।

नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नदी उत्सव शुरू किया, जिसके ओपनिंग इवेंट में हमें दास्तानगोई का आमंत्रण मिला। जल्द ही हम गंगा पर भोपाल में दास्तानगोई करने वाले हैं। हमने मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर के साथ जुड़कर कई सारे शो किए हैं।

मैंने अब तक 90 से ज्यादा दास्तानगोई शो किया है। इनमें कई सारे शो फीमेल वॉरियर्स के ऊपर रही। मैंने रानी दुर्गावती, आहिल्या बाई होल्कर, मीरा, बेगम हजरत महल, कबीर, सुभाषचंद्र बोस जैसे शख्सियत पर काम किया है। मैंने देश भर में परफॉर्म किया है।

दुबई के अलावा एक-दो और देशों में दास्तानगोई की है। मैंने 2022 में दास्तानगोई के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी। जब मुझे यकीन हो गया कि मुझे फुल टाइम यही करना है, तब मैंने नौकरी छोड़ने का फैसला लिया। मेरे पेरेंट्स भी मेरे फैसले पर सहमत हुए। अब मैं फुलटाइम दास्तानगोई करती हूं। दो साल में मुझे समझ आ गया है कि किसी भी मुद्दे को लोगों तक पहुंचाना है तो दास्तानगोई से कारगर कोई तरीका नहीं है।

भाजपा के पास न नेता और न नीति 'चुनाव तक देखिए क्या-क्या होता है'

सैलजा बोलीं- कितने भी घोषणा पत्र ले आएं, फर्क नहीं पड़ता, हमने जो कहा उससे ज्यादा किया

रायपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा है। सैलजा के मुताबिक भाजपा के पास न नेता है और ना नीति, ये नेता विहिन हो चुके हैं। बीजेपी कितने भी घोषणा पत्र ले आए, कोई फर्क नहीं पड़ता।

छत्तीसगढ़ में घोषणा पत्र बनाने के लिए राजनीति पार्टियां पूरी एक्सरसाइज कर रही हैं। बीजेपी जहां सुझाव पेटी के जरिए लोगों से राय मांग रही है। वहीं कांग्रेस ई-मेल के जरिए सुझाव लेकर घोषणा पत्र तैयार करने में लगी है। लगातार बैठकों का दौर भी जारी है। कांग्रेस में दो दिनों तक घोषणा पत्र को लेकर बैठकें हुई।

प्रदेश प्रभारी ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा में बहुत अंतर है। छत्तीसगढ़ के लोगों को कांग्रेस की सरकार पर भरोसा है क्योंकि हमने जो कहा भी नहीं उससे कहीं ज्यादा करके दिखाया है। 15 साल इनको मौका मिला लेकिन जनता का विश्वास इनसे उठ चुका है। अब ये चाहे कितनी ही घोषणा कर लें, कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

क्योंकि इनकी आदत ही है, लुभावने सपने दिखाने की। सैलजा बोलीं मैं याद दिलाना चाहती हूं कि बीजेपी ने खुलेआम लोगों से कहा था कि 15 लाख आपकी जेब में होगा। 15 साल में यह 1 लाख तक नहीं दे सके, अब लोग कैसे इन पर भरोसा करेंगे। चाहे कितने ही घोषणा पत्र ले लाएं कोई असर नहीं होगा।

ओम माथुर के सरगुजा दौरे पर कहा

बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर के सरगुजा दौरे पर सैलजा ने कहा कि वे जानते हैं यहां कुछ बचा नहीं है। सीनियर नेता हैं, वह अपना काम कर रहे हैं। हम अपनी तरह से उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं। ब्लॉक में इतने आवेदन पत्र आए हैं, यह उत्साह है, क्योंकि हमने काम किया है, काम करना जानते हैं और आगे भी काम करेंगे।

माथुर के बयान पर सीएम का पलटवार, कहा- ईडी के बल पर चुनाव लड़ेगी बीजेपी

रायपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। सीएम भूपेश बघेल ने रायपुर पुलिस लाइन हेलीपैड पर मीडिया से चर्चा में कहा कि कल सरगुजा में भाजपा के प्रभारी ओम माथुर ने ईडी की कार्रवाई पर कहा "अभी चुनाव आते तक देखिए क्या-क्या होता है"।

भाजपा प्रभारी का यह बयान यह साबित करने के लिए काफी है कि भाजपा ईडी के बलबूते चुनाव लड़ेगी? ईडी की कार्रवाई चुनाव को देखकर हो रही है। एक विभाग में गड़बड़ी नहीं पकड़ पाते दूसरे में लग जाते हैं। कोल, आबकारी, माइनिंग डीएमएफ चावल अब सुना है। जल जीवन मिशन बिना किसी ठोस आधार के राज्य सरकार के सभी विभागों पर कार्यवाही यह साबित करने के लिए छत्तीसगढ़ में हर जगह गड़बड़ी हैं यह चुनावी हथियार है इसको हम जनता के बीच लेकर जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में पिछले एक वर्ष में ईडी और आईटी अधिकारियों ने 200 से भी अधिक व्यक्तियों/संस्थाओं और शासकीय कार्यालयों में छापेमारी की गई है। ईडी के अधिकारियों ने दमन और प्रताड़ना को हथियार बनाकर बिना चल-अचल संपत्ति की रिकवरी के झूठे ब्यानों के आधार पर सैकड़ों करोड़ के कथित कोयला घोटाला, शराब घोटाला, चावल घोटाला तथा अब महादेव एप्स घोटाला होने का दुष्प्रचार किया जा रहा है।

लोकतंत्र के लिये खतरा बनी ईडी

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने मनी लांड्रिंग के कानून में इस तरह से बदलाव किए हैं, जिससे ईडी अधिकारियों को असीमित अधिकार मिल गए हैं। ईडी जिसको चाहे सिर्फ आरोपों के आधार पर गिरफ्तार कर सकती है। उस पर भी विडंबना यह है कि मनी लांड्रिंग के कानून अंतर्गत गिरफ्तार व्यक्ति को जमानत मिलने के प्रावधान भी एक तरह से समाप्त कर दिये गए हैं। ईडी अधिकारी बिना किसी कारण बताये कोई भी संपत्ति अटैच कर सकते हैं। उसके बाद वर्षों तक उसके छूटने की कोई संभावना भी नहीं रहती।

उन्होंने कहा कि ईडी अधिकारियों के लिये यह भी बायें हाथ का खेल है कि किसी भी गवाह से उसे जेल भेजने की धमकी देकर मनचाहा ब्यान लिखवा लिया जाता है।

ईडी अधिकारियों के समक्ष हुए ब्यान को सीआरपीसी की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के सामने हुये ब्यानों जितनी ही अहमियत है। गवाह को यह कह कर धमकाया जाता है कि वह या तो ईडी अधिकारियों के तैयार किये गये बयान या झूठी कहानी की पुष्टि अपने ब्यान में करें अन्यथा उसे जेल भेज दिया जाएगा, जहां उसे जिंदगी भर जेल में सड़ना पड़ेगा।

एसपी बोले-सभी जमा करें लाइसेंसी हथियार

निर्वाचन आयोग की बैठक के बाद अफसरों को दिए निर्देश

भिलाई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जिला प्रशासन के साथ-साथ अब दुर्ग पुलिस भी चुनावी मोड पर आ गई है। शुक्रवार को रायपुर में निर्वाचन आयोग की बैठक के बाद दुर्ग एसपी ने जिले के सभी पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने चेकिंग अभियान में तेजी लाने और जिले के सभी लाइसेंसी शस्त्र धारकों से शस्त्र जमा करवाने के निर्देश दिए।

सेक्टर-6 स्थित पुलिस कंट्रोल रुम में शनिवार शाम दुर्ग एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने सभी पुलिस अधिकारियों की बैठक बुलाई। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बुलाई गई इस बैठक में राजपत्रित अधिकारी और थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। एसपी ने लघु अधिनियम एवं प्रतिबंधात्मक धाराओं में वृद्धि लाने, अवैध शराब और मादक पदार्थ बेचने के धंधे में लिप्त लोगों पर निगाह रख कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस बैठक में जो सबसे अहम निर्देश दिया गया वो लाइसेंसी शस्त्र धारकों के लिए दिया गया। एसपी ने कहा कि ऐसे सभी शस्त्र को थाने में जमा कराया जाए। एसपी ने जिले के सभी आदतन अपराधियों और निगरानी बदमाशों की गतिविधियो में विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूर्व में चुनाव के दौरान अशांति पैदा करने वाले बदमाशों को सूचीबद्ध करें, गुंडा निगरानी बदमाशों की नियमित चेकिंग करें, गिरफ्तारी और वारंटियों की तामिल में सुधार लाएं। एसपी ने वाहन चेकिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के अंदर प्रवेश करने वाले वाहनों की विशेष रूप से चेकिंग की जाए। क्षेत्र के संवेदनशील मतदान केंद्रों में विशेष निगाह रखें।

चारा घोटाला मामले में फैसला आज

रांची, 27 अगस्त (एजेंसियां)। संयुक्त बिहार के दौरान हुए बहुचर्चित चारा घोटाला मामले में कल फैसला आएगा। यह मामला डोरंडा कोषागार से जुड़ा हुआ है। यहां से वर्ष 1990 से 1995 के दौरान अवैध तरीके से 36 करोड़ 59 लाख रुपये की निकासी हुई थी।

इसी को लेकर आरसी- 48 ए/96 केस दर्ज किया गया था। इस मामले में सीबीआई की विशेष अदालत न्यायधीश विशाल श्रीवास्तव की अदालत में दोनों ओर से बहस पूरी हो गयी। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब आज फैसला सुनाया जाएगा।

आईएमए की झारखंड इकाई ने की 'मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट' लागू करने की मांग

रांची, 27 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की झारखंड इकाई ने रविवार को मांग की कि राज्य सरकार डॉक्टरों और मरीजों के लाभ के लिए राज्य में जल्द से जल्द मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट (एमपीए) और क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट (सीईए) में संशोधन लागू करे। आईएमए ने यहां अपनी कार्यकारी निकाय की बैठक के दौरान इस संबंध में सरकार से अनुरोध करने का फैसला किया। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ऐसा न होने पर वे फिर से आंदोलन शुरू कर सकते हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए आईएमए की झारखंड इकाई के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि उनकी मांगें अभी भी राज्य सरकार के पास लंबित हैं। उन्होंने कहा, 'हमें सिर्फ आश्वासन दिया गया है लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सरकार ने लंबे समय से लंबित हमारी मांगों के प्रति उदासीन रवैया अपनाया है, जो स्वीकार्य नहीं है।' अरुण कुमार सिंह ने कहा कि जब उन्होंने कई दौर के आंदोलनों के साथ दबाव बनाया, तो राज्य सरकार बजट सत्र के दौरान राज्य विधानसभा में एमपीए विधेयक लाई। उन्होंने कहा, 'कुछ विधायकों की आपत्ति के बाद इसे प्रवर समिति के पास भेजा गया और यह करीब पांच महीने से लंबित है।' आईएमए की झारखंड इकाई के सचिव प्रदीप कुमार ने कहा, 'हमने क्लीनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के एक नियम में संशोधन की मांग की है। इसे विधानसभा से पारित किए बिना संशोधित किया जा सकता है लेकिन सरकार अनजान है।' कुमार ने कहा कि उन्होंने एकल डॉक्टरों के क्लीनिक, दंपति डॉक्टरों के क्लीनिक और 50 बेड से कम के अस्पतालों को सीईए के दायरे से बाहर रखने की मांग की है। अस्पताल अपने प्रतिष्ठान बंद करने के लिए मजबूर होंगे।

सैकड़ों की संख्या में जेसीसीजे के कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल

जिलाध्यक्ष ने दिलाई पार्टी की सदस्यता

गौरेला, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मरवाही विधानसभा में आज जेसीसीजे के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मरवाही विधायक और जिला अध्यक्ष के समक्ष जिला कार्यालय पहुंचकर कांग्रेस में प्रवेश हुए है। जितने भी लोगों ने आज कांग्रेस में प्रवेश लिया है उनमें सभी मरवाही विधानसभा के ही रहने वाले हैं।

मरवाही में कांग्रेस विधायक डॉ. केके ध्रुव और जिला अध्यक्ष उत्तम वासुदेव के समक्ष सैकड़ो की संख्या में जेसीसीजे के कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर कांग्रेस में प्रवेश किया है।

इस दौरान जिला कार्यालय में काफी संख्या कांग्रेस के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

जितने भी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस में प्रवेश किया है सभी मरवाही विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों के रहने वाले हैं। वहीं चुनाव के कुछ माह पहले मरवाही विधानसभा में जेसीसीजे को छोड़कर कांग्रेस में सैकड़ो की संख्या में प्रवेश करने पर जिला अध्यक्ष उत्तम वासुदेव ने कहा कि जो कार्यकर्ता कांग्रेस में प्रवेश किये हैं वे सभी कांग्रेस की नीति व रीति के साथ प्रदेश में भुपेश बघेल की कांग्रेस सरकार की योजनाओं से प्रभावित होकर कांग्रेस में प्रवेश लिया है।

लंपी वायरस ने पसारे पैर, सड़कों में घूम रहे वायरस से प्रभावित मवेशी

पशु चिकित्सा विभाग नहीं दे रहा ध्यान

गौरेला, 27 अगस्त (एजेंसियां)। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के गोवंश में लंपी वायरस का प्रकोप तेजी से फैल रहा है जगह-जगह लंबी वायरस से प्रभावित मवेशी सड़क किनारे घूमते दिखाई दे रहे हैं । लंबी वायरस से गोवंश के शरीर में सैकड़ों घाव हो गए हैं लगभग एक साल का समय बीतने के बावजूद पशु चिकित्सा विभाग ने अब तक टीकाकरण का कार्य पूरा नहीं किया है। ऐसे में विभाग से इन मवेशियों के उपचार की अपेक्षा करना बेमानी होगी।

लंपी वायरस जिसे लंपी त्वचा रोग वायरस के रूप में भी जाना जाता है। वास्तव में एक प्रकार का प्राक्सवायरस है जिससे गोवंश एवं महिषवंश बुरी तरह संक्रमित हो जाते हैं इस बीमारी से मवेशियों के शरीर में गांठ बन जाती है जो बाद में घाव का रूप ले लेती है यह घाव मवेशी के पूरे शरीर में काफी तेजी से फैलता है। मतलब एक जानवर के शरीर में सैकड़ों घाव बन जाते हैं जिससे मवेशी को बुखार आ जाता है, भूख नहीं लगती, नाक बहने लगती है, आंख से पानी आने लगता है, इससे संक्रमित जानवर की सही उपचार न मिलने से मौत भी हो सकती है। लंबी वायरस से प्रभावित जानवरों की मौत होने की दशा में सरकारी मुआवजे का प्रावधान भी नहीं है जिले के तीनों विकासखंड में इन दिनों लंपी वायरस से प्रभावित मवेशी सड़क में ही देखे जा सकते हैं। खासकर मरवाही ब्लॉक के धनपुर धोबहर सिलपहरी में, पेंड्रा में पेंड्रा शहर के आसपास के गांव, गौरेला विकासखंड के कई गांव में लंपी वायरस से मवेशियों की मौत भी हुई है, पशुपालक मवेशियों में लंबी वायरस का प्रकोप देखकर काफी चिंतित और परेशान है पर उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं।

ईरान ने अमेरिका पर 2.72 हजार करोड़ का जुर्माना लगाया

इस्लामिक क्रांति के बाद तख्तापलट की कोशिश का आरोप, कहा- सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

तहरान, 27 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान की एक कोर्ट ने अमेरिका पर तख्तापलट की साजिश में शामिल होने पर 2.72 हजार करोड़ का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने कहा कि 1979 की इस्लामिक क्रांति में अमेरिका समर्थित शाह मोहम्मद रजा पहलवी की सत्ता का अंत हो गया था। इसके करीब 1 साल बाद 1980 में कई आर्मी अफसरों ने मिलकर तख्तापलट की कोशिश की थी।

ईरान के स्टेट मीडिया आईआरएनए के मुताबिक, उनका उद्देश्य देश भर में सैन्य ठिकानों पर कब्जा करना, रणनीतिक केंद्रों और क्रांति में शामिल रहे नेताओं के आवासों को निशाना बनाना था। हालांकि, उनकी कोशिश विफल रही। विद्रोहियों का नेतृत्व पूर्व ईरानी वायुसेना कमांडर सईद महदियाउन ने किया था, और उनका मुख्यालय नोजेह में था। ये पश्चिमी हमीदान प्रांत में एक एयरबेस था।

तख्तापलट की कोशिश में मारे गए थे कई ईरानी

तख्तापलट के साजिश करने वालों और सरकारी बलों के बीच संघर्ष में कई लोग मारे गए और

कई अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया था। पिछले साल इस विद्रोह में मारे गए लोगों के रिश्तेदारों ने ईरान की इंटरनेशनल कोर्ट में मुआवजे के लिए याचिका दायर की थी। इस याचिका में उन्होंने अमेरिका पर तख्तापलट की कोशिश करने का आरोप लगाया था। शनिवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला सुनाया। उन्होंने अमेरिका पर मटीरियल और मॉरल डैमेज के लिए 30 मिलियन डॉलर यानी 247 करोड़ रुपए और लोगों की जान को खतरे में डालने के लिए करीब 2.72 हजार करोड़ का जुर्माना लगाया है।

1979 के इस्लामिक रिवॉल्यूशन के बाद से ईरान और अमेरिका में सभी डिप्लोमैटिक रिश्ते खत्म हो गए थे। 1953 में अमेरिका और ब्रिटेन की इंटेलिजेंस सर्विसेज ने मिलकर प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसादेग को हटा दिया था, जिन्होंने ईरान की तेल इंडस्ट्री को नेशनलाइज किया था। 2016 में अमेरिकी सुप्री कोर्ट ने आदेश दिया था कि ईरान की जो संपत्ति अमेरिका ने जब्त की थी उसका इस्तेमाल ईरानी हमलों के पीड़ितों की मदद के लिए किया जाना चाहिए। इन हमलों में 1983 में बेरूत में अमेरिकी मरीन बैरक पर बमबारी और 1996 में सऊदी अरब में विस्फोट शामिल है। इस साल मार्च में इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने फैसला सुनाया था कि अमेरिका की तरफ से ईरानी लोगों और कंपनियों की संपत्ति जब्त करना गलत है।

क्या थी 1979 की इस्लामिक क्रांति

ईरान की इस्लामिक क्रांति 1979 में हुई थी, जिसने ईरान के शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाकर आयतुल्लाह रुहोल्लाह खोमेनी को ईरान का सुप्रीम लीडर बना दिया।

शाह 1941 से सत्ता में थे लेकिन उन्हें लगातार धार्मिक नेताओं के विरोध का सामना करना पड़ता था। इससे निपटने के लिए शाह ने इस्लाम की भूमिका को कम करने, इस्लाम से पहले की ईरानी सभ्यता की उपलब्धियां गिनाने और ईरान को एक आधुनिक राष्ट्र बनाने के लिए कई कदम उठाए।

इससे मुस्लिम कट्टरपंथी नेता और चिढ़ गए और उन्हें अमेरिका का पिट्ठू कहने लगे। आयतुल्लाह खोमेनी भी शाह के सुधारों के खिलाफ थे। इसी वजह से उन्हें देश से भी निकाल दिया गया था।

इस बीच ईरान में असंतोष बढ़ाने लगा। जब सरकारी प्रेस में आयतुल्लाह के खिलाफ आपत्तिजनक कहानी छपी तो लोग भड़क उठे। दिसबर 1978 में करीब 20 लाख लोग शाह के खिलाफ प्रदर्शन करने शाहयाद चौक में जमा हुए। इस दौरान सेना ने भी उन पर कार्रवाई से इनकार कर दिया। प्रधानमंत्री डॉ शापोर बख्तियार की मांग पर 16 जनवरी 1979 को शाह और उनकी पत्नी ईरान छोड़कर चले गएष प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक बंदियों को रिहा कर दिया और खोमेनी को ईरान लौटने की इजाजत दे दी।

प्रधानमंत्री देश में चुनाव चाहते थे, लेकिन खोमेनी ने ईरान लौटकर सत्ता अपने हाथों में ले ली। खोमेनी के नेतृत्व में ही ईरान में इस्लामिक राज्य की स्थापना हुई और शरीया कानून लागू हुआ।

वैगनर चीफ ने कहा था- एक प्लेन क्रैश होगा

मौत से 4 महीने पहले इंटरव्यू में बोले थे-रूस तबाही के रास्ते पर जा रहा

मॉस्को, 27 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के बागी वैगनर चीफ प्रिगोजिन की मौत के बाद उनका एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है। इसमें वो उड़ान के दौरान एक प्लेन के क्रैश होने की बात कर रहे हैं। साथ ही प्रिगोजिन कहते हैं कि वो रूस से झूठ बोलने की बजाय मरना पसंद करेंगे। 29 अप्रैल को रूसी ब्लॉगर सेमयोन पेगोव ने उनका एक इंटरव्यू लिया था।

इसकी एक क्लिप में प्रिगोजिन कहते हैं- रूस तबाह होने की कगार पर है। ऐसा इसलिए क्योंकि डिफेंस सेक्टर से ऐसे लोगों को बाहर कर दिया जा रहा है, जो सच बोलते हैं और बड़ी पोस्ट पर बैठे अधिकारियों के साथ जुड़ने के लिए तैयार नहीं है। प्रिगोजिन आगे कहते हैं- मैं आज इतना सच क्यों बोल रहा हूं। ऐसा इसलिए क्योंकि मैं उन लोगों से ऊपर नहीं हूं, जो इस देश में रहते हैं। आज उनसे झूठ बोला जा रहा है। इससे बेहतर होगा कि मुझे मार दिया जाए।

इंटरव्यू के दौरान प्रिगोजिन ने कहा था- मैं झूठ नहीं बोलूंगा। रूस आज बर्बादी की तरफ बढ़ रहा है। अगर सिस्टम को नहीं बदला गया तो जल्द ही तो एक दिन एक विमान क्रैश हो कर गिर जाएगा। ये वीडियो वैगनर ग्रुप के

टेलीग्राम चैनल वॉर जोन पर शेयर किया गया था। प्रिगोजिन के इंटरव्यू के करीब 40 सेकेंड के इस क्लिप पर कई लोगों ने कमेंट किया है। एक यूजर ने कहा- प्रिगोजिन प्लेन क्रैश के बारे में पहले से जानते थे। कुछ यूजर ने इस बात की भी संभावना जताई कि वैगनर चीफ जिंदा हो सकते हैं और वो जल्द ही सामने आएंगे। तब वो अपना बदला जरूर लेंगे। जिस दिन प्रिगोजिन का प्लेन क्रैश हुआ था उसी दिन रूसी एयरफोर्स के हेड सर्गेई सुरोविकिन को उनके पद से हटा दिया गया था। ऐसे में यूजर्स ये भी कह रहे हैं कि प्रिगोजिन जिंदा हैं और सुरोविकिन उन्हीं के साथ हैं। दूसरी तरफ वैगनर चीफ की मौत के बाद राष्ट्रपति पुतिन ने प्राइवेट आर्मी के लड़ाकों को रूस और सरकार के प्रति वफादार रहने की शपथ लेने को कहा है। पुतिन ने शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से ये डील लागू करने के लिए साइन कर दिया। इसके तहत रूस या उनकी मिलिट्री के लिए काम कर रहे हर शख्स को रूस के प्रति वफादार रहना होगा। इसका मकसद वैगनर जैसे ग्रुप्स पर सरकार की पकड़ मजबूत करना है। 23 अगस्त को वैगनर चीफ जिस प्लेन में सवार थे, वो क्रैश हो गया था। रूस की एविएशन मिनिस्ट्री के मुताबिक, पैसेंजर लिस्ट में प्रिगोजिन का नाम था और वो इसमें सवार थे। वो प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप के चीफ थे।

सुनक बोले- जघन्य हत्या के दोषियों के लिए अनिवार्य बनाएंगे आजीवन कारावास की सजा

कानूनों में करेंगे फेरबदल

लंदन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तरी इंग्लैंड में इसी सप्ताह एक नर्स को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। उसे सात बच्चों की हत्या के मामले में दोषी पाया गया था। इसी क्रम में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने नए सख्त कानूनों की योजना का खुलासा किया है। इसका मतलब यह है कि जघन्य हत्याओं को दोषियों को जीवन भर सलाखों के पीछे रहना होगा। इसमें पैरोल या जल्द रिहाई के लिए विचार किए जाने की कोई संभावना नहीं होगी।

सुनक ने शनिवार को एक बयान में कहा, जीवन का मतलब जीवन है और न्यायाधीशों को उन अपराधियों को अनिवार्य रूप से आजीवन कारावास की सजा देना अनिवार्य होगा जो जघन्य हत्या करते हैं। नया कानून कुछ परिस्थितियों को छोड़कर न्यायाधीशों से गंभीर अपराधियों को आजीवन सलाखों के पीछे भेजने के आदेश की अपेक्षा रखेगा।

भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने आगे कहा, मैंने हाल ही में देखे गए क्रूर अपराधों पर

जनता की भयावहता को साझा किया है। लोग की उम्मीद सही है कि सबसे गंभीर मामलों में इस बात की गारंटी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन का मतलब जीवन है और लोग सजा में ईमानदारी की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा कि जघन्य अपराधियों के लिए अनिवार्य आजीवन कारावास का आदेश लाकर हम सुनिश्चित करेंगे कि वे कभी जेल से न छूटें।

उत्तरी इंग्लैंड के एक अस्पताल में सात नवजात शिशुओं की हत्या के मामले में दोषी पाए जाने के बाद नर्स लूसी लेटबी को आजीवन कारावास की सजा का आदेश दिया गया था। ब्रिटेन के वैधानिक प्रावधान मौत की सजा की अनुमति नहीं देते हैं। इसलिए यहां दी जाने वाली सबसे कठोर सजा आजीवन कारावास की अवधि है। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि चीजों को कानूनी आधार पर रखने से न्यायाधीशों को अपीलीय अदालतों में चुनौती के जोखिम के बिना आजीवन कारावास के आदेश देने में अधिक आत्मविश्वास होगा।

कानूनी फेरबदल के तहत किसी भी यौन प्रेरित हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा होगी। न्याय मंत्री एलेस चॉक ने कहा, हत्यारों के लिए अब आजीवन सजा के आदेश की अपेक्षा होगी। कानून में यह महत्वपूर्ण बदलाव सुनिश्चित करेगा कि सबसे खराब व्यक्ति अपना शेष जीवन जेल की सलाखों के पीछे बिताए। ब्रिटेन की सरकार ने कहा कि वह अगले महीने संसद के ग्रीष्मकालीन अवकाश से लौटने के साथ ही इन बदलावों के लिए कानून बनाएगी।

ओसामा को मारने वाला पूर्व अमेरिकी कमांडर गिरफ्तार

मारपीट के आरोप लगे, 2 लाख के बॉन्ड पर उसी दिन बेल मिली

इस्लामाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के एबटाबाद में घुसकर आतंकी ओसामा बिन लादेन को मारने वाली पूर्व अमेरिकी नेवी सील के कमांडर रॉबर्ट जे ओ'नील को टेक्सास शहर में गिरफ्तार किया गया। नील पर मारपीट और शराब पीकर अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगे।

हालांकि, जेल रिकॉर्ड में सिर्फ मारपीट की बात कही गई है। न्यू यॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक नील को गिरफ्तारी के कुछ घंटों बाद ही 2 लाख 88 हजार रुपए की बोंड पर छोड़ दिया गया। ये घटना तब हुई जब नील एक पोडकास्ट रिकॉर्ड करने के लिए एक लाउंज में गए थे।

विवादों से घिरे रहते हैं नील

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ये पहली बार नहीं है जब नील पर इस तरह सार्वजनिक जगहों पर अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगे हैं। 2020 में कोविड के दौरान उन्होंने मास्क पहनने से इनकार कर दिया था। तब डेल्टा एयरलाइन ने उन पर बैन लगा दिया था। 2016 में उन्हें नशे में गाड़ी चलाने के आरोप लगे थे।

नील हमेशा खुद के उस मिशन में शामिल होने का दावा करते हैं जिसने ओसामा बिन लादेन को मारने के लिए ऑपरेशन चलाया था। हालांकि, अमेरिकी सरकार न तो उनके दावों को खारिज करती है और न ही समर्थन।

ओसामा को मारने के लिए चलाए ऑपरेशन की कहानी

11 सितंबर 2001 को दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका पर आतंकी हमला हुआ। आतंकियों ने न्यूयॉर्क में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर विमान से हमला किया जिसमें तीन हजार लोगों की जान गई और अल कायदा नाम के आतंकी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली। इसे दुनिया के सबसे खौफनाक आतंकी हमलों में गिना जाता है। इसका मास्टरमाइंड था ओसामा बिन लादेन था। अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियां उसकी तलाश में लग गईं।

जुलाई 2010 में अमेरिका की सुरक्षा एजेंसी ने पाकिस्तान के एक शख्स पैनी नजर रखनी शुरू कर दी। इसका आना-जाना लादेन के घर में बना रहा, जिसकी पुष्टि अमेरिकी सैटेलाइटों ने भी की। ये सैटेलाइट्स सालों से 24 घंटे लादेन के उस घर पर नजर

बनाए हुए थीं। घर की बनावट, लंबी-ऊंची दीवारें, बालकनी में भी दीवारों आदि से उनका शक गहरा होता गया। राष्ट्रपति ओबामा की सहमति से तीसरे प्लान को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। कई दिनों तक चली प्लानिंग और कुछ मीटिंग्स के बाद सीआईए ने ओबामा को मारने के लिए 2 मई 2011 की तारीख तय की गई।

अफगानिस्तान से 2 अमेरिकी हेलिकॉप्टर एबटाबाद में लादेन के घर के ऊपर पहुंचे, तभी एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। सीआईए ने दो चिनूक हेलिकॉप्टर अफगानिस्तान के बॉर्डर पर तैनात कर रखा था। यह प्लान था कि किसी अनहोनी की स्थिति में इसे बुला लिया जाएगा। उसे भी सूचना दे दी गई।

इधर लादेन अपने ही कैद नुमा घर में फंस चुका था। उसने सुरक्षा के लिए अपने घर की बालकनी के बाहर भी दीवार बना रखी थी। कमरे में दरवाजे लोहे के थे और खिड़कियां कम थीं। इसलिए बाहर क्या हो रहा है, यह देख पाना भी संभव नहीं था।

जब कमांडर लादेन के घर घुसे कमरे के भीतर लादेन की दो पत्नियां भी मौजूद थीं। उनमें से उसकी पांचवी बीवी अमल अल फतह ने खुद को लादेन के आगे कर दिया।

लादेन के इस ऑपरेशन पर किताब लिखने वाले पीटर बर्गेन के अनुसार लादेन के बेडरूम के शेल्फ में कई एके-47 और माकारोव मशीन पिस्टल्स थीं। लादेन घबराहट में बंदूक भी नहीं उठा सका। उसकी पत्नी ने जब खुद को आगे किया तो भी लादेन ने विरोध नहीं किया। जवानों ने पहले उसकी पत्नी के टखने पर गोली मारी और वो वहीं गिर गई।'

सामने खड़ा ओसामा बिन लादेन निहत्था था। उसने सलवार कमीज पहन रखी थी और सिर पर इबादत के दौरान पहनी जाने वाली टोपी थी। सामने खड़े जवान ने उसके सीने में 5.56एमएम की एक गोली दाग दी। जैसे ही वह पीछे की तरफ गिरा जवान ने दूसरी गोली उसके सिर में मार दी। यह गोली ठीक उसकी बाईं आंख के ऊपर जाकर लगी। और सैनिक ने कहा- जेरोनिमो, जेरोनिमो, जेरोनिमो।

इस मिशन के शुरू होने के दौरान कुछ कोड बनाए गए थे। उसमें से एक कोड था जेरोनिमो। इसका मतलब था लादेन मिल गया। व्हाइट हाउस में अचानक से सीआईए की टीम को एक्शन फीड में जेरोनिमो सुनाई दिया। इसके बाद फिर एक आवाज आई जेरोनिमो ई.के.आई.ए. यानी दुश्मन कार्रवाई में मारा गया।

युद्धाभ्यास के दौरान यूएस मिलिट्री हेलिकॉप्टर क्रैश, 3 सैनिकों की मौत

अमेरिका बोला- मदद के लिए फिलहाल कुछ नहीं कर सकते

कैनबरा, 27 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में युद्धाभ्यास के दौरान रविवार 27 अगस्त को अमेरिकी मिलिट्री का वी-22 ऑस्प्रे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें सवार 23 सैनिक बुरी तरह घायल हो गए। जिनमें से 3 सैनिकों की बाद में मौत हो गई। बाकियों की हालत गंभीर है। बीबीसी ने घटना की जानकारी दी है।

सैनिकों को बचाने के लिए कई घंटों तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। हादसा स्थानीय समय के मुताबिक सुबह 9 बजकर 43 मिनट पर डार्विन शहर के तिवि आईलैंड के तट पर हुआ। मिलिट्री एक्सरसाइज में फिलिपींस और इंडोनेशिया भी शामिल थे।

ऑस्ट्रेलियन डिफेंस फोर्स यानी एडीएफ ने बताया कि इस पल हम सिर्फ सैनिकों को बचाने पर ध्यान दे रहे हैं। डार्विन एयरपोर्ट से रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए केयर फ्लाइट जेट का इस्तेमाल किया गया। कई सैनिकों को इलाज के लिए रॉयल डार्विन हॉस्पिटल में

भर्ती कराया गया है।

ये अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस साल का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास है। इस युद्धाभ्यास में 150 अमेरिकी सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की डिफेंस फोर्स के मुताबिक क्रैश हुए हेलिकॉप्टर में सभी सैनिक अमेरिकी थे। हादसे की वजह से युद्धाभ्यास को रोक दिया गया है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी एल्बनीज ने इस घटना पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने हादसे को दुखद बताया। वहीं एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि उन्हें घटना की जानकारी है, पर इस वक्त वो कुछ नहीं कर सकते।

युद्धाभ्यास के दौरान एक महीने में दूसरा बड़ा हादसा

युद्धाभ्यास के दौरान ये दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले 29 जुलाई को अमेरिका के साथ किए जा रहे युद्धाभ्यास में ऑस्ट्रेलियाई मिलिट्री का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था। एमआरएच-900 ताइपान हेलिकॉप्टर हेमिलटन आईलैंड के पास क्रैश हुआ था। इसमें चार सैनिकों की मौत हो गई थी।

अमेरिका का वी-22 ऑस्प्रे हेलिकॉप्टर

इस हेलिकॉप्टर को 1989 में डेवलप किया गया था। इसकी प्रोग्राम कॉस्ट उस समय करीब 22 अरब रुपए थी। हाल ही के दिनों में इसके क्रैश होने पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

- इसकी सबसे बड़ी खासियत रॉल्स रॉयस एई-1107सी इंजन थे, इससे गियर बदलते ही स्पीड बढ़ जाती है।

- हेलिकॉप्टर में लगे तीन इंजनों को ड्राइव शॉफ्ट्स से इसलिए जोड़ा गया था, जिससे कि किसी इंजन के फेल हो जाने पर बाकी इंजन उतनी ही स्पीड से काम कर सकें।

- हेलिकॉप्टर की बुलेटप्रूफ कॉकपिट के ग्लास नाइट विजन है, जिसके चलते पायलट अंधेरे में भी बिना लाइट ऑन किए नीचे देख सकता है।

नस्लीय हमले में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या

बोस्टन में गोलीबारी में कई घायल

बोस्टन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के फ्लोरिडा में शनिवार को एक जनरल स्टोर में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसे नस्लीय हमला बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गोलीबारी करने वाला व्यक्ति भी मर चुका है। उन्होंने कहा कि नस्लीय हमले में हत्या करने का संदेह है, क्योंकि हमलावर अश्वेत लोगों से नफरत करता था।

पुलिस अधिकारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि श्वेत हमलावर हमले के बाद खुद को गोली मार ली। शुरुआती जांच में मिले सबूत से पता चलता है कि हमलावर नफरत की विचारधारा से प्रभावित था, जो इस हमले का मुख्य कारण है। हालांकि, जैक्सनविले में इस हमले में कितने लोग घायल हुए, इसके बारे में जानकारी साझा नहीं की गई है।

मिस्त्र में होने वाले युद्धाभ्यास 'ब्राइट स्टार' में वायुसेना ने भेजे पांच मिग-29

ये देश भी होंगे शामिल

काहिरा, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मिस्त्र में होने वाले युद्धाभ्यास ब्राइट स्टार में शामिल होने के लिए भारतीय वायुसेना ने अपने बेड़े में पांच मिग-29 फाइटर जेट भेजे हैं। इनके अलावा छह ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और अपनी स्पेशल फोर्सेज के जवान भी मिस्त्र भेजे गए हैं। 21 दिनों तक चलने वाला यह युद्धाभ्यास रविवार से शुरू हो गया है। यह युद्धाभ्यास काहिरा एयरबेस पर होगा और इसमें मिस्त्र के अलावा अमेरिका, भारत, सऊदी अरब, ग्रीस और कतर की सेनाएं शामिल हो रही हैं।

स्पेशल फोर्सेज के जवान भी होंगे शामिल

गौरतलब है कि यह पहली बार है, जब इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना भी शामिल हो रही है। वायुसेना ने एक बयान में कहा है कि भारतीय बेड़े में 5 मिग-29 फाइटर जेट, दो आईएल-78, दो सी-130 और दो सी-17

एयरक्राफ्ट शामिल होंगे। भारतीय वायुसेना की स्पेशल फोर्स गरुड़ के कमांडो और स्वाड्रन 28,77,78 और 81 के जवान भी इस युद्धाभ्यास में शामिल हो रहे हैं। इनके अलावा भारतीय सेना के 150 जवान भी भारतीय बेड़े का हिस्सा हैं।

युद्धाभ्यास से मिलेगा ये फायदा

इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य संयुक्त संचालन के दौरान संयुक्त रूप से योजना बनाने और उसे लागू करने का अभ्यास किया जाएगा। इससे साझेदार देशों के साथ रणनीतिक संबंध बेहतर करने में भी मदद मिलेगी। बता दें कि भारत और मिस्त्र के संबंध हाल के समय में काफी मजबूत हुए हैं। दोनों देश जहां मिलकर एयरो-इंजन का विकास कर रहे हैं। साथ ही भारतीय वायुसेना द्वारा मिस्त्र के पायलटों को ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

कुछ समय पहले मिस्त्र के राष्ट्रपति भारत दौरे पर आए थे और बीते दिनों पीएम मोदी ने भी मिस्त्र का दौरा किया था।

फ्लोरिडा में मास शूटिंग, 3 अश्वेतों की मौत

हमलावर ने खुद को भी गोली मारी, पुलिस बोली- आरोपी अश्वेतों से नफरत करता था

जैक्सनविले, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में फ्लोरिडा राज्य के जैक्सनविले में शनिवार को एक स्टोर में गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने बताया एक शख्स गन लेकर स्टोर में घुसा। उसने तीन अश्वेत लोगों को निशाना बनाकर गोली मार दी। तीनों की मौत हो गई। रॉयटर्स के मुताबिक, तीनों की हत्या के बाद आरोपी ने खुद को भी गोली मार दी। जैक्सनविले के पुलिस अफसर टीके वॉटर्स ने बताया- आरोपी अश्वेत लोगों से नफरत करता था। यह एक नस्लीय हमला था। मरने वालों में 2 पुरुष और 1 महिला शामिल थी। शूटिंग से पहले आरोपी ने परिजनों, मीडिया और पुलिस अधिकारियों के लिए कई मेनिफेस्टो भी जारी किए थे, जिसमें उसने अश्वेतों के खिलाफ अपनी नफरत को बताया था। एफबीआई ने बताया कि हेट क्राइम हमेशा से उनकी प्रायॉरिटी रहा है। ये कुछ खास समुदाय के लोगों को डराने-धमकाने के मकसद से किया जाता है।

गोपनीय दस्तावेज मामले में अटक जेल में इमरान खान से पूछताछ

राजनयिक केबल खोने की बात स्वीकारी

इस्लामाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से अटक जेल में शीर्ष जांच एजेंसियों ने पूछताछ की। इस दौरान उन्होंने राजनयिक 'केबल' (गुप्त संदेश) की प्रति खोने की बात स्वीकार कर ली है। बता दें, खान पर पहले से ही दस्तावेज के गलत उपयोग के लिए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की आतंकवाद विरोधी शाखा (सीटीडब्ल्यू) ने शनिवार को जेल में पूर्व प्रधानमंत्री से मुलाकात की। एफआईए के उपनिदेशक अयाज खान के नेतृत्व में छह सदस्यीय संयुक्त जांच दल ने अटक जेल के उपाधीक्षक के कार्यालय में खान से एक घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। पूछताछ के दौरान खान ने सिफर खोने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा कि उन्हें याद नहीं है कि सिफर को कहां रखा है। खान ने इस बात से भी इनकार किया कि पिछले साल अपनी सरकार को हटाने से कुछ दिन पहले उन्होंने एक सार्वजनिक सभा में साजिश के सबूत के तौर पर जो कागज लहराया था, वह राजनयिक केबल था। खान ने कहा कि जनता के सामने जो कागज दिखाया था, वह कैबिनेट बैठक के मिनट्स थे, कोई सिफर नहीं। एजेंसी ने जांच के बाद सिफर के दुरुपयोग और इसके गलत इस्तेमाल में उनकी जानबूझकर संलिप्तता का पता चलने के बाद खान और पीटीआई के उपाध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एफआईआर में यह भी कहा गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव आजम खान, पूर्व योजना मंत्री असद उमर और इसमें शामिल अन्य सहयोगियों की भूमिका जांच के दौरान निर्धारित की जाएगी।

राज्यवर्धन बोले- मुख्यमंत्री ने जनता को किया गुमराह

राजस्थान में अपराधी बेखौफ, क्राइम में तोड़े सभी रिकॉर्ड

जयपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर ग्रामीण सांसद और बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शुक्रवार को बीजेपी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि पुलिस मुख्यालय में मुख्यमंत्री ने जनता को अपराध और दुष्कर्म के गलत आंकड़े पेश किए हैं। राजस्थान अपराधों के मामलों में देशभर में 12वें स्थान पर नहीं बल्कि, पहले स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि एनसीआरबी द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में 6000 से ज्यादा दुष्कर्म के मामले दर्ज हुए हैं। जबकि मध्यप्रदेश में 2900 और यूपी में 2800 मामले दर्ज हुए हैं। लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपराधियों को पकड़ने की जगह दूसरे राज्यों से प्रदेश की तुलना कर आम जनता को भयभीत करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक और जहां राजस्थान में अपराधी में लगाम हो गए हैं। वहीं मुख्यमंत्री पुलिस की पीठ थपथपा कर गैर जिम्मेदार आना बयान देते हैं। जो सरासर गलत है।

एक और जहां मुख्यमंत्री पुलिस मुख्यालय में प्रदेश में क्राइम कंट्रोल करने की बैठक ले रहे थे। वहीं दूसरी ओर राजस्थान में इस वक्त धौलपुर में एक थानेदार पिट रहा था। दौसा में पुलिसकर्मी की गोली लगने से हत्या हो गई थी। अजमेर में महिला के साथ दुष्कर्म हो रहा था। जबकि भिवाड़ी में फायरिंग और जयपुर में गैंगरेप जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था। लेकिन मुख्यमंत्री सिर्फ अपनी सरकार की लापरवाही पर लिपा पोती करने में जुटे हुए थे।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में हर दिन दुष्कर्म हत्या और चोरी की वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। बदमाश बेखौफ हो चुके हैं। जबकि पुलिस का मनोबल लगातार कमजोर हो रहा है। मुख्यमंत्री की घोषणाएं फेल हो गई है। इसलिए अब वह गारंटी देने लगे हैं। लेकिन उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में सिर्फ जयपुर और जोधपुर को ही राजस्थान मान शासन किया है।

उन्होंने प्रदेश में 200 मुख्यमंत्री बनाकर खुद की जिम्मेदारियां से दूरी बनाली थी। अब जब चुनाव का वक्त आया है। तब वह जनता को गुमराह करने के लिए झूठ और अटपटे बयान दे रहे हैं। क्योंकि उन्हें पता है राजस्थान की जनता अलगाववादी और अपराध का समर्थन करने वाली कांग्रेस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने की तैयारी कर चुकी है।

कांग्रेस नेता रामेश्वर डूडी को ब्रेन हेमरेज

पूर्व नेता प्रतिपक्ष रहे हैं; गहलोत बोले- उनकी तबीयत नासाज, एसएमएस में होगी सर्जरी

जयपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान कृषि उद्योग विकास बोर्ड के अध्यक्ष और कांग्रेस नेता रामेश्वर डूडी (60) को ब्रेन हेमरेज हुआ है। नेता प्रतिपक्ष रहे डूडी को पहले मानसरोवर के प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां से उन्हें सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के सीनियर्स डॉक्टर्स की सलाह पर एसएमएस हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया है। यहां उनकी सर्जरी की जाएगी।

इससे पहले रविवार सुबह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी डूडी को देखने मानसरोवर के हॉस्पिटल पहुंचे। जहां उन्होंने डॉक्टर्स और डूडी के परिजनों से भी उनकी सेहत की जानकारी ली। डॉक्टरों के अनुसार डूडी के ब्रेन की मिडलाइन में 17MM का डैमेज हुआ है। मुख्यमंत्री ने डूडी की सेहत की जानकारी देते हुए कहा कि उनकी तबीयत नासाज है।

डूडी के परिजनों ने बताया- आज सुबह 9 बजे वह घर पर अचेत होकर गिर गए थे। इसके बाद उन्हें मानसरोवर के मंगलम हॉस्पिटल में लाया गया। मुख्यमंत्री के पहुंचने के बाद राजस्थान के टॉप डॉक्टर्स की टीम को को यहां बुलाया गया। फिलहाल डूडी वेंटिलेटर पर हैं। बता दें कि रामेश्वर डूडी साल 2013 से 18 तक राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं। उनकी गिनती कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में होती है।

डूडी समर्थक जयपुर रवाना हुए

रामेश्वर डूडी वर्तमान में राजस्थान कृषि उद्योग विकास बोर्ड के अध्यक्ष हैं। नोखा के बिरमसर गांव में डूडी का पैतृक आवास है। डूडी के बीमार होने की सूचना मिलने पर डूडी समर्थक जयपुर रवाना हुए है। वहीं, नोखा में डूडी के जल्दी स्वस्थ होने के लिए समर्थक प्रार्थना कर रहे। रामेश्वर डूडी नोखा से विधायक, प्रधान भी रह चुके हैं।

मुनेश गुर्जर के खिलाफ कांग्रेस पार्षदों ने खोला मोर्चा

37 पार्षदों ने सीएम को लिखा- यह मेयर कांग्रेस पर कलंक, गिरफ्तार किया जाए

जयपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मुनेश गुर्जर के नगर निगम जयपुर हेरिटेज का मेयर पद फिर से संभालते ही विवाद हो गया है। अब कांग्रेस पार्षदों ने मेयर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 37 पार्षदों ने आज मेयर मुनेश गुर्जर को बर्खास्त करने के साथ ही उनकी गिरफ्तारी की मांग की।

उन्होंने सीएम के नाम पत्र में लिखा- 'यह निलंबित मेयर कांग्रेस पर कलंक है। इसके द्वारा कांग्रेस का नाम लेना भी पाप के समान है। इसे गिरफ्तार किया जाए।' इसके बाद अब नगर निगम में कांग्रेस के बोर्ड पर भी खतरा मंडराने लगा है।

जयपुर में खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के आवास पर विधायक अमीन कागजी और रफीक खान की मौजूदगी में 37 पार्षदों की बैठक हुई। इनमें 5 निर्दलीय पार्षद भी हैं। इसमें सभी पार्षदों ने मुनेश गुर्जर को निलंबित करने की मांग की। सभी ने अपने साइन कर मुनेश को बर्खास्त करने के साथ ही गिरफ्तार करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा।

37 पार्षदों ने सीएम अशोक गहलोत के नाम पत्र में लिखा- हम नगर निगम जयपुर हेरिटेज के सभी पार्षद भ्रष्टाचार की मूर्ति मुनेश गुर्जर के भ्रष्ट कार्यकलापों, जनता के साथ गलत व्यवहार, जयपुर में व्याप्त अव्यवस्था, पार्षदों और अधिकारियों के साथ गलत व्यवहार से पिछले ढाई साल से परेशान हैं। इसको बिना चुनाव के नेताओं के आदेश पर मेयर बना दिया। इसने मेयर बनते ही जीना हराम कर दिया। इसने झूठ बोला कि यह ग्रेजुएट है। इसके पास कोई डिग्री नहीं है। इसने भ्रष्टाचार की डिग्री प्राप्त कर ली है। पूरे जयपुर और राजस्थान में कांग्रेस पार्टी को इसने और इसके पति सुशील गुर्जर ने वोटों का भारी नुकसान पहुंचाया है।

पत्र में लिखा- 4 अगस्त 2023 की शाम 7 बजे मेयर के पति सुशील गुर्जर को दो दलालों नारायण सिंह और अनिल दुबे के साथ मुनेश गुर्जर की उपस्थिति में उसके घर से रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। एसीबी ने 12 घंटे की रिकॉर्डिंग भ्रष्टाचार के पैसे लेते हुए दर्ज की है। मेयर की उपस्थिति में 6 बार पैसों का लेन-देन हुआ है। परिवादियों के बयान और रिकार्डिंग एसीबी ने सत्यापित कर दी है। इसके बावजूद एसीबी मुनेश गुर्जर को गिरफ्तार नहीं कर रही है। यह आपकी जीरो टॉलरेंस की नीति को भी एसीबी के द्वारा चुनौती देने के समान है।

यह भी लिखा- जिन मामलों में रिकार्डिंग नहीं होती है। रंगे हाथों नहीं पकड़े जाते। उनमें भी एसीबी गिरफ्तार कर लेती है। यह मामला तो पूरी तरह साफ है। इसलिए भ्रष्ट, निलम्बित मेयर मुनेश गुर्जर को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। हम ऐसी भ्रष्ट मेयर के साथ काम नहीं कर सकते हैं। अगर इसमें नैतिकता होती तो पहले ही दिन निलंबन आदेश को चुनौती देने के बजाय इस्तीफा दे देती। यह निलम्बित मेयर कांग्रेस पर कलंक है। इसके द्वारा कांग्रेस का नाम लेना भी पाप के समान है। जो कांग्रेस सरकार के आदेश को चुनौती देकर, सरकार के प्रॉसिजर की मानवीय भूल का फायदा उठाकर स्टे लेकर सरकार को चुनौती दे रही है। इसे गिरफ्तार किया जाए।

इधर, मेयर मुनेश गुर्जर ने भी मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने जयपुर के सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए शहर कांग्रेस अध्यक्ष आर आर तिवाड़ी को अपना आवेदन पत्र सौंपा है। हालांकि पार्षदों के विरोध को लेकर अब तक मेयर मुनेश ने कोई भी बयान जारी नहीं किया है। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने 4 अगस्त को नगर निगम जयपुर हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर के घर छापा मारा था। एसीबी की टीम ने मेयर के पति सुशील गुर्जर और दो दलालों को गिरफ्तार किया था। सुशील पर पट्टे बनाने की एवज में 2 लाख रुपए की घूस मांगने का आरोप था। मेयर के घर सर्च में 40 लाख रुपए नकद मिले थे। जिनके लिए नोट गिनने की मशीन मंगवानी पड़ी थी। इसके साथ ही एक दलाल के घर भी 8 लाख नकद बरामद हुए थे।

उद्योग मंत्री शकुंतला रावत बोली इस बार रिकार्ड वोटों से जितेगी कांग्रेस, पाली में भी सीटों का सूखा होगा खत्म

पाली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश की अशोक गहलोत सरकार ने आमजन को ध्यान में रखकर सैकड़ों योजना शुरू की है। जिसका अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी फायदा हो रहा है। इस बार लोगों में कांग्रेस को लेकर खासा उत्साह है। जनता मतदान की तारीख का इन्तजार कर रही है। राजस्थान में कांग्रेस रेकर्ड वोटों से जीतेगी और पाली में भी कांग्रेस का सूखा खत्म होगा। यह बात रविवार को सर्किट हाऊस में प्रदेश की उद्योग मंत्री शकुंलता रावत ने कही।

मंत्री शकुंतला ने बताया कि पार्टी के पदाधिकारियों के निर्देश पर वे पाली आई है। पाली में इस बार ऐसे प्रत्याशी को खड़ा करे जो जीत कर पार्टी में कांग्रेस का विधायक नहीं होने का सूखा खत्म कर सके। इसलिए कौन प्रत्याशी पाली के लिए बेस्ट रहेगा जो यहां से पार्टी को जीत दिला सके इसका आंकलन करने आए है ताकि इस बार योग्य उम्मीदार को वोट दे जो जनता में अपनी अच्छी पहचान रखता हो और कांग्रेस को जीत दिला सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने चिरंजीवी योजना, महंगाई राहत कैम्प, मोबाइल वितरण, बालिका निशुल्क शिक्षा, बिजली के 100 यूनिट निशुल्क देने जैसी कई सराहनीय योजनाएं शुरू की है। जिससे आमजन को काफी लाभ मिल रहा है।

इस दौरान सर्किट हाऊस में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। जैतारण से किशोर चौधरी और रोहट क्षेत्र से पटेल समाज के लोग टिकट के लिए दावेदारी करने पहुंचे। उन्होंने मंत्री रावत से मुलाकात की। पटेल समाज के लोगों ने कहा पटेल समाज के किसी भी योग्य व्यक्ति को इस बार चुनाव में पाली विधानसभा से प्रत्याशी घोषित किया जाए। वही जैतारण से आए लोगों ने किशोर चौधरी को टिकट देने की बात कही। इसी तरह और भी कई लोग अपने पसंद के नेता को टिकट देने की मांग को लेकर मंत्री रावत से मिले। इस दौरान कांग्रेस नेता राजेन्द्र चौधरी, पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, पीसीसी सचिव भूराराम चौधरी, पूर्व विधायक भीमराज भाटी, नीलम बिड़ला, जोगाराम सोलंकी, मेहबूब टी, शोभा सोलंकी, भेराराम गुर्जर सहित कई जने मौजूद रहे।

इससे पहले मंत्री शकुंतला रावत ने जिला उद्योग विभाग से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में आमजन को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पाली में टेक्सटाइल उद्योग को लेकर स्थापित सीईटीपी प्लांट की स्थिति अन्य औद्योगिक शहरों की बेहतर है।

बालेसर पुलिस और हिस्ट्रीशीटर भवानी सिंह के बीच मुठभेड़

पकड़ने गई टीम पर आरोपी ने की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगी

बालेसर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जोधपुर की डीएसटी टीम और बालेसर पुलिस ने 25 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी भवानी सिंह ईंदा बेलवा कुई ईंदा सरपंच पर जानलेवा हमले का का मुख्य आरोपी है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि डीएसटी टीम और बालेसर पुलिस भवानी सिंह को पकड़ने चाबा गांव गई थी। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में भवानी सिंह के पैर में गोली लग गई। जिससे आरोपी घायल हो गया। जिसे शेरगढ सीएचसी लाया गया। जहां आरोपी का इलाज करवाया जा रहा हैं।

बेलवा निवासी भवानी सिंह ईंदा बालेसर पुलिस थाने का हिस्ट्रीशीटर और 25 हजार का इनामी बदमाश है। एसपी ने बताया कि जिला स्पेशल पुलिस एवं बालेसर पुलिस को भवानी सिंह के चाबा गांव में होने की सूचना मिली थी। लेकिन, टीमें उसको पकड़ने गई तो आरोपी भवानी सिंह ने पुलिस को देखकर फायरिंग करनी शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में भवानी सिंह के पैर में गोली लग गई और वो घायल हो गया। जिसे शेरगढ़ सीएचसी लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद जोधपुर रेफर कर दिया गया। आरोपी भवानी सिंह और उसके साथियों ने कुई ईन्दा सरपंच तिलोक सिंह के पर 4 जुलाई को जानलेवा हमला किया था। जिसका मामला शेरगढ़ पुलिस थाने में दर्ज हुआ था। वहीं, इसके अलावा भी उसके खिलाफ बालेसर और शेरगढ में कई मामले दर्ज है। भवानी सिंह बालेसर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। जिस पर जिला पुलिस अधीक्षक ने 25 हजार का इनाम घोषित किया था।

ज्वेलर के यहां दिनदहाड़े एक करोड़ की लूट

बैंककर्मी बन शॉप में घुसे बदमाश, बंधक बनाकर 2 किलो सोना ले गए

पाली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। ज्वेलरी की शॉप से दिनदहाड़े 2 बदमाश करीब 1 करोड़ कीमत का सोना लूट ले गए। बैंक कर्मचारी बनकर दोनों बदमाश आए थे। उन्होंने नशीला पदार्थ सुंघाकर ज्वैलर को बंधक बना लिया। इसके बाद मारपीट की। पुलिस को सूचना मिली तो नाकाबंदी भी कराई गई, पर बदमाश हाथ नहीं लगे। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। मामला पाली का है।

पड़ोसी ने पहुंचाया हॉस्पिटल

पाली शहर के बापू नगर विस्तार में किशन सोनी (40) पुत्र बाबूलाल सोनी की 'माता राणी भटियाणी' नाम से ज्वेलरी शॉप है। पड़ोस में रहने वाले संजय सोनी ने बताया- किशन सोनी की शॉप में लूट हुई है। दोपहर में दुकान के आगे का शटर बंद था। पीछे के दरवाजे पर दो युवक आए। उन्होंने खुद को बैंक कर्मी बताते हुए दरवाजा खुलवाया। अंदर घुसते ही बदमाशों ने किशन सोनी को रूमाल पर लगा कुछ नशीला पदार्थ सुंघाया और बंधक बनाकर हाथ-पैर बांधे। गले पर टेप बांधी और दुकान में रखा करीब 1 करोड़ कीमत का 2 किलो सोना और डीवीआर लेकर फरार हो गए। कुछ देर बाद किशन सोनी लड़खड़ाते हुए गेट तक आए। उनकी आवाज सुनकर संजय सोनी बाहर आए और उनके गले में लगे टेप हटाए। उन्हें लोगों की मदद से बांगड़ हॉस्पिटल ले गए, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के समय किशन सोनी शॉप में अकेले ही थे। उनके यहां काम करने वाले दोनों कारीगर घटना के समय दुकान में नहीं थे।

दोस्त के यहां खाना खाने के बाद दोपहर को पहुंचे थे शॉप

किशन सोनी की पत्नी ने बताया कि एक दोस्त के यहां सामाजिक प्रोग्राम था। इसलिए किशन सोनी ने घर पर खाना भी नहीं खाया था। किशन सोनी दोपहर करीब डेढ़ बजे घर से निकले थे। प्रोग्राम में पहुंचकर खाना खाया था और सीधे शॉप पर चले गए थे। पत्नी को वारदात की जानकारी मिली तो वह भी शॉप पर पहुंच गई।

25 अप्रैल 2021 को भी इसी तरह से किशन सोनी को बंधक बनाकर बदमाश सोने के 70-80 लाख रुपए के सोने के गहने लूटकर फरार हो गए थे। उस लूट की वारदात को 2 साल से ज्यादा हो गए। पुलिस अभी तक उसका भी खुलासा नहीं कर पाई है।

दो-तीन महीने पहले ही 60 लाख में बेचा था प्लॉट

किशन के भाई गिरीश सोनी ने बताया कि बापू नगर विस्तार अमरनाथ नगर में उनका एक प्लॉट था। उसे दो-तीन महीने पहले ही 60 लाख रुपए में बेचा था। उन रुपयों से सोना खरीद कर दुकान में स्टॉक किया था।

किशन सोनी मारवाड़ी सोने के आभूषण नोगरिया और कूणचा बनाने का होलसेल काम करते हैं। पाली सहित जोधपुर जिले से भी इनके पास गहने बनाने के ऑर्डर आते हैं। ऐसे में हर समय इनकी दुकान में लाखों रुपए के गहने और सोना रहता है।

मामले में शुक्रवार देर शाम को पीड़ित किशन सोनी के भाई गिरिश सोनी ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें 2-3 किलो सोने के गहने बदमाशों द्वारा लूट कर ले जाने की बात बताई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

13 साल से फरार तस्कर समेत 3 गिरफ्तार

आरोपी पर 50 से ज्यादा केस; गुजरात में भी दर्ज हैं 10 मामले

उदयपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर की भूपालपुरा थाना पुलिस ने 13 साल से फरार कुख्यात शराब तस्कर भरत डांगी सहित 3 ईनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है। भूपालपुरा थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने आरोपी भरत उर्फ भूरालाल डांगी, मोहनलाल डांगी और बाबूलाल डांगी को गिरफ्तार किया है।

भरत उर्फ भूरालाल के खिलाफ विभिन्न थानों में हत्या, डकैती, शराब तस्करी आदि के करीब 50 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। साथ ही भरत के खिलाफ गुजरात राज्य में भी करीब 10 से ज्यादा मामलों में जांच चल रही है। उदयपुर एसपी भुवन भूषण यादव ने बताया कि पुलिस मुख्यालय ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वांछित और फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया है।

अभियान के तहत एडिशनल एसपी अनंत कुमार और डिप्टी शिप्रा राजावत के सुपरविजन में थानाधिकारी भरत योगी के निर्देशन में टीम गठित की गई। जिसके तहत आरोपियों की तलाश करते हुए तीनों को गिरफ्तार किया गया। आगे भी इसी तरह अभियान जारी रहेगा।

नींद खुली तो सामने था 8 फीट लंबा अजगर

बच्चों के पास बैठा था, हमले की फिराक में था; रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

कोटा, 27 अगस्त (एजेंसियां)। चंबल गार्डन रोड मौजी बाबा की गुफा के पास बने एक कच्चे मकान में अजगर घुस गया। आठ फीट लंबा अजगर जब टापरी में घुसा उस वक्त महिला अपने बच्चों के साथ सो रही थी। अचानक उसकी नींद खुली तो महिला के होश उड़ गए। शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया और स्नैक कैचर की मदद ली गई। स्नेक कैचर गोविंद ने बताया कि ट्रैफिक गार्डन के पास टापरी में रहने वाले प्रभुलाल नागर फल सब्जी मंडी में काम करता है।

प्रभुलाल की पत्नी और दो बच्चे टापरी में मच्छरदानी लगाकर सो रहे थे। इसी दौरान उसकी पत्नी की आंख खुली तो देखा कि सामने अजगर था। उसी तरफ दोनों बच्चे भी सो रहे थे। उसकी पत्नी बच्चों को लेकर भागी और शोर मचाकर आसपास के लोगों को सूचना दी। इसके बाद स्नैक कैचर गोविंद मौके पर पहुंचे और रात करीब 1 बजे अजगर को रेस्क्यू किया।

उन्होंने बताया कि अजगर की लम्बाई करीब 8 फीट से ज्यादा थी। अजगर भूखा था। अगर महिला की नींद नहीं खुलती को वह किसी बच्चे पर हमला कर सकता था।

इंदिरा गांधी नहर से पानी चोरी, किसानों पर केस

बज्जू क्षेत्र में नहर में अवैध सायफन लगाकर किसान ले रहे हैं लाखों लीटर पानी, आईजीएनपी हुआ सख्त

बीकानेर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी नहर से पानी चोरी करके अपने खेत को आबाद करने वालों के किसानों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई हो रही है। नहर प्रशासन ने बज्जू में छह किसानों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज करवा दी है। इन किसानों ने नहर से सीधे पानी लेकर अपने खेतों की फसल में दिया। वहीं जिन किसानों की बारी थी,उन्हें उम्मीद से कम पानी मिला। बज्जू में इंदिरा गांधी नहर के सहायक अभियंता वसीम अकरम ने छह किसानों के खिलाफ पानी चोरी की एफआईआर करवाई है। ये किसान बाडसर लिफ्ट के साढ़े तीन किलोमीटर से साढ़े आठ किलोमीटर के बीच जगह-जगह सायफन लगाकर पानी चोरी कर रहे थे। इनमें किसान नूरे खान, बाबू खान, जमे खान, शेरबंद, कासम खान, अम्मू खान पर मामला दर्ज कराया गया है। बागड़सर से पृथ्वीराज का बेरा, ए माइनर, राणासर माइनर, बागानाड़ा माइनर के किसानों को पानी दिया जाता है। इसके लिए किसानों के आपसी समन्वय से एक कमेटी बनाई हुई है। पानी का वितरण इसी आधार पर होता है लेकिन कुछ किसानों ने अवैध रूप से पानी ले लिया। दरअसल, नहर में कहीं भी बड़ा पाइप डालकर पानी अपने खेत में लिया जाता है। इसके लिए कई जगह मशीन लगाकर पानी निकाला जाता है। वहीं कई जगह नहर के पास अवैध मोघे बना लिए जाते हैं। पानी के बड़े पाइप लगाकर सायफन बनाया जाता है। ये गैर कानूनी है और पानी चोरी की श्रेणी में आता है।

पित्ती ट्रस्ट व अग्रवाल सेवा दल द्वारा 114वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप संपन्न

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा दि हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेन्ट्स एसोसिएशन रिकाबगंज के सहयोग से 114वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप पेटल मार्केट चारकमान स्थित अग्रवाल शिक्षा समिति, भगवती बाई मांटेसरी स्कूल में आयोजित किया गया। आज यहां सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निःशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर में मेडिकवर अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. राजेश शुक्ला, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रुति, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक शाह, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. वेंकटरमण ने बीएमडी, 2डी इको, आरबीएस, बी.पी. जांच. बेगमपेट मार्केटिंग टीम सुनील माल्या (विपणन प्रबंधक), सुनील (शिविर समन्वयक) और मेडिकवर बेगमपेट अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ ने अपनी सेवा दी। अवसर पर लायंस क्लब ऑफ सिकंदराबाद डंडू आई इंस्टीट्यूट के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. वेंकटेश्वरुलु, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अली, प्रबंधक श्रीनिवास, कंप्यूटर परीक्षण शेख अब्दुल ने अपनी सेवा दी।

अवसर पर 73 रोगियों को निशुल्क चश्मों का वितरण किया गया और 15 रोगियों के मोतियाबिंद के निःशुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज, ईएनटी की सेवा ईएनटी सर्जन डॉ. अविनाश ने सेवा प्रदान की। अवसर पर शिविर संयोजक ने अग्रवाल शिक्षा समिति को स्थल उपलब्ध करवाने पर आभार व्यक्त किया। शिविर में 229 से अधिक लोगों ने लाभ लिया। शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा

दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, कैलाश केडिया, सुरेंद्र गोयल, निखिल राणासरिया, स्थानीय सहयोगी हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन, रिकाबगंज के अध्यक्ष अजय कुमार चनानिया, सचिव एम. सुनील कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव रविंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शेष कुमार गोयल कार्यकारिणी सदस्य धीरज गुप्ता, अचल गुप्ता, शैलेश अग्रवाल, टी. सुनील कुमार, पंकज अग्रवाल, पुरुषोत्तम आसवा, अनिल शर्मा, पंकज मित्तल स्वयंसेवक सुमन भुवानिया, सुनयना नरसरिया, संगीता जाजोदिया, कृष्णा जाजोदिया, निर्मला केडिया, अजय तुलस्यान, समाजसेवी शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती लेमिनेशन के सदस्य ने सहयोग दिया।

100 श्रेष्ठ साहित्यकारों में डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा का नाम भी शामिल

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय विद्या परिषद, पटना विश्वविद्यालय और अखिल भारतीय साहित्य परिषद, नईदिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में देश-विदेश के हिंदी के वर्तमान 100 बड़े रचनाकार कड़ी के अंतर्गत वर्ष 2023-24 की सूची आज जारी की गई। इस सूची में 56वें नम्बर पर दक्षिण भारत से प्रसिद्ध व्यंग्यकार डॉ.सुरेश कुमार मिश्रा"उरतृप्त'का नाम भी शामिल है।

दक्षिण भारत से प्रथम व्यंग्य यात्रा रवींद्रनाथ त्यागी सोपान सम्मान से सम्मानित युवा व सर्वाधिक सक्रिय व्यंग्यकार डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त' वर्तमान में सबसे जाना-माना नाम है। उन्हें आचार्य रामचंद्र शुक्ल की यशस्वी रचना हिंदी साहित्य का इतिहास का प्रथम ऑनलाइन संपादनकरने का श्रेय भी जाता है। उनकाएक तिनका इक्यावन आँखें प्रसिद्ध व्यंग्य संग्रह है। इसी में "किताबों की अंतिम यात्रा" जैसी प्रसिद्ध रचना है। इसकी गणना सर्वकालिक व्यंग्य रचनाओं में की जाती है। डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त' को तेलंगाना सरकार की हिंदी अकादमी ने श्रेष्ठ नवयुवा रचनाकार सम्मान से सम्मानित किया है।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा ने की बैठक

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा की कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल के निवास पर आयोजित की गई। शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्व प्रथम अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। मानद मंत्री सुभाष अग्रवाल दिल्लीवाले द्वारा बताया गया कि शाखा की श्रावण की सैर रविवार 6 अगस्त को परामर्शदाता नरेंद्र कुमार गोयल के फॉर्म हाउस पर आयोजित की गई थी जिसमे क़रीब 150 सदस्यों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। शाखा के सदस्यों के भ्रमण हेतु अक्तूबर माह में हरिद्वार, ऋषिकेश एवं मसूरी का निर्णय लिया गया जिसके संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले को मनोनीत किया गया। सदस्यों की सदस्य निर्देशिका बनाने हेतु निर्णय लिया गया, जिसके संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल को मनोनीत किया गया।

दीपावली के पश्चात अन्नकुट का कार्यक्रम गोल्डन टेम्पल, बंजारा हिल्स रोड नम्बर 12 में करने का निर्णय लिया गया। बैठक में अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष तारा चंद बंसल, मानद मंत्री सुभाष अग्रवाल दिल्लीवाले, सहमंत्री कैलाश चंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल ऑयल वाले, केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, सुरेश कुमार दिल्लीवाले, निवर्तमान अध्यक्ष महेश कुमार डाकोतिया, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, मंसाराम अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, कैलाश चंद अग्रवाल, सी. ए. रवींद्र अग्रवाल, राजीव गुप्ता, विनय सोन्थलिया, अजय कुमार दोचानिया, संजय अग्रवाल, अनुप मोर, जितेंद्र अग्रवाल आदि उपस्थित थे मानद मंत्री सुभाष अग्रवाल दिल्लीवाले के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ।

नेत्रहीन बच्चों के लिए बाल विकास गतिविधियां आयोजित

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भावसार विजन इंडिया हैदराबाद क्षेत्र-104 के श्रीमती परणीता सुत्रावे (अध्यक्षा) मोहन राव देवतराज (पूर्व-अध्यक्ष), श्याम कुमार नाजरे (मंत्री), श्रीमती लक्ष्मी गित्ते (कोषाध्यक्ष) प्रवीण पतंगे (इलक्ट प्रेसीडेन्ट) सुश्री राजश्री सुत्रावे (सलाहकार), मनीष सुत्रावे (सलाहकार), स्वरुपा भाण्डेकर, सुनीता सिगेकर, सपना घनाते कविता घनाते, अर्चना सुत्रावे, (बीवीआई सदस्य) के सहयोग से मलकपेट स्थित सरकारी नेत्रहीन विद्यालय में नेत्रहीन बच्चों के लिए बाल विकास गतिविधियों और नाश्ता वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

विशेष आमंत्रित श्रीमती रेखा लड्ढा के जन्मदिन पर नेत्रहीन बच्चों को विशेष उपहार दिया। इस अवसर पर उपस्थित राकेश कुमार गित्ते (गवर्नर सचिव), अश्वीनी पतंगे, कविता घनाते, अनिता पारेकर, सपना आकोडे, वंदना आस्तुकर, सपना घनाते, संगीता बेदरे, गीता नाजरे, शुभांगिनी नाजरे एक अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

सोपान दंतुलवार को मिला सर्व श्रेष्ठ समाज सेवक पुरस्कार

मदनूर, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। समाज सेवा के लिए सोपान दंतुलवार को मिला सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार से कर्नाटक राज्य बीदर जिला में सम्मान किया गया। मदनूर मंडल केंद्र के निवाशी सोपान दंतुलवार को शनिवार के दिन कर्नाटक राज्य के बीदर जिला में आयोजित एक समारोह कार्यक्रम में डॉ. बीआर अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मान किया गया। सोपान ने बताया कि यूनिवर्सिटी ऑफ टोलोसा मैक्सिको द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्हें सर्वश्रेष्ठ समाज सेवक पुरस्कार मिला। उन्होंने बताया कि यह सर्वोत्तम पुरस्कार उनके समाज सेवा के प्रयासों के लिए दिया गया। सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार पाने वाले सोपान को कई लोगों ने बधाई दी।

युवाओं के दिल में देशभक्ति जगाना एनसीसी का लक्ष्य : कर्नल प्रसूननाथ

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी, हैदराबाद ग्रूप के कमान अधिकारी कर्नल प्रसूननाथ ने कहा कि देश तभी शक्तिशाली बन सकेगा, जब युवाओं में एनसीसी के प्रति उत्साह बढेगा। उन्होंने कहा कि एनसीसी और कुछ नहीं, बल्कि युवाओं के दिल में देशभक्ति की भावना तथा वतन के प्रति सरफरोशी का तमन्ना जगाना है। उपरेक्त उद्गार कर्नल प्रसूननाथ ने एनसीसी बटालियन में थल सेना शिविर, तिरुपति में भाग लेने वाले 14 कैडेट्स के उत्साह वर्धन हेतु 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी में आयोजित विशेष कार्यक्रम में व्यक्त किया। बटालियन के कमान अधिकारी ने थल सेना कैंप में चयनीत 5 कैडेट्स एवं अन्य सभी का उन्होंने उत्साह वर्धन किया। उन्होंने और जोश के साथ आगे बढ़ने और जीवन का लक्ष प्राप्त करके ही शांत बैठने को कहा। चयनीत 5 कैडेट्स को आगामी शिविर में और मेहनत करने और थल सेना शिविर, नई दिल्ली के कैंप के लिए मेहनत करने को कहा। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. टीपी सिंह, लेफ्टिनेंट विजया, सुबेदार मेजर सत्यपाल सिंह, सुपरिंटेंडेंट चंद्रशेखर, आंध्र विद्यालय से पधारे डॉ. शशिकांत मिश्रा, पवन कुमार, पीआई स्टाफ एवं कैडेट्स ने भाग लिया।

डॉ.ए.एस.राव नगर में आयोजित समारोह में समाजसेवी भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित का सम्मान करते हुए राजस्थानी मित्र मंडल के पदाधिकारी व मित्रगण।

आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बीआरएस पार्टी उप्पल से बंडारी लक्ष्मा रेड्डी को उम्मीदवार घोषित किये जाने पर मौलाली हाउसिंह बोर्ड में उनका सम्मान राजस्थानी साफे व शॉल से करते हुए कैलाश शर्मा, बाबूलाल मुलैवा, किशनसिंह राठौड, प्रवासी समाज बन्धु व अन्य।

जन प्रतिनिधियों ने की मंत्री तलसानी से मुलाकात, की कई मुद्दों पर चर्चा

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के उदगीर के कुछ जन प्रतिनिधियों ने मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात कर कई विषयों पर चर्चा की। मंत्री ने उनकी समस्याओं के संबंध में सीएम केसीआर से बातचीत करन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार देश में कहीं और जैसी कई कल्याणकारी योजनाएं प्रदान कर रही है, इसलिए वे बीआरएस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही 3 हजार लोगों के साथ पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उदगीर के जन प्रतिनिधियों में हजरत शाह शैलानी वेलफेयर सोसायटी के महासचिव शेख समीर, संभाजी ब्रिगेड के अध्यक्ष देवाघंटे, संभाजी ब्रिगेड तालुका के उपाध्यक्ष खाजा शेख, संभाजी ब्रिगेड के महासचिव महेबूब सैयद, संभाजी ब्रिगेड के उदगीर शहर अध्यक्ष रहीम पीरावाले, संभाजी ब्रिगेड के उपाध्यक्ष संजय बमसोड़ शामिल थे। संभाजी ब्रिगेड के सचिव शेख एशपैक, संभाजी ब्रिगेड के कोषाध्यक्ष मस्तान पठान और अन्य ने आनंद कुमार गौड़ के नेतृत्व में मंत्री से मुलाकात की। उनके साथ स्थानीय नेता आनंद गैड भी शामिल रहे।

भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

निर्मल, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में रविवार को एक भीषण हादसा हो गया। मामड़ा मंडल में एक लॉरी ने एक टिपर को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मामडा मंडल में बुर्गुपल्ली और मोंडीगुट्टा के बीच सड़क निर्माण का काम चल रहा है, लेकिन टिपर सड़क निर्माण कार्य में व्यस्त था। उसी सड़क पर एक तेज़ रफ़्तार लॉरी ने नियंत्रण खो दिया और टिप्पर से टकरा गई। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस मौके पर सोन एसआई नवीन कुमार ने बताया कि मृतकों में दो की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। एक अन्य ने दावा किया कि निर्मल अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों की शिकायत के मुताबिक मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मृतकों की पहचान कुमराम राजेंद्र प्रसाद (31), पी. लाल सिंह (43) और शेख कासिम पीरा (43) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि राजेंद्र प्रसाद और लाल सिंह नेरडिगोंडा मंडल के रहने वाले थे, जबकि शेख खासी अनंतपुर जिले के रहने वाले थे। लाल सिंह टिपर चालक है और शेख कासिम क्लीनर है। पुलिस ने बताया कि राजेंद्र प्रसाद मजदूर था।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा 30 ऑगस्त को श्री वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर मामा ढपल्ली, पहाड़ीशरीफ पर होने जा रहे श्रावणी उपाकर्म महोत्सव की प्रचार सामग्री का विकोचन विप्र रत्न डॉ. एके पुरोहित द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर रामदेव नागला, नंद किशोर व्यास बिलाल, संदीप जायलवाल, सुनील व्यास, श्रीलाल पारीक, प्रदीप चोटिया, महेश उपाध्याय, आनंद ओझा, हरी किशन ओझा, मुकेश शर्मा, अभिषेक पारीक, हरी प्रशास रिणवा, अमर जयलवाल, सुधीर ओझा, गोपाल कृष्ण तिवारी, बजरंग लाल, आशीष पंडित, विनोद तिवाड़ी व अन्य।

झूठे दावे कर जनता को गुमराह कर रही है केसीआर सरकार : राजेश्वर सिंह

मेदक, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिला नरसापुर में उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले सरोज नगर के विधायक राजेश्वर सिंह ने कहा कि केसीआर प्रदेश के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो झूठ बोल रहे हैं और झूठी बातों से एक बार फिर तेलंगाना राज्य की जनता को धोखा दे रहे हैं। प्रदेश भाजपा के आह्वान पर विधायक राजेश्वर सिंह पिछले सप्ताह से मेदक जिले के नरसापुर में विभिन्न मंडलों में भ्रमण कर लोगों की समस्याएं पूछ रहे हैं और विभिन्न मुद्दों पर नेताओं से चर्चा कर रहे हैं। अवसर पर विधायक ने रविवार को नरसापुर शहर में एक कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के तहत महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षा के बिना छोड़ दिया गया है और देश के किसी भी अन्य राज्य की तुलना में अपराध दर में सबसे अधिक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि केसीआर तेलंगाना राज्य में पारिवारिक शासन चला रहे हैं, यह निश्चित है कि केसीआर जल्द ही चारामा गीतम गाएंगे और आने वाले चुनावों में लोग अपने वोटों से उनकी बुद्धिमत्ता को बताएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण इलाकों में सड़कें, शौचालय और स्कूलों में कक्षाएं खराब स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पेपर लीक के नाम पर छात्रों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों भारी बारिश के कारण किसानों की फसल बर्बाद हो गई थी और उन्हें फसल नुकसान का कोई मुआवजा नहीं दिया जा सका। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के सत्ता में आने के 9 साल बाद भी निर्माण कार्य बंद है। डबल बेडरूम वाले घर कहीं भी पूरे नहीं बन पाते. उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस पार्टी बीआरएस पार्टियां दो सिक्कों की तरह हैं। उन्होंने याद दिलाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 12 लाख लोगों को मुफ्त में उज्वला गैस वितरित की है और ढाई लाख लोगों को मंजूरी की मुहर लगाकर ऋण देने का अवसर दिया है। बाद में विधायक राजेश्वर सिंह सहित भाजपा नेताओं ने नरसापुर में एक विशाल बाइक रैली का आयोजन किया. इस कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुरलीधर यादव, विधानसभा भाजपा संयोजक वलदास मल्लेश गौड़, उत्तमसिंह राजपुरोहित , मेघराज भाटी , चिन्ना रमेश गौड़, बुचेस यादव, यादगिरी, प्रसाद, अंजनेयुलु गौड़ , बलराज, गुंडम शंकर और अन्य ने भाग लिया।

तिम्मईपल्ली में तेंदुए के कारण दहशत का माहौल

मेदक, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मसाईपेट मंडल के चेतला तिम्मईपल्ली गांव में तेंदुए की संदिग्ध गतिविधि से किसानों में दहशत फैल गई है। तेंदुए ने एक खेत में एक बछड़े को मार डाला और उसे खा गया। किसान मलोथ कृष्णा ने शनिवार को अपने मवेशियों को अपने कृषि क्षेत्र में एक शेड में रखा था। रविवार की सुबह जब वह शेड में लौटा तो देखा कि एक बछड़ा मारा गया है और आधा खाया हुआ शव वहीं पड़ा हुआ है।

नरसिंग राव की सेवाएँ अविस्मरणीय : जेपी

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। न्यू बोइनपल्ली संचारपुरी कॉलोनी बोर्ड के कर्मचारी नरसिंह राव की सेवानिवृत्ति कार्यक्रम आज संचारपुरी कॉलोनी के निवासियों के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर रघुचरण के नेतृत्व में भाजपा नेताओं एवं कॉलोनीवासियों ने नरसिंह राव दम्पति का सम्मान किया तथा स्मृति चिन्ह देकर सेवानिवृत्ति पर बधाई दी। कार्यक्रम में शामिल हुए छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जेपी ने कहा कि संचारपुरी कॉलोनी के निवासी छावनी परिषद के कर्मचारी नरसिंह राव को पार्क प्रबंधन के पर्यवेक्षक के रूप में हमेशा याद रखेंगे। जेपी ने कहा कि छावनी परिषद के अधीन सबसे बड़े संचारपुरी कॉलोनी पार्क का विकास उनके कार्यकाल में हुआ है।

उन्होंने कहा कि पिछले सीईओ से पार्क के प्रबंधन के लिए एक विशेष बोर्ड कर्मचारी नियुक्त करने के लिए कहने के बाद नरसिंह राव को दूसरे माली के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि बोर्ड के सीईओ मधुकर नाइक से नरसिंह राव के स्थान पर किसी अन्य कर्मचारी रघु चरण को नियुक्त करने के लिए कहा जाएगा। नरसिंह राव ने कहा कि पार्क में खूबसूरत पौधे विशेष प्रयासों के कारण हैं। कार्यक्रम में भूपाल रेड्डी, गिरिधर रेड्डी, मल्लेश यादव आदि शामिल हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मंदिर और धर्मग्रंथों ...

अंतरिक्ष एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सभी नियोजित रोवर गतिविधियों को सत्यापित कर लिया गया है। रोवर ने लगभग 8 मीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय कर ली है। रोवर के उपकरण एलआईबीएस और एपीएक्सएस चालू हैं।

इसरो ने बृहस्पतिवार को कहा था कि लैंडर उपकरण इल्सा, रंभा और चेस्ट को चालू कर दिया गया है। चंद्र सतह तापीय-भौतिकी प्रयोग (चेस्ट) नामक उपकरण चंद्रमा की सतह के तापीय गुणों को मापेगा। बता दें, भारत ने बुधवार (23 अगस्त) को तब इतिहास रच था, जब चंद्रयान-3 की सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' के साथ यह चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर ऐसा साहसिक कारनामा करने वाला दुनिया का अब तक का एकमात्र देश बना था।

चंद्रयान-3 के विक्रम...

इसरो ने 23 अगस्त को 30 किमी की ऊंचाई से शाम 5 बजकर 44 मिनट पर ऑटोमैटिक लैंडिंग प्रोसेस शुरू की और अगले 20 मिनट में सफर पूरा कर लिया। चंद्रयान-3 ने 40 दिन में 21 बार पृथ्वी और 120 बार चंद्रमा की परिक्रमा की। चंद्रयान ने चांद तक 3.84 लाख किमी दूरी तय करने के लिए 55 लाख किमी की यात्रा की।

2008 में चंद्रयान-1 को लॉन्च किया गया था। इसमें एक प्रोब की क्रैश लैंडिंग कराई गई थी जिसमें चांद पर पानी के बारे में पता चला। फिर 2019 में चंद्रयान-2 चांद के करीब पहुंचा, लेकिन लैंड नहीं कर पाया। 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 चांद पर लैंड कर गया। चांद पर सकुशल पहुंचने का संदेश भी चंद्रयान-3 ने भेजा। कहा- मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गया हूं।

आज के गरीब...

देश विश्व की फार्मेसी के रूप में उभरा :

एस. जयशंकर महामारी को याद करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने 100 से अधिक देशों में 'मेड इन इंडिया' टीकों के एक्सपोर्ट किया, जिसके माध्यम से देश 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में उभरा है।

कारोबारी क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को एक साथ लाएगा प्लेटफॉर्म :

इससे पहले पीएम ने लिखा- यह प्लेटफॉर्म कारोबारी क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को एक साथ लाएगा। बी20 इंडिया के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने कहा कि इसका विषय सभी व्यवसायों के लिए जिम्मेदार, त्वरित, नवीन, टिकाऊ और न्यायसंगत पहुंच सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

पीएम मोदी ने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स पदक विजेताओं को सराहा

भारत के पास 44 मेडल, 26 इसी साल जीते

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत ने इस साल वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में 26 पदक अपने नाम किए। खास बात यह है कि इससे पहले भारत के पास कुल 18 पदक थे, लेकिन इस साल भारतीय खिलाड़ी 11 स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सप्ताह मन की बात कार्यक्रम में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को जमकर सराहा।मन की बात के 104वें संस्करण में उन्होंने इस बार पदक जीतने वाले कुछ खिलाड़ियों से बात भी की। प्रधानमंत्री ने जिन खिलाड़ियों से बात की वह अलग-अलग राज्यों से थे और देश के अलग-अलग कोने के रहने वाले हैं। खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री से बात करके अपनी

खुशी जाहिर की और कहा कि इस तरह की सराहना भविष्य में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।

प्रधानमंत्री ने अपने कार्यक्रम में बताया कि इस साल भारत ने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी खेलों में कुल 26 पदक जीते, जिनमें 11 स्वर्ण पदक शामिल हैं। हालांकि, इससे पहले भारत इन खेलों में कुल 18 पदक ही जीत पाया था। पीएम मोदी ने कहा ₹ कुछ ही दिनों पहले चीन में विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स हुए थे। इन खेलों में इस बार भारत ने अब तक का अपना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया। हमारे खिलाड़ियों ने कुल 26 पदक जीते, जिनमें से 11 स्वर्ण पदक शामिल थे। आपको ये जानकर अच्छा लगेगा कि 1959 से लेकर अब तक जितने विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स हुए हैं, उनमें जीते सभी पदकों को जोड़ दें तो भी ये संख्या 18 तक ही पहुंचती है।

भारत ने 62 साल में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में कुल 18 पदक ही जीते थे, लेकिन इस बार भारतीय खिलाड़ी 26 पदक जीतने में सफल रहे, जिनमें 11 स्वर्ण पदक भी शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ियों की सफलता में खेलो इंडिया गेम्स जैसे आयोजनों का बड़ा योगदान है।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स के अलावा अन्य प्रतियोगिताओं में भी भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। खेल के प्रति प्रधानमंत्री की ऊर्जा ने क्रिकेट के अलावा भी अन्य खेलों के खिलाड़ियों को नई पहचान दिलाई है और आज के युवा दूसरे खेलों में भी करियर बनाने के लिए उत्साहित रहते हैं।

भारतीय मेंस 4x400 मीटर रिले टीम ने एशियन रिकॉर्ड तोड़ा

पहली बार वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालिफाई किया

बुडापेस्ट, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय मेंस 4x400 मीटर रिले टीम ने बुडापेस्ट में जारी वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में इवेंट की हीट में 2 मिनट 59.05 सेकंड का समय लेकर एशियन रिकॉर्ड तोड़ दिया। भारतीय टीम ने 9 टीमों के बीच हुई हीट में फाइनल के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। मेंस 4x400 मीटर रिले का फाइनल आज यानी 27 अगस्त को देर रात 1 बजे खेला जाएगा। टीम ने एशियन से साथ ही नेशनल रिकॉर्ड भी तोड़ा। 2020 ओलंपिक में मोहम्मद अनस, नूह निर्मल टॉम, अरोकिया राजीव और अमोज जैकब ने 3:00.25 नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 19 से 27 अगस्त तक हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में आयोजित की जा रही है।

मेंस की 4x400 मीटर रिले में भारतीय टीम ने एशियन रिकॉर्ड के साथ-साथ नेशनल रिकॉर्ड भी तोड़ा। पिछले एशियन रिकॉर्ड 2:59.51 सेकेंड का का था जो जापान ने

पिछले साल ओरेगॉन में बनाया था। वहीं पिछला नेशनल रिकॉर्ड टोक्यो ओलिंपिक 2020 में बना था जो 3:00.25 सेकेंड का था।

अमेरिका पहले स्थान पर रहा मुहम्मद अनस याहिया, अमोज जैकब, मुहम्मद अजमल वरियाथोडी और राजेश रमेश की भारतीय टीम ने हंगरी के बुडापेस्ट में नौ टीमों के बीच में दूसरा स्थान हासिल किया। USA 2:58.47 सेकेंड के समय के साथ पहले स्थान पर रहा। भारत के ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा मेंस के जेवलिन थ्रो फाइनल में हमवतन मनु डीपी और किशोर जेना के साथ एक्शन में दिखाई देंगे। नीरज ने क्वालिफाइंग राउंड के अपने पहले प्रयास में ही 88.77 मीटर थ्रो किया था, जो उनका सीजन का बेस्ट भी है।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की शुरुआत 1983 से हुई। भारतीय एथलीटों ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अब तक केवल दो मेडल जीते हैं। अंजू बॉबी जॉर्ज पेरिस 2003 में विमेंस लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल के साथ वर्ल्ड चैम्पियनशिप में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनीं थीं। पिछले साल नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीता था। अब तक चैंपियनशिप में किसी भारतीय ने गोल्ड नहीं जीता है।

एशियाई खेल 2023: एशियन गेम्स में कौन होगा टीम इंडिया का कोच?

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अक्टूबर-नवंबर में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप में व्यस्त होने के चलते टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ एशियन गेम्स में भारतीय दल का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। ऐसे में पूर्व बल्लेबाज और वर्तमान राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के अध्यक्ष वीवीएस लक्ष्मण कथित तौर पर एशियाई खेलों 2023 में भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच हो सकते हैं। वहीं इसी प्रतियोगित में पूर्व ऑलराउंडर हृषिकेश कानिटकर महिला टीम के अस्थाई कोच बन सकते हैं।

ऋतुराज गायकवाड़ करेंगे कप्तानी

एशियाई गेम्स 23 सितंबर से 8

अक्टूबर तक चीन के हांगझू में आयोजित किए जाएंगे। जहां भारतीय पुरुष टीम का नेतृत्व ऋतुराज गायकवाड़ करेंगे, वहीं महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। हालांकि, बांग्लादेश में अपने विवादास्पद व्यवहार के लिए आईसीसी द्वारा उन पर लगाए गए निलंबन के कारण वह पहले दो मैचों में नहीं खेल पाएंगी।

वीवीएस लक्ष्मण को मिलेगा इन दिग्गजों का साथ

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक एशियन गेम्स में वीवीएस लक्ष्मण भारतीय पुरुष टीम के कोच होंगे। वहीं पूर्व लेग स्पिनर साईराज बहुतुले गेंदबाजी कोच होंगे, जबकि मुनीश बाली फील्डिंग कोच की भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला टीम के लिए नए मुख्य कोच और सहयोगी स्टाफ की नियुक्ति को दिसंबर में शुरू होने वाले नए अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र की शुरुआत तक पीछे धकेल दिया गया है।

इस प्रकार कानितकर को एशियाई खेलों के लिए महिला टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। साथ ही, राजीब दत्ता महिला टीम के गेंदबाजी कोच होगी, जबकि सुभादीप घोष को फील्डिंग कोच बनाया गया है।

भारतीय पुरुष टीमः ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम मावी, शिवम दुबे , प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

भारतीय महिला टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, देविका वैद्य, अंजलि सरवानी, तितास साधु, राजेश्वरी गायकवाड़, मिन्नू मणि, कनिका आहूजा, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुषा बारेड्डी।

नेशनल रेसिंग चैम्पियनशिपः फॉर्मूला-4 में तिजिल और आर्या रहे पहले नंबर पर; नोविस कप की दोनों रेस अर्जुन नायर ने जीती

कोयम्बटूर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कोयम्बटूर में फॉर्मूला-4 नेशनल रेसिंग चैम्पियनशिप की शुरुआत हुई। पहले दिन फॉर्मूला-4 की 2 रेस में तिजिल राव और आर्या सिंह ने जीत दर्ज की। अर्जुन नायर ने नोविस कप की दोनों रेस में पहला स्थान हासिल किया। वहीं चेन्नई के आनंद ने कॉन्टिनेंटल GT कप जीता। नेशनल रेसिंग चैम्पियनशिप में 5 इवेंट हुए। इनमें 4 अलग-अलग विजेता देखने को मिले। चैम्पियनशिप का राउंड-2 भीकोयम्बटूर में आयोजित होगा।

बेंगलुरु के तिजिल राव डार्क डॉन रेसिंग बॉय्ज टीम की ओर से रेस करने उतरे। उन्हें उनकी ही टीम के आर्या सिंह और टीएस दिलजीत से कड़े कॉम्पिटिशन का सामना करना पड़ा। कुछ लैप में कोलकाता के आर्या तो कुछ में थ्रिसुर के दिलजित ने भी बाजी मारी। लेकिन तिजिल आखिरी लैप में सबसे आगे निकले और फॉर्मूला-4 की पहली रेस नंबर-1 पर रहकर फिनिश की। आर्या दूसरे और दिलजीत तीसरे नंबर पर रहे।

फॉर्मूल-4 की दूसरी रेस में डार्क डॉन रेसिंग टीम के ही आर्या ने करीबी मुकाबले में तिजिल को हराया। आखिरी 3 लैप तक भी पता नहीं था कि कौन जीत पाएगा, लेकिन आर्या ने पहला और तिजिल ने दूसरा स्थान हासिल किया। अहुरा रेसिंग टीम के विजयराज तीसरे नंबर पर रहे।

बेंगलुरु के अर्जुन नायर ने नोविस कप में जीत हासिल की। मोमेंटम मोटरस्पोर्ट्स टीम के ड्राइवर अर्जुन ने नोविस कप की दोनों ही रेस में फास्टेस्ट टाइमिंग अचीव की और पहले नंबर फिनिश किया। पहली रेस में उन्होंने 13 मिनट 23 सेकेंड का समय लिया, जबकि दूसरी में उन्होंने 13 मिनट 41 सेकेंड का टाइम लेकर जीत हासिल की।

वहीं चेन्नई के आनंद आर ने कॉन्टिनेंट जीटी कप पर कब्जा जमाया। उन्होंने 14 मिनट 53 सेकेंड का टाइम लेकर रेस जीती। हैदराबाद के मोहम्मद समरुल जुबैर दूसरे और डीटीएस रेसिंग टीम के जोएल जोसेफ तीसरे नंबर पर रहे।

अमन सहरावत विश्व चैंपियनशिप कुश्ती की टीम में शामिल

ट्रायल्स में जीते; आकाश और अनुज को भी मिली जगह

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। संदीप सिंह ने 86 किग्रा के ट्रायल में जोंटी कुमार को हराया। पृथ्वीराज पाटिल ने 92 किग्रा वर्ग में गौरव बालियान को साहिल ने 97 किग्रा में विक्की को हराकर भारतीय टीम में जगह पक्की की। सुमित मलिक ने आकाश अंतिल को हराकर 125 किग्रा में जीत दर्ज की।

पहलवान अमन सहरावत ने 57 किग्रा भारवर्ग का ट्रायल्स जीतकर विश्व कुश्ती चैंपयनशिप की टीम में अपनी जगह पक्की की। अमन ने ट्रायल्स के फाइनल में आतिश टोडकर को हराया। विश्व चैंपियनशिप 16 सितंबर से सर्बिया के बेलग्रेड में होगी।

आकाश दहिया 61 किग्रा में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि अनुज कुमार 65 किग्रा वर्ग में खेलते नजर आएंगे। अनुज के 65 किग्रा भारवर्ग में ओलंपिक पदक विजेता

बजरंग पूनिया खेलते आ रहे हैं।

अन्य मुकाबलों में अभिमन्यु ने मुलायम यादव को हराकर 70 किग्रा में विश्व चैंपियनशिप टीम में जगह बनाई। वहीं, नवीन ने सागर जगलान को हराकर 74 किग्रा का ट्रायल जीता। सचिन मोरे ने 79 किग्रा में रोहित गुलिया को हराकर विश्व चैंपियनशिप में खेलने का हक पाया।

संदीप सिंह ने 86 किग्रा के ट्रायल में जोंटी कुमार को हराया। पृथ्वीराज पाटिल ने 92 किग्रा वर्ग में गौरव बालियान को साहिल ने 97 किग्रा में विक्की को हराकर भारतीय टीम में जगह पक्की की। सुमित मलिक ने आकाश अंतिल को हराकर 125 किग्रा में जीत दर्ज की।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। अगर यह प्रतिबंध नहीं हटा तो भारतीय पहलवान तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर यूडब्ल्यूडब्ल्यू के बैनर तले चुनौती पेश करेंगे।

फ्रीस्टाइल टीम : अमन सहरावत (57 किग्रा), आकाश दहिया (61 किग्रा), अनुज कुमार (65 किग्रा), अभिमन्यु (70 किग्रा), नवीन (74 किग्रा), सचिन मोरे (79 किग्रा), संदीप सिंह (86 किग्रा), पृथ्वीराज पाटिल (92 किग्रा), साहिल (97 किग्रा), सुमित मलिक (125 किग्रा)।

बजरंग और दीपक ट्रायल्स में नहीं हुए शामिल

ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और अनुभवी ओलंपियन दीपक पूनिया राष्ट्रीय ट्रायल्स में शामिल नहीं हुए। बजरंग ने एशियाई खेलों के लिए विदेश में प्रशिक्षण लेने के लिए पहले ही विश्व ट्रायल छोड़ने का फैसला कर लिया था। बजरंग के करीबी जितेंद्र किन्हा के अलावा ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक के पति सत्यव्रत कादियान ने इस ट्रायल्स में हिस्सा नहीं लिया। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता दीपक पूनिया ने भी 86 किग्रा वर्ग में ट्रायल्स में शिरकत नहीं की। भारतीय खेल प्राधिकरण ने उन्हें एशियाई खेलों की तैयारी के लिए विदेश में प्रशिक्षण की अनुमति दे रखी है।

एशिया कप से पहले 3-0 से वनडे सीरीज जीता पाकिस्तान

अफगानिस्तान को तीसरा वनडे 59 रन से हराया; शादाब खान को 3 विकेट

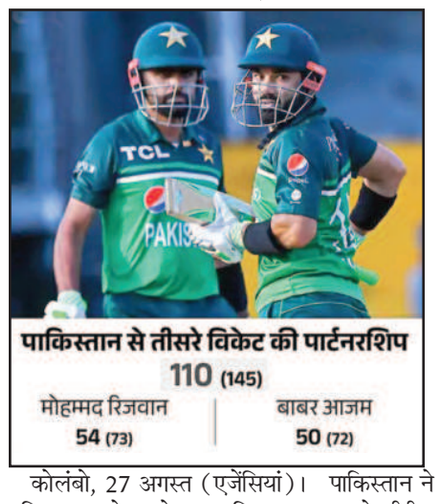

कोलंबो, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने एशिया कप से पहले अफगानिस्तान का वनडे सीरीज में सफाया कर दिया है। टीम ने कोलंबो में खेले गए सीरीज के आखिरी मुकाबले में 102 रन की बड़ी जीत दर्ज की। पाकिस्तान से कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने फिफ्टी लगाई। जबकि गेंदबाजी में शादाब खान ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

अफगानिस्तान से आखिरी में गेंदबाज मुजीब-उर-रहमान ने 5 छक्के और 5 चौके लगाकर टीम को जिताने की कोशिश की। लेकिन उनकी फिफ्टी टीम की जीत के लिए काफी नहीं रहे।

पाकिस्तान नबंर-1 रैंक वनडे टीम बनी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पहली बार वनडे सीरीज हुई। पाकिस्तान ने पहला वनडे 142 रन और दूसरा वनडे एक विकेट के करीबी अंतर से जीता था। टीम ने तीसरा वनडे 64 रन के अंतर से जीता। दोनों टीमों के बीच अब तक 7 वनडे खेले गए, सभी पाकिस्तान ने जीते। इस सीरीज से पहले दोनों टीमों के 4 वनडे एशिया कप और वर्ल्ड कप में ही खेले गए।

अफगानिस्तान को 3-0 से हराने के बाद पाकिस्तान टीम ICC वनडे टीम रैंकिंग की नंबर-1 रैंक टीम बन गई है। टीम के 118 अंक हो गए। दूसरे नंबर पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया के भी 118 पॉइंट्स ही हैं, लेकिन पॉइंट्स के कारण पाकिस्तान टॉप पर है। भारत 113 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

बाबर और रिजवान के बीच 110 रन की पार्टनरशिप

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने फखर जमान (27 रन) और इमाम उल हक (13 रन) के विकेट महज 52 के स्कोर पर गंवा दिए। यहां से कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने पारी संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 110 रन की अहम पार्टनरशिप की।

बाबर और रिजवान दोनों की फिफ्टी

बाबर आजम 60 रन बनाकर राशिद खान का शिकार हुए उनकी मोहम्मद रिजवान के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप टूटी। बाबर के बाद रिजवान भी 79 बॉल पर 67 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें फरीद खान ने LBW किया। दोनों के आउट होने के बाद आगा सलमान ने 38 और मोहम्मद नवाज ने 30 रन बनाकर आखिर में स्कोर 250 रन के पार पहुंचाया।

बाकी बैटर्स में सउद शकील 9, शादाब खान 3 और फहीम अशरफ-शाहीन अफरीदी 2-2 रन बना सके। टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 268 रन बनाए।

अफगानिस्तान से गुलबदीन नैब और फरीद अहमद ने 2-2 विकेट लिए। वहीं फजलहक फारूकी, मुजीब-उर-रहमान और राशिद खान को 1-1 विकेट मिला। जबकि एक बैटर रन आउट हुआ।

अफगानिस्तान ने 100 रन के अंदर 7 विकेट गंवाए 269 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही। दूसरे वनडे में शतक बनाने वाले विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज 5 रन बनाकर ही एलबीडब्ल्यू हो गए। उनके बाद रियाज हसन 34, कप्तान हसमतुल्लाह शाहिदी 13, मोहम्मद नबी 3, राशिद खान 16, फरीद अहमद 17 और फजलहक फारूकी 6 रन ही बना सके।

मुजीब-उर-रहमान ने आखिर में 4 छक्के और 3 चौके लगाकर फिफ्टी पूरी की और पाकिस्तान को जीत के लिए इंतजार जरूर करवाया। लेकिन वह भी 64 बनाकर आउट हो गए।

चुंबन विवादः फीफा ने स्पेन फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ उठाया कड़ा कदम, 90 दिनों के लिए किया निलंबित

ऑकलैंड, 27 अगस्त (एजेंसियां)। फीफा महिला फुटबॉल विश्व कप फाइनल में पुरस्कार समारोह के दौरान रुबियल्स को हर्मोसो को चूमते देखा गया था और बाद में इस घटना ने दुनिया भर में तहलका मचा दिया। यहां तक कि स्पेनिश प्रीमियर ने भी इस घटना पर ध्यान दिया और जोर देकर कहा कि रुबियल्स की माफी पर्याप्त नहीं थी।

वैश्विक फुटबॉल संस्था फीफा ने स्पेनिश फेडरेशन के अध्यक्ष लुइस रुबियल्स को 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। फीफा महिला विश्व कप फाइनल के दौरान स्पेनिश खिलाड़ी जेनी हर्मोसो के साथ कथित चुंबन की घटना के बाद कदम उठाया गया है। फीफा की अनुशासन समिति मामले की जांच करेगी और तब तक रुबियल्स किसी भी प्रकार की महासंघ गतिविधियों में भाग नहीं ले पाएंगे।

फीफा फाइनल में पुरस्कार समारोह के दौरान रुबियल्स को हर्मोसो को चूमते देखा गया था

और बाद में इस घटना ने दुनिया भर में तहलका मचा दिया। यहां तक कि स्पेनिश प्रीमियर ने भी इस घटना पर ध्यान दिया और जोर देकर कहा कि रुबियल्स की माफी पर्याप्त नहीं थी। हर्मोसो ने पहले ही कहा था कि स्पेनिश एफए अध्यक्ष के व्यवहार में उनकी सहमति नहीं थी, लेकिन रुबियल्स ने यह कहते हुए अपने पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था कि उन्होंने सीमा पार नहीं की है।

रूबियालेस ने क्या-क्या कहा था?

लुइस रूबियालेस ने कहा था कि वह स्पेनिश फुटबॉल संघ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा नहीं देंगे। इससे पहले मीडिया में रिपोर्ट आई थी कि लुइस शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। रूबियालेस सोमवार को इस प्रकरण को लेकर माफी मांग चुके हैं, लेकिन इस्तीफा देने से उन्होंने मना कर दिया।

रूबियालेस ने कहा था, "मैं अपने आदर्श की रक्षा करने के लिए बदनाम होने के लिए भी तैयार हूं। मैं इस उत्पीड़न के लायक नहीं हूं जो मैं झेल रहा हूं। उस समय जो कुछ भी हुआ, मैं उसके लिए बिना किसी हिचकिचाहट के माफी मांगना चाहता हूं। जेनी ही वह थीं जिन्होंने मुझे पहले उठाया था। मैंने उससे कहा कि पेनाल्टी के बारे में भूल जाओ और मैंने उससे कहा कि थोड़ा सा चुंबन? और उसने कहा ठीक है। चुंबन सहमतिपूर्ण था। कई लोग मेरा समर्थन कर रहे हैं जो कई खिलाफ भी हैं।"

फ्लाईओवर के नीचे बनाया बैडमिंटन कोर्ट, नेट से बंद किनारे

खिलाड़ियों के लिए कुर्सियां भी लगाईं

दिसपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। असम में फ्लाईओवर के नीचे बैडमिंटन कोर्ट बनाया गया है। इस कोर्ट के चारों तरफ जाल लगाया गया है। खिलाड़ियों के बैठने के लिए कुर्सियां भी लगाई गई हैं और दीवारों को देश के नामी बैडमिंटन खिलाड़ियों के पोस्टर से सजाया गया है। असम के जोरहाट शहर में अनोखा बैडमिंटन कोर्ट बनाया गया है। यह कोर्ट किसी पार्क या खेल के मैदान में नहीं है, बल्कि फ्लाईओवर के नीचे है। खास बात यह है कि यह शहर का पहला फ्लाईओवर है। असम बैडमिंटन एसोसिएशन (एबीए) के सचिव दिगंता बुरागोहेन ने बताया कि एक स्थानीय व्यवसायी एमपी अग्रवाल ने अपने पिता की याद में शहर के ना-अली इलाके में फ्लाईओवर के नीचे बुनियादी सुविधाओं के साथ सिंथेटिक कोर्ट दान किया है। कोर्ट के एक तरफ की दीवार को ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल सहित देश के स्टार शटलरों के पोस्टरों से सजाया गया है। खिलाड़ियों, कोचों और अन्य लोगों के लिए कुर्सियां लगाई गई हैं। खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए कोर्ट के किनारों को तार की जाली से घेर दिया गया है। बुरागोहेन ने कहा, सार्वजनिक स्थान का उपयोग ऐसे उद्देश्य के लिए करना एक अनूठा विचार था जिससे लोगों, विशेषकर युवाओं को फायदा होगा। जोरहाट बैडमिंटन एसोसिएशन इसका रखरखाव करेगा।

MARUTI SUZUKI ARENA

HOT AND TECHY

BREZZA

THE CITY-BRED SUV

Electric Sunroof

Head Up Display

Wireless Charging Dock

360 View Camera

SmartPlay Pro+ with Surround Sense

6 Airbags

Interior Ambient Lighting

Next Gen Suzuki Connect

BREZZA

E-BOOK* TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI ARENA DEALERSHIP

AUTHORISED DEALERS: HYDERABAD: ACER: (TIRUMALGIRI) CALL: 9154073240. **AUTOFIN:** (BOWENPALLY) CALL: 040-67292222. **JAYABHERI:** (GACHIBOWLI) CALL: 8100823456. **PAVAN:** (SERILINGAMPALLY) CALL: 7093711199. **VARUN:** (BEGUMPET) CALL: 040-44607676, (BANJARA HILLS) CALL: 040-44887676, (KUKATPALLY) CALL: 040-44587676, (VANASTHALIPURAM) CALL: 040-24029979, (GACHIBOWLI) CALL: 040-49497676. **RKS:** (SOMAJIGUDA) CALL: 9848898488, (MALAKPET) CALL: 9848898488, (SECUNDERABAD) CALL: 9848898488, (KUSHAIGUDA) CALL: 9848898488. **MITHRA:** (HIMAYATHNAGAR) CALL: 040-27634444, (MEHDIPATNAM) CALL: 7799884949. **SAI SERVICE:** (ERRAGADDA) CALL: 7331168888, (MIYAPUR) CALL: 7331168888. **ADARSHA:** (ATTAPUR) CALL: 8897973366, (KARMANGHAT) CALL: 8297576633. **KALYANI MOTORS:** (NACHARAM) CALL: 9100102157, (LB NAGAR) CALL: 9100102157. **GEM MOTORS:** (KONDAPUR) CALL: 9272506060. **E-OUTLETS: SAI SERVICE:** (SANGAREDDY) CALL: 7331168888. **ADARSHA:** (SIDDIPET) CALL: 9581656633. **VARUN:** (MEDAK) CALL: 9703656111. **AUTOFIN:** (MEDCHAL) CALL: 8885040034. **PAVAN:** (IBRAHIMPATNAM) CALL: 7093711199.

*Terms and conditions apply. Creative Visualization. Black Glass on the vehicle is due to lighting effect. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Images used are for illustration purposes only **Ex – Showroom Price Delhi.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.